अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक
- 12

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो
- 12

गाजा में भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका
- 13

सात्विक और चिराग दूसरे दौर में पहुंचे त्रीसा-गायत्री बाहर- 14

आज का मौसम

31.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.31

सूर्यास्त 07.05

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी 02:41 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 30 जुलाई 2025, वर्ष 5, अंक 159, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मेधा पाटकर की सजा कोर्ट ने बरकरार रखी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दायर मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को सुनाई गई सजा को मंगलवार को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति शालिंदर कौर ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। आदेश के खिलाफ पाटकर ने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

पिस्तौलों के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके एक गुर्गे को गिरफ्तार किया जो पाकिस्तानी तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहा है। डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तरनतारन के गांव मढ़ी मेघा निवासी भरतप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्तौलें बरामद की है जिसमें दो 9 एमएम, दो .30 बोर और एक .32 बोर की पिस्तौल है।

पूर्व आयुक्त के परिसरों पर ईडी ने की छापेमारी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वसई विरार शहर महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण से जुड़ी धन शोधन की जांच के सिलसिले में उसके पूर्व आयुक्त अनिल पवार से जुड़े कई परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत विरार, मुंबई और नासिक में पवार, उनके परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और कथित बेनामीदारों के 12 परिसरों की तलाशी ली गई।

फर्जी प्रमाणपत्र देने पर सीबीआई ने पकड़ा

पोर्ट ब्लेयर। सीबीआई ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) में नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान दीपक कुमार दास के रूप में हुई है, जो पोर्ट ब्लेयर के शादीपुर इलाके में स्थित एबीसी कॉलोनी का निवासी है।

अंदर देखें ... रंगोली

प्रधानमंत्री बोले- दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

लोकसभा में मोदी ने किया विपक्ष पर पलटवार, ट्रंप के दावों का खंडन

संसद में चर्चा

- कहा-कांग्रेस का सुर पाकिस्तान जैसा, पाकिस्तान को भी चेताया
- पहलगाम हमले पर कहा, भारत में दंगा फैलाने की थी बड़ी साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और इसे लेकर विपक्षी दलों के सवालों की पृष्ठभूमि में कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम हमला भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सेना ने 22 मिनट में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले का बदला निर्धारित लक्ष्य के साथ और तय कार्रवाई के अनुसार लिया। मोदी ने अपने लगभग सौ मिनट के भाषण में कहा कि सेना ने पिछले 10 साल से तैयारियां कर रखी थीं, न की होतीं तो इस तकनीक के युग में हमारा कितना नुकसान हो सकता था, इसका अनुमान लगा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इस अभियान में दुनिया का समर्थन तो मिला, दुनिया के देशों का समर्थन मिला, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि मेरे देश के वीरों के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला। मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के लोग पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे, उनकी ये बयानबाजी देश के सुरक्षाबलों का मनोबल गिरा रही थी। कहा कुछ लोग सेना के तथ्यों की जगह पाकिस्तान के गलत प्रचार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के दौरान दुनिया ने पहली बार आत्मनिर्भर भारत की ताकत को पहचाना और 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइल ने पाकिस्तानी हथियारों की पोल खोल दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद की घटनाएं पहले भी देश में होती थीं, लेकिन तब उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे और आगे की तैयारी में लग जाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और अब हमले के बाद उन्हें नींद नहीं आती। मोदी ने कहा कि उन्हें पता है कि भारत आएगा और मारकर जाएगा, यह 'न्यू नॉर्म' भारत ने स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से तीन चीजें तय हो गईं कि अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देकर रहेंगे, कोई भी परमाणु 'ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी और हम आतंकियों की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

मिसाइल प्रलय ने लगाया लक्ष्य पर सटीक निशाना

बालासोर/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। मिसाइल ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। 'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी पेलोड (भार) क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। यह मिसाइल पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम है और इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस मिसाइल से सशस्त्र बलों को खतरों के खिलाफ और तकनीकी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम रेंज क्षमता की पुष्टि करने के लिए उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। कहा कि मिसाइलें निर्धारित दिशा में सटीक रूप से आगे बढ़ीं और सटीकता के साथ लक्ष्य पर पहुंचीं। प्रलय एक स्वदेशी रूप से विकसित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है।

एआई से लैस होगा यूपी का सड़क सुरक्षा मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने दी पहली एआई-आधारित सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट को मंजूरी
- 10 करोड़ के बजट से शुरू होगा छह हफ्ते का पायलट प्रोजेक्ट

अमृत विचार : भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना को औपचारिक एनओसी दे दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पहल मोटर यान अधिनियम 1988 व केंद्रीय मोटर यान नियमावली 1989 का पूर्ण पालन करेगी और केंद्र सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं डालेगी।

योगी सरकार की इस पहल को देश का पहला एआई संचालित सड़क सुरक्षा परीक्षण माना जा रहा है, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई व वैश्विक टेक-पार्टनर एमलोगिका द्वारा शून्य लागत पर चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 10 करोड़ की व्यवस्था कर डेटा संचालित प्रशासन मॉडल की आधारशिला रख चुकी है।

मिलेंगी पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं

इस परियोजना का प्रारंभिक प्रूफ ऑफ कांसेप्ट चरण छह सप्ताह का होगा, जिसमें दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम, वाहन टेलीमैटिक्स, ड्राइवर प्रोफाइल व सड़क ढांचे से जुड़े डेटा को एकीकृत कर एआई मॉडल तैयार किए जाएंगे। इसका उद्देश्य दुर्घटना के मूल कारणों की पहचान, ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करना है। परियोजना के सफल परीक्षण के बाद इसी एआई इंजन को फेसलेस लाइसेंस, परमिट प्रणाली, राजस्व वसूली, ई-चालान व वाहन सारथी प्लेटफॉर्म में चरणबद्ध रूप से बढ़ेगा। इससे नागरिकों को पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं मिलेंगी।

प्रौद्योगिकी सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि परियोजना पूरी होने पर विस्तृत परिणाम रिपोर्ट मोर्थ को प्रस्तुत की जाएगी। डेटा गोपनीयता, विधिक अनुपालन और साइबर सुरक्षा मानकों का निरंतर ऑडिट किया जाएगा। इस परियोजना से उम्मीद है कि राज्य में दुर्घटनाओं में ठोस कमी, प्रवर्तन में वैज्ञानिकता और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता आएगी। यह डेटा-संचालित शासन की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

आईएमएफ ने भारत का विकास अनुमान बढ़ाया

न्यूयॉर्क। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का विकास अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने मंगलवार को जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य अपडेट में कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहेगी। पहले उसने अप्रैल में जारी डब्ल्यूईओ में चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था। आईएमएफ ने कहा है कि उसने वैश्विक कारकों में सुधार के कारण भारत का विकास अनुमान बढ़ाया है।

खटीमा में ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ

संवाददाता, खटीमा

- सीएम ने किया खटीमा में केंद्रीय विद्यालय भवन का लोकार्पण

खटीमा में केंद्रीय विद्यालय भवन का लोकार्पण करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, देश में शिक्षा के क्षेत्र में आई नई क्रांति के पांच वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर खटीमा में भी ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ हो रहा है। यह बात उन्होंने मंगलवार को खटीमा में 26.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय विद्यालय के भवन का लोकार्पण करते हुए कही।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने खटीमा को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार जताते कहा कि, केंद्रीय विद्यालय की शिक्षा हमारी सेना, अर्धसैनिक बलों सहित तमाम कार्मिकों के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा के छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए यहां से पलायन न करना पड़े, इसके लिए उन्होंने विधायक रहते हुए खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए हरसंभव प्रयास किए और आज विद्यालय को अपना भवन भी मिल गया है। खटीमा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से यहां के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने और उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसके अंतर्गत हमने प्रदेश के 5600 से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्रों में बालवाटिका कक्षाओं की शुरुआत कर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की है।

आईबीसीए में शामिल होने पर 24 देशों ने दी सहमति

- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत की अगुवाई में शुरू की गई अंतर्राष्ट्रीय पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 24 देश सहमत हो गए हैं।

आईबीसीए वेबसाइट के अनुसार, 12 देश - भारत, आर्मेनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, इस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम - वर्तमान में गठबंधन के सदस्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा कि भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर वर्तमान में 58 हो गई है, जो राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुरू करने की भी घोषणा की।

सितारगंज में खेत में पानी लगाने के विवाद में युवक को गोली से उड़ाया

संवाददाता, सितारगंज

- चुनावी रंजिश को लेकर भी पुलिस कर रही जांच, गांव में तनाव

अमृत विचार : सितारगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब सैंजनी गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक तौर पर हत्या का कारण खेत में पानी लगाने का विवाद बताया जा रहा है लेकिन इलाके में चर्चा चुनावी रंजिश को लेकर भी होती रही।

इस घटना के बाद से गांव में तनाव व्याप्त है, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के अनुसार, सितारगंज क्षेत्र के सैंजनी गांव में खेत में पानी लगाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया। कहासुनी के बीच सुरजीत सिंह नामक युवक को हमलावर ने गोली मार दी, जिससे सुरजीत की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज और हत्या की खबर फैलते ही गांव में अफरातफरी मच गई। पुलिस युवक के शव को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंची, जहां दर्जनों ग्रामीण एकत्र हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खटीमा मोर्चरी भेजते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाए तो करेंगे हस्तक्षेप

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार में एसआईआर पर सुनवाई के दौरान बोला सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है और इसे कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाता है, लेकिन बिहार में यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है, जिससे वे मतदान का अपना महत्वपूर्ण अधिकार खो देंगे। भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने एक बयान जारी कर कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं।

आज उपग्रह निसार की लॉन्चिंग, एरीज उत्सुक

नैनीताल। निसार उपग्रह आज शाम 5:40 बजे लॉन्च होगा। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट द्वारा भेजा जाएगा। यह धरती से 743 किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। इस ऐतिहासिक लम्हे का आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पर्यावरण वैज्ञानिकों को बेसब्री से इंतजार है।

एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा के अनुसार, ये देश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वहीं, इस उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हिमालय रीजन की भूगर्भीय व वायुमंडलीय स्थिति को समझने में एरीज के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने व आंधी तूफान की उत्पत्ति को समझ पाना आसान हो सकेगा।

बाघ संरक्षण | अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की घोषणा

टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में होगी अग्निवीरों की सीधी तैनाती

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- टीपीएफ में की जाएगी 80 से अधिक युवाओं की भर्ती

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व (सीटीआर) में स्थापित की जा रही टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (टीपीएफ) में उत्तराखंड के अग्निवीरों को सीधी तैनाती दी जाएगी।

टीपीएफ में 80 से अधिक युवाओं की भर्ती होगी। इस बल का प्राथमिक उद्देश्य बाघों और उनके आवास की सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे न केवल बाघ संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी बल्कि अग्निवीर योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाघों के प्राकृतिक आवास का संरक्षण भी महत्वपूर्ण है। यह फोर्स वनों की कटाई और उनके आवास को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने में मदद करेगी तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन में भी सहयोगी बनेगी। उन्होंने कहा कि कई बार बाघ आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष होता है। यह फोर्स ऐसी स्थितियों को संभालने और नियंत्रित करने में प्रशिक्षित होगी, ताकि दोनों पक्षों को नुकसान न हो। इस फोर्स को आधुनिक निगरानी तकनीकों, जैसे ड्रोन, थर्मल इमेजिंग और जीपीएस ट्रैकिंग से लैस किया जाएगा, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी। टीपीएफ का मुख्य काम बाघों के अवैध शिकार को रोकना होगा। लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और अतिक्रमण पर भी यह नियंत्रण रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के जवान रणनीतिक योजना और त्वरित निर्णय लेने में निपुण होते हैं। अग्निवीरों को अक्सर आधुनिक हथियारों और संचार प्रणालियों के उपयोग का ज्ञान होता है, जो उन्हें वन्यजीव संरक्षण के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।

अग्निवीर राष्ट्र सेवा की भावना से ओत-प्रोत होते हैं। वन्यजीव संरक्षण भी एक प्रकार की राष्ट्र सेवा है, और यह भावना उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति अधिक समर्पित बनाएगी। उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने से उन्हें क्षेत्र के भूगोल, मौसम और स्थानीय चुनौतियों की बेहतर समझ होगी, जिससे उनका काम और प्रभावी होगा।

यह पहल देगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीटीआर, भारत में बाघों के सबसे महत्वपूर्ण आवासों में से एक है, जिसे अब एक अत्यधिक प्रशिक्षित और समर्पित बल की सुरक्षा मिलेगी। इससे अवैध शिकार की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। अग्निवीरों की भर्ती से स्थानीय समुदाय भी संरक्षण प्रयासों में शामिल होगा, जिससे एक सकारात्मक माहौल बनेगा। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो इसे देश के अन्य बाघ अभयारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों में भी दोहराया जा सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर बाघ संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,30 जुलाई 2025

स्टेट ब्रीफ

निजी सुरक्षा के हवाले होगा मनसा देवी मंदिर

देहरादून : जिला प्रशासन और मां मनसा देवी मन्दिर ट्रस्ट के बीच मंगलवार को हुई बैठक में प्रशासन ने सभी सम्बन्धित विभागों को एक सप्ताह में सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट व सुझाव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में तय हुआ कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मां मनसा देवी ट्रस्ट द्वारा वैष्णो देवी मन्दिर की तरह प्राइवेट सिक्योरिटी तैनात होगी, जिन्हें भीड़ नियंत्रण, फायर फाइटिंग, वनाग्नि रोकथाम व आपदा सहित विभिन्न सुरक्षात्मक पहलुओं पर पुलिस व वन विभाग द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

दिव्यांग पेंशन योजना अब हुई सरल

देहरादून : सीएम द्वारा की गई घोषणा के क्रम में सचिव समाज कल्याण डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी ने निदेशक समाज कल्याण को संबोधित पत्र में निर्देश दिए हैं कि दिव्यांग पेंशन योजनान्तर्गत ऐसे लाभार्थी, जो निर्धारित मासिक आय सीमा 4000 रुपये की पात्रता पूर्ण करते हों, के पुत्र/पौत्र 20 वर्ष से अधिक आयु के होने पर भी पेंशन हेतु पात्र होंगे। बीपीएल श्रेणी के लाभार्थी, जिनके पुत्र/पौत्र 20 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, भी पेंशन हेतु पात्र होंगे।

प्रमुख धार्मिक स्थलों का विशेषज्ञ करेंगे सर्वे

मुख्य सचिव ने प्रदेश के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन करने के लिए तकनीक का उपयोग करते हुए भीड़ प्रबंधन तंत्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए सभी प्रकार की भौतिक एवं तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मंडलायुक्त को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है।

मुख्य सचिव (सीएस) ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि, अधिक महत्वपूर्ण मंदिरों को प्राथमिकता पर लेते हुए पहले चरण में मनसा देवी, चंडी देवी, नीलकंठ, कैंचीधाम और पूर्णागिरि मंदिर का विशेषज्ञों के माध्यम से विश्लेषण करा लिया जाए। स्थानीय प्रशासन एवं धार्मिक स्थलों के हितधारकों को विशेषज्ञों की टीम को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहा कि विशेषज्ञों की यह टीम मंदिर क्षेत्र का विश्लेषण कर भीड़ प्रबंधन, निकासी योजना और बॉटल नेक एरिया के लिए सिविल इंजीनियरिंग और तकनीकी पहलुओं का परीक्षण कर विभिन्न जगहों पर रुकने के स्थान आदि के लिए एक प्रॉपर प्लान और प्रॉपर एसओपी तैयार करेगी।

प्रदेश के धार्मिक स्थलों में भीड़ प्रबंधन को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबन्धन आदि के सम्बन्ध में सीएस बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सीएस ने निर्देश देते हुए कहा कि हरिद्वार के मनसा देवी में श्रद्धालुओं में हुई भगदड़ जैसी घटनाओं पर काबू पाने के लिए प्रदेश के ऐसे सभी धार्मिक स्थलों, जहां महत्वपूर्ण दिवसों में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ जैसी घटनाओं की आशंका बनी रही है, को चिन्हित कर उनमें अंशकालिक एवं दीर्घकालिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। धार्मिक स्थलों के मार्गों में सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कर मार्गों का चौड़ीकरण कराया जाए। मार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार अभियान चलाए जाएं। धार्मिक स्थलों में भीड़ प्रबंधन के लिए तकनीक का प्रयोग भी किया जाए। धार्मिक स्थलों में अत्यधिक भीड़ होने पर मार्गों में श्रद्धालुओं को रोके जाने हेतु स्थल तैयार किए जाएं।

- पहले चरण में पांच मंदिरों का हुआ चयन, मंडलायुक्त बनाए गए नोडल अधिकारी

हर धार्मिक स्थल के लिए बने रूट और सर्कुलेशन प्लान

सीएस ने निर्देश दिए कि प्रत्येक धार्मिक स्थल के लिए रूट और सर्कुलेशन प्लान तैयार किया जाए, ताकि धार्मिक स्थलों में अचानक भीड़ न हो। भीड़ होने की संभावना को देखते हुए श्रद्धालुओं को रोके जाने के लिए पूर्वनिर्धारित स्थानों में रोका जाए। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु सचिव शैलेश बगौली, धीराज सिंह गरब्याल, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में माध्यम से कमिश्नर कुमाऊं दीपक रावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हरिद्वार के मदरसों पर हुई हाईकोर्ट में अहम सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार में बिना पंजीकरण के चल रहे अवैध मदरसों को जिला प्रशासन द्वारा सील किए जाने के मामले में मदरसा संचालकों की तरफ से दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई की।

सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने मदरसा संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे जिला माइनॉरिटी वेलफेयर अधिकारी (डीएमडब्ल्यूओ) को इस आशय का शपथपत्र देंगे कि जब तक उनको सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक वे मदरसों में कोई धार्मिक, शिक्षण और नमाज के कार्य नहीं करेंगे। इनमें क्या खोला जाएगा, उस पर राज्य सरकार निर्णय लेगी। मदरसे खाली खुलेंगे। मामले के अनुसार, हरिद्वार के मदरसा जामिया राजबिया फैजुल कुरान, मदरसा दारुल कुरान, मदरसा नुरूहुदा एजुकेशनल ट्रस्ट, मदरसा सिराजुल कुरान अरबिया रासदिया सोसाइटी और दारुलउलम सबरिया सिराजिया सोसाइटी ने याचिकाएं दायर कर कहा कि जिला प्रशासन ने बिना नियमों का पालन करते हुए कई मदरसों को सील कर दिया जबकि मदरसों में शिक्षण संस्थान चल रहे थे।

याचिका के अनुसार, मदरसों का पंजीकरण करने के लिए उनके द्वारा आवेदन भी किया गया है लेकिन मदरसा बोर्ड नहीं बैठने के कारण उनका पंजीकरण नहीं हो पा रहा है। जब तक पंजीकरण नहीं होता तब तक सील को हटाया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकार की तरफ से कहा गया कि ये मदरसे अवैध रूप से चल रहे थे। इनका पंजीकरण नहीं हुआ है। इनमें शिक्षण, धार्मिक अनुष्ठान व नमाज भी हो रही है। ये सभी किसी व्यक्ति विशेष या अन्य के द्वारा संचालित हो रहे हैं इसलिए इन्हें सील किया गया। जो मदरसे पंजीकृत थे, उनको प्रशासन ने सील नहीं किया। उनको सरकार की तरफ से मिलने वाला अनुदान मिल रहा है जबकि अवैध को नहीं।

दिसंबर तक हर घर में पहुंचेगा नल से जल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: जल जीवन मिशन के तहत दिसंबर माह तक उत्तराखंड के प्रत्येक घर में नल से जल पहुंच जाएगा। उत्तराखंड भाजपा के

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट द्वारा संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में केन्द्र सरकार ने यह जानकारी दी। साथ ही बताया, विगत पांच वर्षों में राज्य के लाखों किसानों को फसल बीमा से लगभग एक हजार करोड़ की मदद प्राप्त हुई है।

सत्र के दौरान जल शक्ति मंत्रालय से उनके द्वारा अतारांकित प्रश्न संख्या 879 में प्रदेश में जल जीवन मिशन की प्रगति को लेकर जानकारी मांगी गई थी, जिसके ज़बाब में राज्य मंत्री, जल शक्ति वी. सोमण्णा ने उत्तर दिया कि उत्तराखंड सहित राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी से जल जीवन मिशन कार्यान्वित हो रही है, ताकि देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार हेतु नल जल आपूर्ति का प्रावधान किया जा सके। जहां तक सवाल है उत्तराखंड का तो वहां अगस्त

- राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के संसद में पूछे सवाल पर केंद्र सरकार ने दी जानकारी

2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत में, मात्र 9 फीसदी यानी 1.30 लाख ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। उसके उपरांत लगभग 12.84 लाख और ग्रामीण परिवारों को जेजेएम के तहत नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 22 जुलाई 2025 तक, उत्तराखंड के कुल 14.49 लाख ग्रामीण परिवारों में से 14.14 लाख अर्थात 97.63 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास उनके घरों में नल जल आपूर्ति हो रही है। उन्होंने जानकारी दी कि 100 फीसदी घरों में नल से जल का लक्ष्य वर्तमान वर्ष में दिसम्बर माह तक पूरा कर लिया जाएगा।

6.85 लाख किसानों को लाभ मिला

इसी तरह सांसद भट्ट द्वारा राज्य में पीएम फसल बीमा को लेकर अतारांकित प्रश्न सं. 676 के तहत जानकारी पूछी गई थी, जिसका जवाब देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि 2020-21 से 2024-25 तक इस योजना के अंतर्गत कुल 6.85 लाख किसानों को लाभ प्राप्त हुआ है। इन 5 वर्षों में फसल क्षतिपूर्ति के तहत 965.7 करोड़ रुपये किसान को दिए गए हैं। वहीं, भारत सरकार नागर विमानन मंत्रालय से लिखित प्रत्र संख्या 818 में उन्होंने राज्य में आरसीएस उड़ान के अंतर्गत नए मंतव्यों को जोड़ने की जानकारी मांगी। जिस पर उत्तर देते हुए नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि उत्तराखंड में संचालित 13 हवाई अड्डे, हेलीपोर्टो को जोड़ने वाले 60 आरसीएस मार्ग परिचालनरत किए गए हैं।

सिलेंडर से भरी गाड़ी पर गिरा बोल्डर

पिथौरागढ़, अमृत विचार: पिथौरागढ़ में मंगलवार को जौलजीबी धारचूला मार्ग पर गोठी के पास एक बड़ा हादसा उस समय होने से बच गया, जब गैस सिलेंडर से भरी एक बड़ी गाड़ी पर अचानक पहाड़ से बोल्डर गिर गया। हादसे में चालक और हेल्पर बाल-बाल बच गए। गाड़ी धारचूला की ओर जा रही थी। जानकारी के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्र में अचानक हुए भूस्खलन के चलते बोल्डर सड़क पर आ गिरा और गैस सिलेंडर से भरे वाहन से टकरा गया। गाड़ी को मामूली क्षति हुई, लेकिन समय रहते चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को नियंत्रित कर लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थिति का जायजा लिया। गनीमत रही कि गाड़ी में सवार किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई।

पूर्व सैनिकों से जुड़ा शासनादेश निरस्त

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भूतपूर्व सैनिकों को केवल एक बार आरक्षण का लाभ देने सम्बन्धी राज्य सरकार के 22 मई 2020 के शासनादेश को 'उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993' के खिलाफ मानते हुए रद्द कर दिया है। यह अधिनियम उत्तराखंड में भी लागू है। मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई।

मामले के अनुसार, सेना से सेवानिवृत्त हवलदार व रामनगर में सहायक अध्यापक दिनेश चंद्र कांडपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राज्य सरकार द्वारा 22 मई 2020 को जारी आदेश को वर्ष

- खंडपीठ ने शासनादेश को माना उत्तर प्रदेश लोक सेवा अधिनियम, 1993 के खिलाफ

2021 में चुनौती दी। याचिकाकर्ता के अनुसार, यह शासनादेश उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिसम्बर 1993 में जारी भूतपूर्व सैनिक, विकलांग एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों के लिए आरक्षण अधिनियम के खिलाफ है। उक्त अधिनियम में भूतपूर्व सैनिकों को केवल एक बार आरक्षण का लाभ देने का उल्लेख नहीं है और यही अधिनियम उत्तराखंड में भी लागू है। इस आधार पर हाईकोर्ट ने उक्त शासनादेश को निरस्त कर दिया है।

आय का एक तिहाई भाग कैंट बोर्ड को देगी पालिका

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में नैनीताल की नगर पालिका द्वारा जू रोड पर कैंट बोर्ड की भूमि से टैक्स वसूलने के मामले पर सुनवाई हुई।

मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने चुंगी वसूलने के मामले को विस्तार से सुना। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की तरफ से कहा गया कि उनके बीच समझौता हो गया है कि चुंगी से जो आय होगी, उसका एक तिहाई भाग नगर पालिका कैंट बोर्ड को देगी। अब कोर्ट शुक्रवार को जू से भवाली रोड के मिलान पर सुनवाई करेगी। खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार की तिथि नियत की है।

- नैनीताल में जू रोड पर टैक्स वसूलने के मामले में हुई सुनवाई

मामले के अनुसार, नैनीताल के जू रोड पर स्थित टोल टैक्स वसूलने के मामले में पालिका और कैंट बोर्ड के बीच विवाद चल रहा है। याचिका में कहा गया कि नगर पालिका के आय के साधन बेहद कम हैं, इसलिए उन्हें टैक्स वसूलने दिया जाए, जबकि कैंट बोर्ड का कहना है कि यह भूमि उनकी है इसलिए उनको भी टैक्स से मिलने वाली रकम का हिस्सा मिलना चाहिए।

हरिद्वार में मस्जिद का निर्माण कार्य रोका

देहरादून: हरिद्वार जिले की लक्सर तहसील के ग्राम सुल्तानपुर में बन रही विशालकाय मस्जिद के निर्माण कार्य को प्रशासन ने तत्काल रुकवा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस संबंध में निर्देश मिलने के बाद हरिद्वार जिला प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मस्जिद का निर्माण निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा है। मस्जिद की मीनारों की ऊंचाई करीब 250 फीट तक बनाई जा चुकी है और वहां पत्थर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसे हरिद्वार जिले की सबसे बड़ी मस्जिद बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री से शिकायत की थी जिस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए उन्होंने हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को निर्माण पर तुरंत रोक लगाते हुए भूमि व निर्माण संबंधी दस्तावेजों की जांच करवाने के निर्देश दिए थे।

अब कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष फोकस

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- शिक्षा मंत्री ने कहा-एनईपी से डिजिटल इंफ्रास्ट्रावक्चर व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को मिला बल

अमृत विचार: नई शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन का नतीजा है कि उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक डिजिटल इंफ्रास्ट्रावक्चर का तेजी से विस्तार हुआ है। साथ ही, शिक्षा के सभी स्तरों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। राज्य सरकार का फोकस प्रदेश में कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है ताकि प्रदेश का युवा वैश्विक अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका निभा सके।

यह बात शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम, 2025 में प्रतिभाग करने के उपरांत मीडिया से साझा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार एनईपी-2020 की अनुशंसा के अनुरूप राज्य में उच्च स्तरीय शैक्षणिक वातावरण विकसित करने में जुटी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक डिजिटल इंफ्रास्ट्रावक्चर का तेजी से विस्तार हुआ है।

उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसने सबसे पहले एनईपी-2020 को लागू किया और प्री-प्राइमरी स्तर पर लगभग 4 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों में बालवाटिका कक्षाएं शुरू की, जो सफलतापूर्वक

संचालित की जा रही है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर स्मार्ट क्लासेज व आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जिससे छात्र-छात्राएं ऑनलाइन अध्ययन के साथ-साथ प्रयोगात्मक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसी प्रकार उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रम को एनईपी-2020 के अनुरूप तैयार किया गया जिसमें चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट व्यवस्था और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट सिस्टम को लागू किया गया है जिससे छात्र अपनी पसंद के विषय और विश्वविद्यालय चुन सके। साथ ही पहले वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, दूसरे वर्ष के बाद डिप्लोमा और तीसरे के बाद डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

कक्षा-6 से व्यावसायिक शिक्षा

शिक्षा मंत्री ने बताया कि, सरकार ने राज्य में कक्षा-6 से व्यावसायिक शिक्षा को लागू कर दिया है, जिसमें कोडिंग, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और अन्य कौशल आधारित पाठ्यक्रम शामिल है। उच्च शिक्षा में देशभर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक व औद्योगिक घरानों के साथ एमओयू कर नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। सरकार ने शिक्षकों के लिये विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं ताकि शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाया जा सके।

पंचायत चुनावों में हुई 69.16 फीसदी वोटिंग

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के लिए कुल 69.16 प्रतिशत मतदान हुआ है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल ने मंगलवार को बताया कि, राज्य के 12 जनपदों के 89 विकासखंडों की संबंधित ग्राम पंचायतों में मतदाताओं द्वारा भारी उत्साह के साथ मतदान में प्रतिभाग किया गया। जनपदों से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार राज्य भर में कुल 69.16 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 64.23 प्रतिशत पुरुष और 74.42 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। मतदान में जनता का भारी उत्साह नजर आया जो लोकतंत्र में गहरे विश्वास को दर्शाता है।

सोमवार को द्वितीय और अन्तिम चरण के मतदान के लिए राज्य के 10 जनपदों के 40 विकासखंडों में सुबह आठ बजे से देर शाम तक कुल 70.00 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 65.50 प्रतिशत पुरुष और 74.50 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव के पहले चरण में 24 जुलाई को 13 जनपदों में कुल 68 प्रतिशत मतदान हुआ था।

प्रेरणा

राज्यपाल गुरमीत सिंह से की राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित युवा स्वयंसेवकों ने मुलाकात

स्वयं से पहले आप की भावना एनएसएस की आत्मा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पांच युवा स्वयंसेवकों को संबोधित करते कहा कि, आप सभी 'स्वयं से पहले आप' की भावना को जीते हैं। यही भावना राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की आत्मा है। जब एक युवा यह सोचता है कि मैं समाज के लिए क्या कर सकता हूं, तभी एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समरस भारत का निर्माण होता है, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप सभी अपने जीवन में कोई न कोई एक विशेष लक्ष्य जरूर बनाएं।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से मंगलवार को राजभवन में गणतंत्र दिवस परेड 2025, कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने मुलाकात की। इस परेड में राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तराखंड

राजभवन में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ संवाद करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

इकाई के पांच युवा स्वयंसेवकों, राहुल कान्तिपाल, अनुराग सिंह पंवार, तनुजा रावत, अंजली रावत एवं मेघा शर्मा द्वारा प्रतिभाग किया गया था।

इस अवसर पर राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. सुनैना रावत ने बताया कि गणतंत्र दिवस शिविर के लिए उत्तराखंड से 16 स्वयंसेवकों का चयन हुआ था जिनमें से 5 श्रेष्ठ स्वयंसेवकों ने 1 से 31 जनवरी तक दिल्ली शिविर में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया एवं 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित गौरवशाली परेड में भाग लिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि एनएसएस की परंपरा सेवा अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना की मिसाल रही है। यह विशेष शिविर न केवल स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस परेड में भागीदारी का गौरव देता है, बल्कि उन्हें विविधताओं से भरे इस महान देश के अन्य हिस्सों के युवाओं से संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बंधने का अवसर भी प्रदान करता है। आप सभी स्वयंसेवकों ने शिविर के दौरान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोगों से भेंट की, यह आपके जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव होगा, जो आपको सदैव प्रेरित करता रहेगा। यह अवसर न केवल सम्मान है, बल्कि आपके कन्धों पर बड़ी जिम्मेदारी का आह्वान भी है।

यह भी बड़ी उपलब्धि

राज्यपाल ने कहा कि यह जानकर हर्ष हुआ कि आपके द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत 28,000 से अधिक पौधरोपण, स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय भागीदारी, रक्तदान शिविरों का संचालन, ये सभी गतिविधियाँ सराहनीय ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव अमित कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय निदेशक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार राजेश तिवारी एवं कार्यक्रम समन्वय डीआईटी विश्वविद्यालय डॉ. नवीन सिंघल मौजूद रहे।

आईएफएस ट्रेनीज का दीक्षांत समारोह आज

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 2023-25 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों (आईएफएस ट्रेनीज) का दीक्षांत समारोह आज होगा। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के दीक्षांत गृह में होने वाले समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामा सुब्रमण्यम होंगे। आईजीएनएफए मीडिया टीम सदस्य अमित रुहेला ने बताया कि अकादमी में 22 महिला प्रशिक्षुओं और भूटान के दो विदेशी प्रशिक्षुओं सहित कुल 111 प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण कर रहे हैं।

21वीं शताब्दी में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाला यह भारतीय वन सेवा का यह सबसे बड़ा बैच है। वर्तमान बैच से सर्वाधिक अधिकारी मध्य प्रदेश राज्य को प्राप्त होने जा रहे हैं, जबकि तीन अधिकारी उत्तराखंड को प्राप्त होंगे।

- 111 में से उत्तराखंड को प्राप्त होंगे तीन फॉरेस्ट अधिकारी

उल्लेखनीय है कि यह संस्थान पूर्व में इंडियन फॉरेस्ट कॉलेज और अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के रूप में पिछले 87 वर्षों, अर्थात 1938 से देश की सेवा कर रहा है। स्वतंत्र भारत के समस्त भारतीय वन सेवा अधिकारियों और 14 मित्र राष्ट्रों के 367 वन अधिकारियों ने अब तक इस संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। समारोह में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं को विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

प्रभावित क्षेत्रों में हुआ भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

देहरादून, अमृत विचार: जनपद रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि क्षेत्र अंतर्गत 26 जुलाई को हुई अतिवृष्टि व भूस्खलन की घटनाओं से कुछ क्षेत्रों के प्रभावित होने की घटनाओं से जिला प्रशासन गंभीर मुद्रा में आ गया है। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देश पर मंगलवार को संभावित जोखिम वाले स्थलों पर भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्य कराया गया, ताकि भविष्य में किसी बड़ी आपदा की आशंका से पूर्व ही उचित निवारक उपाय किए जा सकें।

भू वैज्ञानिक कृष्ण सजवाण ने प्रभावित क्षेत्रों का भौगोलिक निरीक्षण किया। इस दौरान, संभावित भूस्खलन क्षेत्रों, जल निकासी की स्थिति तथा प्रभावित भूखंडों की स्थिरता का सूक्ष्म अवलोकन कर जोखिम की स्थिति का प्रारंभिक आंकलन किया गया। जिलाधिकारी जैन ने बताया कि आपदा संभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतने के साथ लगातार निगरानी रखी जा रही है।

सिटी ब्रीफ

रेलिंग से गिरकर बच्ची घायल, हायर सेंटर रेफर

लालकुआं : नगर में एक दो वर्ष की बच्ची दोमंजिल मकान की रेलिंग से सड़क में गिर गई। हादसे में घायल हुई बालिका को हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। वार्ड नंबर एक नई बस्ती निवासी मुकम्मिल की बेटी जुबिया मंगलवार की शाम छह बजे मकान की रेलिंग से संतुलन बिगड़ने पर नीचे सड़क पर गिर गई। परिजन व अन्य लोग उसे निजी चिकित्सक के यहां ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद यहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

स्थापना दिवस मनाया

हल्द्वानी : एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था के नौवें स्थापना दिवस पर प्राचीन श्री राम मंदिर में सुंदरकांड पाठ किया गया। मंगलवार को अध्यक्ष योगेन्द्र साहू, संरक्षक रुपेन्द्र नागर के नेतृत्व में आयोजन हुआ। संरक्षक हरीश चन्द पांडेय व सदस्य मनीष साहू ने संयुक्त रूप से कहा की राम राज्य की संकल्पना के साथ शांति प्रेम बंधुत्व की भावना रखते हुए भारत माता के मान सम्मान के प्रति त्याग व समर्पण भाव से संस्था का निर्माण हुआ है। तब से संस्था लगातार धर्म, समाज हित में काम कर रही है। इसके बाद सुन्दरकांड पाठ हुआ जिसमें विवेक शर्मा व कथावाचक रितेश जोशी की टीम ने योगदान दिया।

छह वाहनों के पुलिस ने काटे चालान

हल्द्वानी : यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार जिन लोगों ने नो पार्किंग, फुटपाथ या फिर सड़क किनारे अवैध तरह से वाहनों को खड़ा किया है उन पर कार्रवाई की गई। छह वाहनों के चालान काटे गए। नैनीताल पुलिस ने चेतावनी दी है कि फुटपाथों पर और नो पार्किंग में वाहनों को न खड़ा करें।

अवैध निर्माण ढहाने पहुंचे अफसरों से भाजपाइयों की झड़प

काठगोदाम में 8 दुकानों के अवैध निर्माण पर चली जेसीबी, डीडीए, नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई, रात तक डटे रहे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सड़क चौड़ीकरण में ध्वस्तीकरण पर मरम्मत के लिए मिली छूट की आड़ में अवैध निर्माण करना व्यापारियों को भारी पड़ गया। इन दुकानों में किया गया अवैध निर्माण जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। अवैध निर्माण ढहाने गए अफसरों की भाजपा नेताओं के साथ झड़प हुई। हालांकि अफसर देर रात तक डटे रहे और अवैध निर्माण ध्वस्त कराया।

जिला प्रशासन मंगल पड़ाव से काठगोदाम तक सड़क चौड़ीकरण कर रहा है इसमें सड़क के बीचोंबीच से दोनों तरफ 12-12 मीटर तक चौड़ीकरण प्रस्तावित है। इस चौड़ीकरण के दायरे में कई दुकानें आ रही थीं। इनमें कई दुकानें नगर निगम तो कई नजूल और कई निजी स्वामित्व की हैं। चौड़ीकरण में आने की वजह से इनका आंशिक हिस्सा ध्वस्त हुआ। जिस पर प्रशासन ने रियायत देते हुए मरम्मत की छूट दी थी। मरम्मत की मिली इस छूट की आड़ में काठगोदाम में आठ दुकानों पर अवैध निर्माण कर दिया गया। इनमें नगर निगम की पांच और तीन निजी दुकानें शामिल हैं। दुकानों के पहले तल पर और नालों पर निर्माण कर लिया गया। जो कि पूरी तरह अवैध है। जब प्रशासन ने दुकानों के निर्माण को वेरिफिकेशन किया तो इस अवैध निर्माण का खुलासा हुआ। इधर, मंगलवार को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के सचिव विजय नाथ शुक्ल, संयुक्त सचिव गोपाल सिंह चौहान एवं नगर आयुक्त के नेतृत्व में प्राधिकरण व नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने जैसे ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की वैसे ही भाजपा नेता सचिन साह और काठगोदाम मंडल अध्यक्ष नीरज बिष्ट समर्थकों के साथ पहुंच गए और उनकी इस कार्यवाही को लेकर अधिकारियों से बहस हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन दुकानों पर अनुमति हैं, उनका ध्वस्तीकरण कर अन्याय पूर्ण कार्रवाई की जा रही है। काफी तीखी झड़प के बाद दुकानों के ऊपर बन रहा नया निर्माण ध्वस्त कराया गया। वहीं नगर निगम की दुकानों के ऊपर प्रथम तल पर बन रही दुकानों पर भी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। मजदूरों को बुलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त कराया गया। देर रात तक अफसर काठगोदाम में दुकानों पर बने अवैध निर्माण हटाने को डटे रहे। इस दौरान एसएनए गणेश भट्ट व एई अंकित वोरा आदि मौजूद रहे।

काठगोदाम में मंगलवार को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण सचिव से उलझते भाजपा नेता। ● अमृत विचार

काठगोदाम में नगर निगम की दुकानें जिन पर बिना अनुमति बनाया जा रहा प्रथम तल। ● अमृत विचार

05 दुकानें नगर निगम की शामिल हैं इनमें

03 दुकानें निजी हैं जिनमें हो रहा था अतिक्रमण

वर्ष 2016 की अनुमति का दिखाया दस्तावेज

हल्द्वानी : नगर निगम के किराएदार दुकानदारों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में 1.50 लाख रुपये प्रीमियम व पांच रुपये वर्ग फुट पर प्रथम तल पर दुकानें बनाने की अनुमति दी गई थी। तब रुपये नहीं थे, फिर कोविड-19 महामारी फैल गई इसलिए अब बना रहे हैं। वहीं, नगर निगम अधिकारियों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम में नक्शे का आवेदन कर स्वीकृति लेनी थी और अनुमति से छह माह के भीतर निर्माण करना था अब नौ साल बाद निर्माण मान्य नहीं होगा।

शारदा मार्केट अवैध निर्माण के बाद हरकत में आए प्रशासनिक अफसर

हल्द्वानी : शारदा मार्केट में मरम्मत की आड़ में 74 दुकानें बनने का मामला सामने आने के बाद अधिकारी सकते में हैं। इस वजह से सभी दुकानों का सत्यापन किया जा रह है जिन्हें मरम्मत की छूट दी गई है। इसमें जांचा जा रहा है कि मरम्मत की आड़ में अवैध निर्माण तो नहीं किया गया। यदि अवैध निर्माण मिलता है तो इसको ध्वस्त किया जाएगा।

> सड़क चौड़ीकरण में दुकानें ध्वस्त हुई थीं इसलिए इन दुकानों को मरम्मत के लिए छूट दी थी लेकिन इसकी आड़ में अवैध निर्माण किया गया। किसी ने भी बिना नक्शा स्वीकृति या अनुमति लिए ही निर्माण कर दिया जो कि पूरी तरह अवैध है। इस वजह से अवैध निर्माण ध्वस्त किया जा रहा है।
> **-विजय नाथ शुक्ल,** सचिव जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण

> नगर निगम की पांच दुकानों के प्रथम तल पर निर्माण किया जा रहा था। वर्ष 2016 की अनुमति दिखा रहे हैं। इसमें भी नक्शा स्वीकृति के छह माह में निर्माण करना था लेकिन तब निर्माण नहीं किया। यदि निर्माण करना था तो नगर निगम से अनुमति लेनी चाहिए थी। यह निर्माण पूरी तरह अवैध है जिसे ध्वस्त किया जा रहा है।
> **-ऋचा सिंह,** नगर आयुक्त नगर निगम

काठगोदाम रोड पर दुकानों के अवैध निर्माण पर गरजी जेसीबी। ● अमृत विचार

अतिक्रमण हटाने के दौरान मौजूद पुलिस फोर्स। ● अमृत विचार

एचएन इंटर कालेज में बना स्ट्रांग रूम के बाहर मुस्तैदी से तैनात पुलिस का जवान।

मतपेटियों की सुरक्षा संगीनों के साये में

संवाददाता, हल्द्वानी

- त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की मतगणना कल
- अधिकारी भी लगातार कर रहे स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

अमृत विचार: नैनीताल जिले में अभी तक पुलिस ने शांतिपूर्वक चुनाव कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। अब पुलिस रामपुर रोड स्थित एचएन इंटर कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा मुस्तैद है। साथ ही पुलिस की मतगणना के दिन भी बड़ी जिम्मेदारी होगी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री पर खूब कार्रवाई की। छिटपुट घटनाओं को नजरअंदाज कर दें तो नैनीताल जिले में अभी तक चुनाव प्रक्रिया काफी शांतिमय रही है। जिलों के बॉर्डर पर भी सघन चेकिंग अभियान चलाया गया था। अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाग्य आजमाने वाले जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचातय सदस्य, ग्राम प्रधान और ग्राम सभा सदस्य प्रत्याशियों के भाग्य मतपेटियों में बंद हो गए हैं। एचएन इंटर कॉलेज में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। यहां संगीनों के साये मतपेटियों की सुरक्षा की जा रही है।

साथ ही पुलिस के आला अधिकारी भी समय-समय पर यहां आकर निरीक्षण कर रहे हैं। अब गुरुवार का दिन मतगणना का दिन होगा। एचएन इंटर कॉलेज में गिनती की जाएगी। पास में ही डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल, टीबी और चेस्ट क्लीनिक के अलावा स्वामी राम कैंसर संस्थान है। पुलिस की पूरी कोशिश रहेगी कि मुस्तैदी भी बनी रहे और साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

भाजपा नेता पर हमला पुलिस ने की रिपोर्ट दर्ज

हल्द्वानी, अमृत विचार: गौलापार में भाजपा महिला नेत्री के घर पर कुछ दबंग घुस गए। उन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोग पहुंचे तो दबंगों ने उनके ऊपर भी हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गौलापार में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि पुलिस की मौजूदगी में ही भाजपा नेता और उनके साथी ग्रामीणों पर हमला बोल दिया। तारानवाड़ लछमपुर पो. कुंवरपुर चोरगलिया निवासी मुकेश चंद्र बेलवाल ने बताया कि 28 जुलाई को कुछ बदमाश छेड़छाड़ और मारपीट की नीयत से भाजपा मंडल उपाध्यक्ष व महिला नेत्री भावना आर्या के घर का दरवाजा पीटने लगे। इससे भयभीत पीड़िता ने उन्हें फोन किया तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी और कुछ साथियों के साथ महिला नेत्री के घर गोविंद ग्राम पहुंचे। आरोप है कि पुलिस के साथ वह लोग जा रहे थे कि तभी नितिन जोशी, मोनू बिष्ट, मोहित बिष्ट, धीरज बिष्ट, भैरव देउपा, राज बोरा, सूरज बिष्ट, अतुल बोरा और सौरभ आर्या ने अपने साथियों के साथ मुकेश व उनके साथियों के पर हमला कर दिया। हमले में गौरव जोशी व भुवन जोशी को गंभीर चोटें आई हैं। मुकेश व उसके अन्य साथी पुलिस की मौजूदगी में किसी तरह से वहां से जान बचाकर खेड़ा पुलिस चौकी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि मुकेश बेलवाल की पत्नी इस बार जिला पंचायत सदस्य की प्रत्याशी हैं और खुद मुकेश बेलवाल भी भाजपा नेता हैं।

अवैध मतपत्रों का अलग बनेगा बंडल, आरओ करेंगे जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आठों ब्लॉकों में मतगणना के लिए 1,580 कर्मियों को राजकीय मेडिकल कॉलेज सभागार में दो पालियों में प्रशिक्षण दिया गया।

जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी ने बताया कि जनपद में 316 मतगणना पार्टियां बनाई गई हैं। प्रत्येक में पांच मतगणना कर्मी शामिल हैं। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक पर्यवेक्षक तथा चार सहायक नियुक्त किए गए हैं। प्रथम एवं द्वितीय चरण में 158-158 पार्टियों सहित आरक्षित टीमों को मिलाकर कुल 1,580 कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मतगणना की रूपरेखा, जिम्मेदारियों का विभाजन, गोपनीयता बनाने, त्रुटिरहित गणना, एवं परिणामों की घोषणा की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। डीडीओ ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 31 जुलाई को सुबह 8 बजे से जनपद के सभी ब्लॉकों में मतगणना शुरू की जाएगी। आरओ हैंडबुक के अध्ययन पर विशेष बल दिया जिससे मतगणना प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं सटीक रूप से संपन्न किया जा सके। यह भी बताया कि अवैध मतपत्रों को पृथक रूप से बंडल में रखा जाएगा जिसकी जांच संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा स्वीकृत या अस्वीकृत की जाएगी। इस अवसर पर मतगणना परिणाम विवरणी के सभी प्रारूपों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर, मतगणना कर्मी, प्रभारी मास्टर ट्रेनर एचबी चंद एवं मतपेटी नोडल अधिकारी राजेन्द्र पांडे आदि मौजूद रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज सभागार में प्रशिक्षण में मौजूद अधिकारी-कर्मी। ● अमृत विचार

कांई भाजपा अघिल त कांई बागियूं कं मिलीं भल वोट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान समाप्ति के बाद मतगणना से पूर्व जनता में कयासबाजी शुरू

अमृत विचार : दाज्यू चली रै चर्चा भाजपा-कांग्रेस पछिल, बागी अघिल नहीं भुला फलां सीट में भाजपा कं लै भल वोट मिल रईं टक्कर त बराबर छू। कुछ इस रामपुर लामाचौड़ चौराहे पर चाय की दुकान पर भंडारिज्यू और जोशिज्यू में उम्मीदवारों के नतीजों को लेकर चर्चा होती सुनाई दी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चक्र के मतदान सोमवार को समाप्त हो चुके हैं। मंगलवार से जहां उम्मीदवार मतगणना के लिए एजेंटों की तैयारी और बूथ वार वोटों के जोड़ घटाना कर रहे थे। वहीं गांवों की चाय की दुकानों से लेकर शहर के नुक्कड़ तक हर तरफ पंचायत चुनाव की चर्चा हो रही थी। हर किसी की जुबान पर भाजपा बनाम बागी/निर्दलीय के बीच टक्कर की थी। कोई प्रत्याशी के घर, बिरादरी और जाति के मतदाताओं के हिसाब से गणित लगा रहा था तो कोई राष्ट्रीय दल के वोट बैंक के आधार पर वोटिंग प्रतिशत का आंकड़ा बना रहा था। सबसे ज्यादा चर्चा रामड़ी आन सिंह सीट की हो रही थी। यहां से पूर्व जिपं अध्यक्ष बेला तोलिया, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री प्रमोद बोरा की पत्नी डॉ. छवि कांडपाल बोरा और पूर्व जिला उपाध्यक्ष लाखन सिंह की पत्नी उमा निगल्टिया और कांग्रेस समर्थित विमला तड़ागी मैदान है। पूर्व में यहां चुनाव त्रिकोणीय था लेकिन धीरे-धीरे मामला चतुष्कोणीय हो गया। कांग्रेस-भाजपा के दफ्तर में भी क्षेत्रीय क्षत्रप इन उम्मीदवारों के गांव, घर-परिवार, बिरादरी और जाति के आधार पर वोटों की गुणा गणित लगा रहे थे। इसके बाद चर्चाओं में गौलापार की सीट रही। जहां भाजपा समर्थित अनीता बेलवाल और निर्दलीय अर्जुन बिष्ट मैदान में हैं। कोई अनीता की जीत के दावे करता तो कोई अर्जुन को लक्ष्य भेदने का दावा करता नजर आया। वहीं देवलचौड़ बंदोबस्ती से लोग एक तरफा तो मामूली टकराव के कयास लगा रहे थे। फिलहाल मतगणना कल होनी है तब तक कयास बाजी का दौर इसी तरह जारी रहेगा।

मतगणना की तैयारियां आज से शुरू होंगी

हल्द्वानी: जिला प्रशासन ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि एचएन इंटर कॉलेज में स्ट्रॉन्ग रूम को सील कर दिया गया है। सुरक्षा के एहतियात से पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात है। यहां पर हल्द्वानी ब्लॉक की मतगणना की जाएगी। बताया कि मतगणना के लिए 28 राउंड टेबल लगाई जाएंगी और 9 राउंड में मतगणना होगी। मतगणना का डाटा राज्य निर्वाचन आयोग के पोर्टल में अपडेट किया जाएगा। वहीं चुनाव अधिकारी प्रिया सैनी के अनुसार रामनगर में 20 टेबलों पर मतगणना होगी।

समस्या | जल संस्थान के अधिकारियों के मुताबिक कम प्रेशर और सिल्ट के कारण परेशानी

शहर के अंतिम छोरों पर गहराया जल संकट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बरसात के मौसम में शहर के अंतिम छोरों पर जल संकट गहराता जा रहा है। गौला बैराज से शहर की आधी अबादी को पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन दमुवाढूंगा, पॉलिसीट, बिठौरिया, गौजाजली और राजपुरा जैसे क्षेत्रों में कम प्रेशर के कारण लोगों को पानी भरने में घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है।

दमुवाढूंगा के लोगों का कहना है कि बीते दिनों महज एक घंटे ही पानी की आपूर्ति हुई, और वह भी बेहद कम दबाव के साथ। मंगलवार को भी पानी तो आया, लेकिन इतनी धीमी गति से कि लोगों को बाल्टी और बर्तन भरने में घंटों लग गए। जल संस्थान के सहायक अभियंता रविन्द्र कुमार ने बताया कि बरसात में पानी में सिल्ट (गाद) की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे पानी छानने की प्रक्रिया में समय ज्यादा लगता है और प्रेशर कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि जल संस्थान की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं, खासकर दमुवाढूंगा में टैंकरों की नियमित व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय निवासियों ने विभाग से मांग की है कि मानसून के दौरान वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं ताकि उन्हें रोजाना की पानी की समस्या से राहत मिल सके।

> हम हर रोज पानी की कमी से जूझ रहे हैं। सुबह जल्दी उठकर इंतजार करते हैं, लेकिन या तो पानी आता ही नहीं या फिर इतना कम प्रेशर होता है कि पूरे बर्तन भी नहीं भर पाते। **-इंदर सिंह**

> बरसात के समय जल संस्थान की आपूर्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। साफ पानी नहीं आता और जो आता है उसमें गंदगी होती है। हमें रोजमर्रा के कामों के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता। **-देवेन्द्र कुमार**

> पानी की समस्या अब रोजमर्रा की परेशानी बन गई है। सुबह स्कूल और ऑफिस जाने की जल्दी होती है, लेकिन पानी भरने में ही घंटों लग जाते हैं। **-तरुण सिंह**

> हर साल बरसात में यही हाल होता है। जब सबसे ज़्यादा पानी की जरूरत होती है, तभी सप्लाई सबसे कम हो जाती है। टैंकर भी कभी-कभी ही आते हैं और सभी को पानी नहीं मिल पाता। **-गौरव कुमार**

कटौती के विरोध में आयुक्त को ज्ञापन

हल्द्वानी : शहर के वार्ड नंबर 24 गफूर बस्ती में बिजली कटौती से त्रस्त दर्जनों लोगों ने आयुक्त दीपक रावत को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की है।

मंगलवार को पूर्व पार्षद लाईक कुरैशी और कांग्रेसी नेता अरमान खान के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों ने आयुक्त दीपक रावत को ज्ञापन सौंप कर बताया कि बिजली विभाग ने हाल ही में किए गए बिल संग्रह के बाद कई परिवारों की बिजली कनेक्शन काट दिए हैं जिससे 20-25 साल से बसे लोग अब अंधेरे में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। गर्मी और छोटे बच्चों की तकलीफ को देखते हुए बिजली आपूर्ति सुचारू करने की मांग की। इस मौके पर नेहा परवीन, निशा, शाहीन, नाजिर अली, नजमी, शहनाज, कौसर अली, शमा, अरशद, नसरीन, शबीना, शबाना, कमरुन्निशा आदि शामिल थे।

मतगणना के दिन वाहनों के लिए डायवर्जन का प्लान हुआ जारी

- एचएन इंटर कॉलेज के पास रहेगी पुलिस की सख्त निगरानी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस ने हल्द्वानी शहर का यातायात व डायवर्जन प्लान लागू किया है।

यह प्लान कल गुरुवार को सुबह सात बजे से शुरू हो जाएगा और रात को मतगणना समाप्त होने तक जारी रहेगा। सरगम टैंपो स्टैंड से आईटीआई तिराहा तक सभी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इतना क्षेत्र पूरे दिन जीरो जोन रहेगा। मतगणना ड्यूटी के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के वाहनों की पार्किंग एचएन इंटर कॉलेज के मैदान में होगी और प्रत्याशियों व उनके समर्थकों के वाहनों की पार्किंग मेडिकल कॉलेज गेट से एफटीआई तिराहा के मध्य रोड के बाईं ओर रहेगी। पुलिस ने सभी से अपील की है कि वह यातायात नियमों का पालन करें और पुलिस का सहयोग करें।

ये रहेंगे नियम

- टीपी नगर तिराहा से एफटीआई तिराहा की ओर, गांधी इंटर कॉलेज तिराहा से एफटीआई तिराहा की ओर, मुखानी, जेल रोड, धानमिल तिराहा से आईटीआई तिराहा की ओर व शहर क्षेत्र से रामपुर रोड की ओर समस्त भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।
- रामपुर रोड से शहर हल्द्वानी की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन टीपी नगर तिराहा, एफटीआई तिराहा से बरेली रोड होते हुए और आईटीआई तिराहा से कालाढूंगी रोड होकर जाएंगे।
- सिंधी चौराहा से रामपुर रोड को जाने वाले समस्त वाहन गांधी इंटर कॉलेज/होंडा शोरूम तिराहा से अपने गंतव्य को जाएंगे।
- गांधी इंटर कॉलेज तिराहा से एफटीआई तिराहा की ओर बस एवं माल वाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।
- कालाढूंगी रोड से रामपुर रोड की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन मुखानी चौराहा/जेल रोड तिराहा से कैंसर अस्पताल तिराहा होते हुए आईटीआई तिराहा से एफटीआई तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 30 जुलाई 2025

नैनीताल

नगर की सर्वाधिक जनसंख्या वाला यह मार्ग गड्ढों से पटा हुआ, शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान

इंतहा .. और बिगड़ती चली गई बिड़ला मार्ग की सूरत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : इंतहा की भी हद हो गई, मगर बिड़ला चुंगी मार्ग की शक्लों सूरत सुधरने की जगह बिगड़ती चली गई। नगर का सर्वाधिक जनसंख्या वाला माल रोड से बिड़ला तक तीन किमी लंबा मार्ग गड्ढों से पटा हुआ है। कई बरस बीतने के बाद भी इस मार्ग की दशा सुधर नहीं पाई।

बिड़ला स्नोव्यू मार्ग पर दर्जन भर से अधिक रिहायशी क्षेत्र हैं। पांच हजार से अधिक लोगों का इस मार्ग से रोजाना आना-जाना होता है। माल रोड से लगे इस मार्ग का शुरुआती करीब तीन सौ मीटर हिस्सा शानदार बना हुआ है। उसके बाद का बाकी मार्ग गड्ढों

खस्ताहाल बिड़ला चुंगी मार्ग। ● अमृत विचार

से बुरी तरह पटा हुआ है। स्टोनले कंपाउंड, देवी लॉज, मेविला कंपाउंड, भोटिया बैंड, सात नंबर, स्टाफ हाउस, चार्टन लॉज, बिड़ला चुंगी, मंगवाली, स्नोव्यू, डफन लॉज, बिड़ला विद्या मंदिर समेत कई अन्य रिहायशी क्षेत्र इस मार्ग से जुड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों को बाजार, दफ्तर, स्कूल और नगर के अन्य सभी महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचाने वाला यह एकमात्र मार्ग है। साथ ही, नगर का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल स्नोव्यू को जाने वाला मार्ग है।

पर्यटन सीजन के दौरान हजारों की संख्या में सैलानी इसी मार्ग से पहुंचते हैं। इसके बावजूद इस मार्ग के प्रति स्थानीय प्रशासन व जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग ने कभी तवज्जो देने की फुर्सत महसूस नहीं की। ग्रीष्मकाल में करीब दो सौ मीटर में डामरीकरण किया गया। उसके बाद शेष छोड़ दिया गया। करीब एक दशक पहले इस मार्ग पर डामरीकरण हुआ था। उसके बाद कभी भी इस मार्ग पर स्थायी सुंदरीकरण नहीं हुआ। गड्ढे अधिक बड़े हो जाने पर मिट्टी से पाट दिए जाते हैं। स्थानीय लोग दर्जनों बार इस मार्ग के स्थायी समाधान की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन बरसों बीत जाने के बाद भी इस मार्ग का समाधान नहीं हो सका, जिस कारण क्षेत्रवासी बेहद नाराज हैं।

बरसात के बाद शुरू होगा डामरीकरण

नैनीताल : लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार सक्सेना का कहना है कि इन दिनों बरसात के कारण निर्माण कार्य में विलंब हो रहा है। इस मार्ग पर डामरीकरण समेत सीसी मार्ग का कार्य पिछले कई माह से चल रहा है। बरसात खत्म होते ही कार्य तेजी से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस मार्ग का चौड़ीकरण भी किया जा रहा है, जिस कारण देरी हो रही है। वह गंभीरता के साथ इस मार्ग के जीर्णोद्धार करवाने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने घेरी पुलिस चौकी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीरुमदारा क्षेत्र में आएदिन हो रही चोरी की घटनाओं से गुस्साए ग्रामीणों ने पीरुमदारा चौकी का घेराव किया। ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग भी की।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बीते कई दिनों से लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी मामले में ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी है। कहा कि चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि दिनदहाड़े भी चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द ही चोरों की गिरफ्तारी नहीं हुई और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए तो वे

पीरुमदारा पुलिस चौकी के बाहर नारेबाजी करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने चौकी के बाहर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि एक ओर क्षेत्र में चोरियों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस महज आश्वासन दे रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि हाल ही में क्षेत्र में कई बार ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। जिससे लोगों में अनहोनी की आशंका भी बनी हुई है। पीरुमदारा चौकी प्रभारी सुनील धनिक ने पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा किया जा चुका है और हाल ही में हुई चोरियों की जांच भी जारी है। पुलिस जल्द ही इन मामलों में भी खुलासा करेगी। नारेबाजी करने वालों में जयंती चाकर, गगन पाल, ईशान चौधरी, हरदीप सिंह, नंदू सती, विनीता रावत, सुनीता, पुष्पा, श्वेता और संतोषी आदि ग्रामीण शामिल रहे।

सिटी ब्रीफ

तीन को होगा रामलीला समिति का चुनाव

रामनगर : आदर्श रामलीला समिति भवानीगंज रामनगर की कार्यकारिणी के चुनाव तीन अगस्त को होगा। यह निर्णय मुख्य चुनाव अधिकारी व सहायक चुनाव अधिकारी की एक बैठक में लिया गया। 30 जुलाई को 10 से 12 बजे तक निर्वाचन के नामांकन पत्रों का वितरण किया जाएगा। 31 तारीख को नामांकन व 3 अगस्त को रामलीला समिति के सदस्यों द्वारा मतों का प्रयोग समिति के नवीन पदाधिकारियों के लिए किया जाएगा। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट गणेश कुमार गगन, सहायक चुनाव अधिकारी एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल व समिति के कई सदस्य उपस्थित थे।

खौलता तेल गिरने से व्यक्ति झुलसा

रामनगर : मोहल्ला खताड़ी स्थित ताहिर नाम एक व्यक्ति के घर में गैस चूल्हे पर कढ़ाई में रखा खौलता तेल उसके ऊपर गिर गया। जिससे वह व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। आनन फानन में उसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

अब अस्तित्व में आया केवि का नया भवन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन, रिसर्च लैब व कम्प्यूटर लैब की व्यवस्था

- अब पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय भीमताल होगा नाम
- सांसद अजय भट्ट रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : भीमताल में केंद्रीय विद्यालय का 25 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से बना नया भवन अस्तित्व में आ गया है। इसमें अत्याधुनिक प्रयोगशाला रिसर्च लैब और कंप्यूटर लैब आदि होगी। वर्चुअल माध्यम से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस भवन का विधिवत उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में अवगत कराया गया कि अब भीमताल केंद्रीय विद्यालय पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय भीमताल के नाम से जाना जाएगा। मुख्य अतिथि पूर्व रक्षा व पर्यटन राज्य मंत्री सांसद अजय भट्ट ने कहा कि भाजपा सरकार हर किसी को शिक्षा मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कई प्रस्तावित योजनाओं के बार में भी जानकारी दी। साथ ही कहा

केंद्रीय विद्यालय के नए भवन के उद्घाटन समारोह में मौजूद सांसद अजय भट्ट व अन्य। ● अमृत विचार

कि सभी को योजनाओं को लाभ उठाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा, पूर्व जिला मंत्री दिनेश सांगुड़ी, भीमताल नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा भावना मेहरा, मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी, मनोज भट्ट, योगेश तिवारी, जिला मंत्री प्रकाश आर्य, शिवांशु जोशी, नितेश बिष्ट, निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट और महेश जोशी आदि मौजूद रहे।

शहीद के परिजनों को किया सम्मानित

भीमताल : पांडेगांव में कारगिल शहीद मोहन सिंह बिष्ट की पुण्यतिथि के मौके पर सांसद अजय भट्ट व विधायक राम सिंह कैड़ा ने उनके आवास पहुंचकर परिवार को सम्मानित किया। सांसद ने कहा कि मोहन सिंह बिष्ट के बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। क्षेत्र के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश सेवा के कार्यों में जुटना चाहिए। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट, कमल जोशी, ममता बिष्ट, जीवन पलड़िया, विनोद पांडे व कृष्ण आर्य आदि मौजूद रहे।

मोतीराम पांडे किया जाए अस्पताल का नाम

भीमताल : भीमताल में उच्चीकृत चिकित्सालय का नाम स्वर्गीय मोतीराम पांडे के नाम पर रखने की मांग जोर पकड़ने लगी है। भीमताल पहुंचे सांसद अजय भट्ट को इस मांग के संदर्भ में पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज भट्ट ने ज्ञापन सौंपा। अवगत कराया कि भीमताल क्षेत्र में स्थित राजकीय चिकित्सालय का शिलान्यास 3 मार्च 2005 को किया गया था। जिस समय चिकित्सालय का शिलान्यास समारोह आयोजित हुआ, उस समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस चिकित्सालय का नाम क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय मोतीराम पांडे की स्मृति में रखा जाए और इसके लिए अनुरोध पत्र भेजा जाए। स्वर्गीय मोतीराम पांडे तथा उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय सरस्वती पांडे ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विशेष योगदान दिया। अनेक बार ब्रिटिश शासन की जेल यात्राएं भी की। 15 अगस्त 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें सम्मान सूचक ताम्र पत्र भेंट किया। मनोज भट्ट ने सांसद से इस मांग पर कार्रवाई कराने की मांग की है।

बच्चों को बाघों के विषय में दी महत्वपूर्ण जानकारी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: विश्व बाघ दिवस के मौके पर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर दीप रजवार की वाइल्डलाइफ आर्ट गैलरी में ग्रेट मिशन के स्कूली बच्चों व वन्य जीव प्रेमियों ने बाघों के विषय में कई अहम जानकारियां प्राप्त की। आर्ट गैलरी में बाघ समेत अन्य वन्य जीवों के शानदार फोटो संग्रहालय को देखकर बच्चे रोमांचित हो गए।

वन्य जीव विशेषज्ञों में हरिशंकर देव, केडी करगेती, दीप मेलकानी व हिमांशु तिरवा ने स्कूली बच्चों को कॉर्बेट में बाघ की उपयोगिता व उनके संरक्षण से जुड़ी उपयोगी जानकारी के बारे में विस्तार से बताया। स्कूली बच्चों ने भी बाघ संरक्षण की मुहिम में अपनी भूमिका निभाने की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि बाघ के संरक्षण के प्रति सभी नागरिकों को आगे आना चाहिए। जंगल के राजा दुनिया में बेशक कम हुए हो, मगर हमारे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व या कॉर्बेट लैंड में इनकी उपस्थिति हमें गर्व का अहसास कराती है।

वाइल्डलाइफ आर्ट गैलरी के संस्थापक दीप रजवार ने बताया कि ऐसे वन्य जीव संरक्षण से जुड़े जागरूक कार्यक्रम चलाकर आने वाली पीढ़ी को वन्य जीव संरक्षण की मुहिम से जोड़ा जाएगा।

स्कूली बच्चों को बाघ एवं वन्य जीवों की जानकारी देते विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा

नैनीताल : मेट्रोपोल पार्किंग के पास सोमवार रात कुछ युवकों ने एक युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। एटीआई क्षेत्र निवासी प्रदीप कुमार रात करीब 11 बजे घर लौट रहा था। मेट्रोपोल मार्ग पर अज्ञात युवकों ने उसके साथ मारपीट कर दी। प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

हल्द्वानी की 55 वर्ष पुरानी दुकान

हमारे यहाँ होल सेल रेट पर देशी घी, मिल्क पाउडर, सरसों तेल, रिफाईन्ड, तिल तेल बाजार से कम दाम में उपलब्ध है।

उपलब्ध ब्राण्ड

सलौनी ब्राण्ड एगमार्क सरसों तेल, स्कूटर ब्राण्ड सरसों तेल, उपकार ब्राण्ड तिल तेल, परम एगमार्क देशी घी,

मधुसूदन एगमार्क देसी घी, फॉर्चून सोयाबीन रिफाइंड एवं अन्य ब्रांड

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

दुर्गा घी भण्डार

कालाढूंगी रोड चौराहा, हल्द्वानी

M : 9412969737, 9458938466, 8077964927, 8077965848

SAHAS Homeo Homeopathic Clinic & Medical Store

साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक

जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय

होम्योपैथिक फिजिशियन

बी.एच.एम.एस., जयपुर

चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग | गुदा रोग | लिवर सम्बन्धी रोग

अन्य रोग • स्पॉन्डिलाइटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस

बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना

साहस होम्यो क्लीनिक

निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी

मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

शिक्षक संगठन सीईओ के खिलाफ हुए लामबंद

संवाददाता, रामनगर

- संयुक्त मोर्चा बनाया, वेतन रोकने के आदेश का मामला

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के दौरान जनपद के डेढ़ हजार शिक्षकों के वेतन रोके जाने के आदेश को तुगलकी फरमान बताते हुए शिक्षक संगठनों ने सीईओ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि जहां एक और शिक्षकों को निर्वाचन कार्य में लगाया गया है, वहीं दूसरी ओर उनका वेतन अवरुद्ध किया जाना पूर्णतया नियम विरुद्ध है। शिक्षक संगठनों ने इस आशय का पत्र राज्य निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को भी भेजा है।

राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन, राजकीय शिक्षक संगठन एवं जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संगठन ने शिक्षक समन्वित संयुक्त मोर्चा का गठन कर स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि वेतन आहरण के पश्चात ही संगठनों द्वारा वार्ता की जाएगी। संयुक्त पत्र मोर्चे की ओर से मुख्य शिक्षा अधिकारी को भेजा गया है। पत्र में वेतन आहरित किए जाने, निर्वाचन ड्यूटी में भेदभाव, महिला शिक्षिकाओं को आयोग के निर्देश के बाद भी दूरस्थ क्षेत्रों में तैनाती आदि की मांग की गई है। ज्ञापन भेजने वालों में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी, जिला मंत्री बंशीधर कांडपाल, राजकीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गिरीश चंद्र जोशी आदि शामिल रहे।

बंदोबस्त प्रक्रिया में कराएं शामिल

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: संयुक्त संघर्ष समिति लालकुआं ने नगर में हुई बंदोबस्त प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताते हुए नगर में लाइन पार, राजीव नगर बंगाली कॉलोनी को चिन्हित कर बंदोबस्त प्रक्रिया में शामिल करने से संबंधित मांग पत्र तहसीलदार लालकुआं को दिया।

संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक जीवन कबड़वाल के नेतृत्व में क्षेत्रवासी तहसील लालकुआं पहुंचे और उन्होंने लाइन पार संजय नगर बजरी कंपनी व राजीव नगर बंगाली कॉलोनी आदि क्षेत्रों में रेल प्रशासन के मनमानी रवैये पर नाराजगी जताई। कहा कि वर्ष 1976 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा टांडा वन ब्लॉक व लालकुआं वन ब्लॉक के कुछ हिस्से को शामिल कर राजस्व गांव का दर्जा दिया था। बकायदा उस समय

तहसीलदार को ज्ञापन देते समिति के सदस्य। ● अमृत विचार

जारी शासनादेश में राजस्व गांव की सीमाओं का भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है, लेकिन वर्ष 1978 में टॉउन एरिया के गठन के समय लालकुआं वन ब्लॉक के हिस्से को नगर पंचायत में शामिल नहीं किया गया। बंदोबस्त प्रक्रिया में भी लाइन पार लालकुआं के संजय नगर व राजीव नगर बंगाली कॉलोनी आदि क्षेत्र को राजस्व प्रक्रिया के सर्वे में छोड़ दिया गया। ज्ञापन में नगर वासियों ने त्रुटि पूर्ण छोड़े गए क्षेत्र को राजस्व प्रक्रिया में शामिल करने हेतु शासन को पुनः प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है। ज्ञापन सौंपने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजीव शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष भुवन पांडे, पूर्व सभासद हेमंत पांडे, कमलेश यादव, पूर्व सभासद व डॉ. आरके सेतिया आदि शामिल रहे।

अनुपस्थित छात्र 20 तक करें आवेदन

नैनीताल, अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय के परिसरों व उससे संबद्ध महाविद्यालयों में एनईपी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। विवि ने ऐसे छात्रों को राहत दी है, जोकि पूर्व में किसी भी सेमेस्टर की आंतरिक परीक्षा या को-करिकुलर (सह-पाठ्यक्रम) परीक्षा में अनुपस्थित रहे हैं। कुलसचिव डॉ. एम.एस. मंद्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इन विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में सम्मिलित होने का एक और अवसर प्रदान किया जा रहा है। छात्र अपने संबंधित शिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रार्थना पत्र अग्रसारित करेंगे। विवि द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा कर 20 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। विवि ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में उठाया गया कदम बताया है।

आयोजन | एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने मनाया स्थापना दिवस

श्रीराम मंदिर में हुआ संगीतमय सुंदरकांड पाठ

सुंदरकांड पाठ के बाद मौजूद संस्था के पदाधिकारी व सदस्य। ● अमृत विचार

सुंदरकांड का पाठ करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने अपने नौवें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व संरक्षक रुपेन्द्र नागर के नेतृत्व में प्राचीन श्रीराम मंदिर में संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया। पंडित विवेक शर्मा व कथावाचक रितेश जोशी व उनकी टीम ने भक्ति भाव से पाठ प्रस्तुत किया। इस मौके पर संरक्षक हरीश चंद्र पांडे, मनीष साहू, लोकेश साहू, चिरौंजी लाल, नंदकिशोर आर्या, बलराम हालदार, धर्मा कुमारी, मुकेश सरकार, विपिन पांडे, अलका टंडन, बीना मिश्रा आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड का पाठ

नैनीताल : श्री राम सेवक सभा की ओर से मंगलवार को सभा भवन में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। सभा अध्यक्ष मनोज साह ने बताया कि आगामी तीन अगस्त को नंदा देवी महोत्सव के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न संगठनों, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा। यहां कैलाश जोशी, राहुल जोशी, अशोक साह, सभासद मुकेश जोशी, जगदीश बवाड़ी, विमल चौधरी, मोहित लाल साह, आनंद बिष्ट, गोधन सिंह, मुकुल जोशी आदि रहे।

सादात ने जीता मिस्टर नॉर्थ इंडिया का खिताब

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : नैनीताल निवासी सादात मलिक ने लखनऊ में आयोजित अवध फैशन वीक 2025 में मिस्टर नॉर्थ इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम किया। बॉलीवुड अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल ने भव्य समारोह में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। सादात की इस उपलब्धि पर नगर लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

सादात मलिक इससे पूर्व 2025 मिस्टर उत्तराखंड का अवार्ड भी जीत चुके हैं। सादात मॉडलिंग की दुनिया में तेजी से उभरते सितारे हैं। मॉडलिंग के साथ बॉलीवुड के जरिए अभिनय में नाम कमाने चाहते हैं। नैनीताल के सेंट जोसेफ

कालेज और सेंट जेवियर्स स्कूल से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की है। सादात ने बताया कि वह कड़ी मेहनत और अपने योग्यता के दम पर आगे बढ़ना चाहते हैं। उनके पिता बॉबी मलिक भी फिल्मी दुनिया में चरित्र भूमिका निभाते रहे हैं। सादात की इस उपलब्धि पर सेंट जेवियर स्कूल के प्रधानाचार्य नईम खान, रंगकर्मी इदरीस मलिक, मिथिलेश पांडे, मदन मेहरा ने बधाई दी है।

प्रवेश की गति सुस्त, कल प्रक्रिया समाप्त

एमबीपीजी कॉलेज में मंगलवार तक कुल 2788 प्रवेश ही हो पाए, विभिन्न वर्गों में अभी भी रिक्त हैं सीटें

संवाददाता, हल्द्वानी

एमबीपीजी कॉलेज में प्रवेश के लिए फार्म लेते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश कम होने के कारण पंजीकरण की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई है। नए आदेश के अनुसार कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्र 31 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और साथ-साथ अपने शैक्षणिक अभिलेख सत्यापित कर प्रवेश शुल्क जमा कर सकते हैं।

समर्थ पोर्टल में पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद मंगलवार शाम तक एमबीपीजी कॉलेज में प्रवेश के लिए करीब 700 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। प्रवेश लेने के लिए अब इन अभ्यर्थियों को कॉलेज पहुंचकर अपने शैक्षणिक अभिलेखों का सत्यापन कराना होगा। जिसके बाद समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश समिति की ओर से इन अभिलेखों को सत्यापित किया जाएगा।

प्रवेशार्थी पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा कर सकते हैं। इधर, एमबीपीजी कॉलेज में शैक्षणिक अभिलेखों का सत्यापन भी जारी है। जिसके तहत मंगलवार को कुल 294 छात्रों ने सत्यापन कराते हुए प्रवेश लिया। जिसमें बीए प्रथम सेमेस्टर में 195, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में 38, बीएससी पीसीएम में 30 और बीएससी जेडबीसी में 31 प्रवेश हुए। वहीं, कॉलेज में मंगलवार तक कुल 2788 प्रवेश हो चुके हैं। जबकि मंगलवार शाम तक करीब 1200 विद्यार्थियों की ओर प्रवेश शुल्क जमा किया जा चुका है।

इधर, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में भी प्रवेश बहुत धीमी गति से चल रहे हैं। कॉलेज में मंगलवार तक 412 प्रवेश हुए हैं। कल गुरुवार को प्रवेश प्रक्रिया बंद हो जाएगी। अब देखना होगा कि दो दिनों में कितने प्रवेश हो पाते हैं और प्रवेश प्रक्रिया का समय आगे बढ़ाया जाएगा या नहीं।

विभिन्न वर्गों में कुल इतने प्रवेश हुए हैं

एमबीपीजी कॉलेज में बीए में कुल 3375 सीटों में 1446 प्रवेश हुए हैं। बीकॉम में 1080 सीटों में 400 प्रवेश, बीएससी गणित में 840 में 259 और बीएससी बॉयोलॉली में 840 में 288 प्रवेश हुए हैं। इधर, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में बीए में कुल 560 सीटों में से 190 प्रवेश हुए हैं। बीएससी जेडबीसी में 160 सीटों में 80 प्रवेश, बीएससी पीसीएम में कुल 160 सीटों में 60 प्रवेश, बीकॉम में कुल 160 सीटों में 58 प्रवेश और बीकॉम ऑनर्स में कुल 60 सीटों में 24 प्रवेश हुए हैं।

डीएसबी परिसर में प्रवेश प्रक्रिया जारी

नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। मंगलवार को बीएससी विज्ञान वर्ग की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी की गई। इसके साथ ही परिसर में बीए, बीएससी और बीकॉम की विभिन्न प्रवेश सूचियों के आधार पर दाखिले किए जा रहे हैं। शनिवार को बीए और बीएससी की तीसरी मेरिट सूची जारी कर दी गई थी। बीए की कुल 600 सीटों में से अब तक केवल 150 छात्रों ने ही प्रवेश लिया है, जबकि बीएससी की 360 सीटों में से 174 सीटों पर ही छात्र प्रवेश ले सके हैं। बीकॉम में दूसरी मेरिट सूची के आधार पर दाखिला प्रक्रिया जारी है। बीएससी बायो वर्ग के प्रवेश प्रभारी सुहेल जावेद ने बताया कि तीसरी मेरिट सूची जारी करने के बाद जिन छात्रों का नाम सूची में है। उन्हें 31 जुलाई तक प्रवेश लेने का अवसर दिया गया है। बीए की प्रवेश प्रभारी डॉ. छवि आर्या ने जानकारी दी कि मंगलवार को बीए में 26 छात्रों ने प्रवेश लिया।

विश्व बाघ दिवस पर चलाया पौधरोपण व स्वच्छता अभियान

रामनगर, अमृत विचार : कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की ओर से विश्व बाघ दिवस के मौके पर पौधरोपण कार्यक्रम करने के साथ ही कॉर्बेट से सटे क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। कॉर्बेट के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि कार्बेट टाइगर रिजर्व हर वर्ष 29 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस बाघ प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा के निर्देशन और पार्क वार्डन अमित कुमार ग्यासीकोटी के नेतृत्व में बिजरानी एवं सर्पदुली रेंज ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-309 के किनारे वन क्षेत्र के समीप गो क्लीन गो क्लीन थीम के तहत एक क्लीन अप ड्राइव का आयोजन किया गया। अपशिष्ट एकत्रित कर उसका निस्तारण करने के लिए स्थानीय पेस्ट वॉरियर्स संस्था को आमंत्रित किया गया। बिजरानी रेंज ने सांवल्दे, कानियों, गौजानी, आमजंडा बिजरानी एवं रिगौडा आदि वन चौकियों में एक पेड़ मां के नाम थीम के अंतर्गत फलदार और अन्य पौधे रोपो। रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला, रेंजर उमेश आर्य, धर्मपाल नेगी, प्रमोद सत्यवली, वेस्ट वॉरियर्स संस्था के सदस्य भुवन चंद्र रहे।

बेहतर शैक्षणिक वातावरण पर रहेगा फोकस : लोहनी

निरीक्षण करते हुए यूओयू के कुलपति डॉ. नवीन चंद्र लोहनी व साथ में मौजूद अन्य।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में बैठक की। जिस दौरान शैक्षणिक और प्रशासनिक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने पर चर्चा हुई।

प्रो. लोहनी ने इससे पहले विज्ञान भवन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने शिक्षकों के कक्षों और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित सभी कार्यक्रमों की मूलभूत आवश्यकताओं को शीघ्र पूरा किया जाएगा, ताकि शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। इसके बाद कुलपति ने क्षेत्रीय सेवा निदेशालय की समीक्षा बैठक ली, जिसमें निदेशक समेत सभी आठ सहायक क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्रीय कार्यालयों को सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालयों और अध्ययन केंद्रों के बीच समन्वय बेहतर कर शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा दी जा सकती है। अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न विभागों की ओर से तैयार वीडियो प्रजेंटेशन को देखा और उन्हें और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को राज्य के सुगम से दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का लक्ष्य है।

रोटरी क्लब हल्द्वानी की मीटिंग में क्लब के पदाधिकारी व मेयर गजराज सिंह बिष्ट।

कॉलेज को पांच वर्षों के लिए गोद लेगा रोटरी क्लब

हल्द्वानी, अमृत विचार : रोटरी क्लब हल्द्वानी की मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक बैठक में मेयर गजराज सिंह बिष्ट भी शामिल हुए। कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन आरपी सिंह, क्लब अध्यक्ष मनोज शाह और सचिव आशीष दुम्का ने मेयर का स्वागत किया। बैठक में क्लब ने काठगोदाम स्थित नगर निगम कन्या इंटर कॉलेज को पांच वर्षों के लिए गोद लेने की घोषणा की। मनोज शाह ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए प्रस्तावित कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें सिविल कार्य, भौतिक संसाधनों की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। मेयर गजराज ने क्लब की ओर से समाजहित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनहित में किए गए निस्वार्थ प्रयासों में उनका हमेशा समर्थन रहेगा। इस दौरान रोटेरियन विजय शर्मा, डॉ. बीसी पांडे, रमेश शर्मा, अशोक मित्तल, पीएस पपोला, ललित मोहन भट्ट, विक्रम कार्की, उदय भट्ट, विशाल मेहरा और हरीश चंद्र पांडे आदि उपस्थित रहे।

क्वींस स्कूल के जाधव का सैनिक स्कूल महाराष्ट्र में हुआ चयन

हल्द्वानी, अमृत विचार: नैनीताल रोड स्थित क्वींस पब्लिक स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र जाधव अथर्व काकासाहेब का चयन सैनिक स्कूल महाराष्ट्र के लिए हुआ है। उनके चयन पर विद्यालय के प्रबंधक आरपी सिंह, निदेशक लिली सिंह, प्रशासनिक निदेशक विक्रम कार्की, अकादमिक निदेशक स्नेहा सिंह, प्रधानाचार्य बीबी पांडे सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

वहीं, जाधव के माता-पिता ने भी जाधव के चयन पर खुशी जताई है। क्वींस स्कूल से प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थी सफलता हासिल कर रहे हैं, जिससे पूरे विद्यालय परिवार ने खुशी जताई है।

राखी भेजने को वाटरप्रूफ लिफाफों की मांग बढ़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रक्षा बंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के प्रधान डाकघर में राखी भेजने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी है। हर रोज़ सैकड़ों लोग अपने भाई-बहनों को समय पर राखी पहुंचाने के लिए डाकघर का रुख कर रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक अब तक 800 से अधिक राखियों की बुकिंग हो चुकी है, और यह संख्या प्रतिदिन तेज़ी से बढ़ रही है। इस बार डाक विभाग की ओर से विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे उपलब्ध कराए गए हैं, जो राखी को बारिश से सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। ये लिफाफे लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं, जिसके चलते इनकी मांग बढ़ गई है।

प्रधान डाकघर के पोस्टमास्टर गौरव जोशी ने बताया कि हमने राखी भेजने वालों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे उपलब्ध कराए हैं। लोगों का उत्साह देखते हुए हमने स्टाफ की संख्या भी बढ़ा दी है, ताकि किसी को परेशानी न हो। हमारा लक्ष्य है कि हर राखी समय पर और सुरक्षित अपने स्थान तक पहुंचे। डाकघर में लगे विशेष काउंटर पर कर्मचारी राखी बुकिंग के लिए तैनात हैं। कई लोग अपने बच्चों के साथ पहुंचे और डाकघर में विशेष अनुभव साझा किया। कुछ महिलाएं पारंपरिक राखियों के साथ-साथ हस्तनिर्मित उपहार भी भेज रही हैं। डाकघर की इस चहल-पहल ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि डिजिटल युग में भी डाक की अहमियत बनी हुई है।

रिमझिम बारिश से मौसम कूल

● जनजीवन भी प्रभावित, झील के जल स्तर में निरंतर जारी है वृद्धि

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में मंगलवार को बारिश के बीच गुजरते राहगीर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सरोवर नगरी में रुक-रुककर होती रही बरसात ने पिछले 24 घंटे से संभलने का मौका नहीं दिया है जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। नालों में उफान जारी है और झील के जलस्तर में वृद्धि जारी है।

नगर मे सोमवार शाम से मानसून ने बरसना शुरू कर दिया था, जोकि मंगलवार शाम तक जारी रहा। कभी हल्की तो कभी तेज बारिश ने रोजमर्रा के कार्यों को बाधित किया है। दिहाड़ी मजदूर कार्य से विरत रहे। खाली बैठे नौका चालकों का वर्षा रुकने के इंतजार में दिन बीत गया। तेज वर्षा के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नालों का जल प्रवाह तेज हो चला है। जिस कारण झील में कूड़ा कचरा समाने का क्रम जारी है।

वहीं, लोअर मालरोड पर जलभराव से लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। लगातार बारिश के चलते कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। नगर को जोड़ने वाले सभी मार्ग खुले हुए हैं। इधर, नैनीझील के जल स्तर में निरंतर वृद्धि जारी है। झील का जलस्तर 82.4 फीट पहुंच गया है। फिलहाल झील से जलनिकास की कोई संभावना नहीं है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 25 व न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। वर्षा 35 मिमी हुई है। आद्रता अधिकतम 95 व न्यूनतम 70 प्रतिशत दर्ज की गई।

उद्योग व्यापार मंडल ने धार्मिक यात्रा पर निकले बजरंगियों का किया अभिनंदन

● अखिल एकता उद्योग मंडल ने व्यापार ने किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

रेलवे स्टेशन पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं स्वागत करते उद्योग व्यापार मंडल के लोग।

अमृत विचार : अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल ने धार्मिक यात्रा पर निकले बजरंग दल कार्यकर्ताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया।

बजरंगियों का दल बाबा बूढ़ा अमरनाथ चट्टानी, वैष्णो देवी और शिव खोड़ी की यात्रा को निकला है। मंगलवार की देर सायं हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर व्यापारियों ने बजरंगियों का अभिनंदन किया। प्रदेश प्रभारी अतुल गुप्ता और राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष दीप्ति चुफाल ने बताया कि प्रांत यात्रा प्रमुख यशपाल राज हंस व कुमाऊं यात्रा प्रभारी अंकित पाल के नेतृत्व में बाबा भोलेनाथ की पावन धरा पर बाबा बूढ़ा अमरनाथ चट्टानी के लिए रवाना हुए हैं।

इस यात्रा में व्यापार मंडल के युवा प्रदेश अध्यक्ष अंकित पाल और जिला कोषाध्यक्ष वैभव गुप्ता, प्रदेश उपसचिव युवा राहुल भट्ट, युवा प्रदेश सचिव हर्षित पाल के साथ 130 कार्यकर्ता जा रहे हैं। यह यात्रा चार अगस्त को वापसी करेगी। इस दौरान बीनू जायसवाल, नेहा नाज, भूपेश बिष्ट, राजेंद्र प्रसाद जायसवाल, पंकज अग्रवाल, सम्राट गुप्ता, नीरज राजपूत, कुसुम गुप्ता, हरपाल पाल, पल्लवी राजपूत आदि मौजूद रहे।

बच्चा चोरी के शक में दो को पकड़ा

रामनगर: ग्राम शक्तिनगर पूछड़ी क्षेत्र से एक व्यक्ति और महिला को संदिग्ध परिस्थितियों में बच्चा चोरी के प्रयास में ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह दोनों बच्चा चोर है और दोनों बच्चों को पकड़ने का प्रयास कर रहे थे। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर उनकी पिटाई कर दी।

उसके बाद प्रधान प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद अंसारी ने पुलिस को सूचना दी। हाजी शकील अहमद अंसारी ने बताया कि यह दोनों लोग पिछले चार पांच दिनों से शक्तिनगर पूछड़ी क्षेत्र में लगातार घूमते हुए देखा गया है। यह लोग बिहार में छपरा जिले के बताए जा रहे हैं। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज नयाल ने बताया कि यह दोनों लोग विक्षिप्त हैं और बोल नहीं पा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।

पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

नैनीताल में मंगलवार को बालिका इंटर कालेज की छात्राओं को जानकारी देतीं आशा फाउंडेशन की अध्यक्ष आशा शर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: आशा फाउंडेशन की ओर से महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं जागरुकता को लेकर चलाई जा रही मुहिम के तहत मंगलवार को मोहन लाल शाह बालिका इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को माहवारी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, स्तन व गर्भाशय कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में करीब 200 बालिकाओं और शिक्षिकाओं को रियूजेबल सैनिटरी पैड्स वितरित किए गए। फाउंडेशन की अध्यक्ष आशा शर्मा ने बाजार में मिलने वाले सामान्य सैनिटरी पैड्स से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के प्रति भी उपस्थित छात्राओं को सतर्क किया। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की मुन्नी तिवारी, ईशा शाह, बच्ची सिंह नेगी, महेश कुमार गोयल, पापुल वर्मा, कविता रावत, नेहा, विभूति, हर्षित पंत और राजेंद्र सिंह रहे।

सफाई कर्मचारियों ने की नियमितिकरण की मांग

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालय में बीते 20 से 22 वर्षों से सेवा दे रहे पर्यावरण मित्रों ने मंगलवार को नगर निगम में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष को शिकायती पत्र सौंपा। शिकायत के माध्यम से बताया गया कि कर्मचारी वर्ष 1998 से 2010 तक ट्रस्ट के अधीन कार्यरत थे और 2011 से उपनल के माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं। गंभीर बात यह है कि बीते 4-5 महीनों से कॉलेज प्रशासन की ओर से 104 पर्यावरण मित्रों का वेतन रोका है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है। पर्यावरण मित्रों का कहना है कि जहां अन्य कर्मचारियों जैसे डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, लिपिक, वार्ड बॉय आदि को वर्ष 2016 में नियमित कर दिया गया, वहीं वर्षों से सेवा दे रहे सफाईकर्मियों की अनदेखी की जा रही है।

श्रद्धा मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया नागपंचमी का पर्व, मंदिरों में लगी रहीं भक्तों की कतारें

नागपंचमी पर शिवालयों में नाग देवता को अर्पित किया दूध

संवाददाता, हल्द्वानी

मंदिर में नागपंचमी पर पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला नागपंचमी पर्व मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के मंदिरों और नाग देवता की बांबियों पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने नाग देवता को दूध, हल्दी और नैवेद्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की। शहर के प्रमुख शिवालयों में रुद्राभिषेक, रुद्री पाठ और शिव भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिरों का माहौल दिनभर भक्तिमय बना रहा।

भगवान शेषनाग और भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार कर उन्हें दूध से स्नान कराया गया। पंडित हरीश भट्ट ने बताया कि नागपंचमी की पूजा से कुंडली में स्थित कालसर्प दोष और राहु-केतु के अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिलती है। इसी मान्यता के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु विशेष अनुष्ठानों में शामिल हुए। मंगल पड़ाव, कालीचौड़ मंदिर, तपोवन, सती बाजार सहित विभिन्न मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।

बालाजी मंदिर में हुआ सामूहिक अनुष्ठान

रामनगर : मंगलवार को श्री बालाजी मंदिर कोसी घाट में भक्तों ने राहु-केतु से बनने वाले समस्त दोषों के निवारण के लिए कालसर्प दोष की शांति के लिए सामूहिक अनुष्ठान किया। सुबह चार बजे से भक्तों शिवजी का जलाभिषेक किया गया। हवन के उपरांत मंदिर के महंत शुभम गर्ग ने बताया कि श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी के अवसर पर राहु केतु के विशेष दोषों की शांति के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं। यह अनुष्ठान साल में इस तिथि पर बहुत शुभ होते हैं। महंत शुभम गर्ग ने सभी के उज्जवल जीवन एवं संकट मुक्त जीवन के लिए श्री बालाजी महाराज से प्रार्थना की।

चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं पर मंथन

रामनगर: द कॉर्बेट फाउंडेशन ढिकुली की ओर से ग्राम खैराड़ में आयोजित चौपाल कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से मानव वन्यजीव संघर्ष को लेकर संवाद करने के साथ उनकी समस्याओं को भी जाना गया।

चौपाल में ग्रामीणों ने तेंदुआ-बाघ, जंगली सूअर द्वारा मवेशियों पर हमले, फसल को नुकसान, मुआवजे में देरी जैसी समस्याएं साझा कीं। भूस्खलन, जंगल की आग और सुरक्षा के अभाव जैसे मुद्दों पर अपना दर्द भी बयां किया। कार्यक्रम अधिकारी शिखा पांडे, शोध कार्यक्रम अधिकारी समीक्षा मनराल ने समाधान के लिए बाड़बंदी व सौर लाइट के साथ ही दिन छिपे जंगल में न जाने जैसे सुझाव दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह ग्रामीणों की समस्या को वन विभाग के अधिकारियों के साथ शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास भी करेंगे।

क्रिकेट की कोचिंग ले रहे खिलाड़ियों को टिप्स देते कमिश्नर दीपक रावत। ● अमृत विचार

क्रिकेटरों को प्रेरित करने स्टेडियम पहुंचे कमिश्नर

हल्द्वानी : कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत मंगलवार को हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने क्रिकेट प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों से मुलाकात की। कोच व खिलाड़ियों द्वारा स्वागत किए जाने के बाद रावत खुद मैदान में उतरे और गेंदबाजी व बल्लेबाजी कर युवाओं को प्रेरित किया। उनकी तकनीक व शैली से खिलाड़ी प्रभावित नजर आए। उन्होंने खेलों को अनुशासन, ऊर्जा व सकारात्मक सोच का माध्यम बताया। कमिश्नर ने दो-तीन दिनों में दोबारा आकर खिलाड़ियों के साथ खेलने की बात कही। इस अवसर पर करीब 44 प्रशिक्षणार्थियों सहित जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, उप क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल, कोच त्रिलोक जीना, प्रशिक्षक श्याम मनु भट्ट, बिमला रावत, मनीष वर्मा, गोविंद लटवाल, अकुंश रोतेला व कैलाश जोशी उपस्थित रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,30 जुलाई 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

सरफराज अहमद को भाकियू आजाद का प्रदेश प्रभारी बनाया

जसपुर : भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नितिन बालियान ने ट्रांस्पोर्टर सरफराज अहमद को उत्तराखंड का प्रदेश प्रभारी मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर ट्रांसपोर्ट उद्योग के व्यापारियों ने उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों में पालिकाध्यक्ष मो .नौशाद सम्राट, हाजी सईद अहमद, इबादुर्रहमान अंसारी, शोएब आलम, शाहनवाज अहमद, नसीम अहमद, हाजी राशिद हुसैन, सरताज नवाब आदि लोग शामिल रहे।

किशोर को सांप ने डसा

काशीपुर : सांप के डसने से एक किशोर की हालत बिगड़ गई। ग्राम खरमासा निवासी अनमोल को अचानक सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

महिला ने खाया जहर

काशीपुर : संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला ने कोई जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। मोहल्ला काजीबाग निवासी एक महिला ने कोई जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

जल संस्थान के गेट से ग्रामीण की बाइक चोरी

जसपुर : चोरों ने एक ग्रामीण की बाइक पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस घटना की जांच में जुटी है। ग्राम पतरामपुर निवासी इकबाल अहमद ने बताया कि 25 जुलाई को वह टीवीएस रेडियन मोटरसाइकिल को मुख्य मार्ग स्थित जल संस्थान के गेट पर खड़ी कर बाजार से सामान लेने गया था। कुछ देर बाद वापस आने पर बाइक अपनी जगह खड़ी नहीं मिली। प्रभारी कोतवाल जावेद मलिक ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

पारिवारिक बात को लेकर हुई मारपीट में महिला समेत दो लोग घायल

बाजपुर : आपसी पारिवारिक बात को लेकर हुई मारपीट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस चौकी सुल्तानपुर पट्टी क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला आदर्शनगर में सोमवार की देर रात करीब 9 बजे दो पक्षों के बीच आपसी पारिवारिक बात को लेकर विवाद हो गया, जिसमें देखते ही देखते मारपीट होने लगी। घटना में एक महिला व एक युवक के चोटें आई हैं, जिन्हें पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

चोरों ने उड़ाई पानी की मोटर, रिपोर्ट दर्ज

खटीमा : चोरों ने वार्ड संख्या 14 से घर में लगी मोटर चोरी कर ली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रेलवे स्टेशन रोड वार्ड संख्या 14 निवासी उपेंद्र सोनकर ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि 25 जुलाई की रात्रि में चोर घर के बाहर लगी पानी की मोटर चुरा ले गए हैं। पीड़ित ने पुलिस से मामला दर्ज कर कारवाई करने की गुहार की है। जिसपर पुलिस ने उपेंद्र सोनकर की तहरीर पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खटीमा की माटी से मिलती है हमेशा ऊर्जा और प्रेरणा : धामी

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय के लोकार्पण पर बोले मुख्यमंत्री धामी, विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया, राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: खटीमा मेरा घर है और यहां के निवासी मेरे परिवार के सदस्य हैं। यहीं से मैंने जनसेवा की यात्रा प्रारंभ की थी। खटीमा की माटी और यहां के लोगों से मुझे हमेशा ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय भवन के लोकार्पण अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने खटीमा में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल से लेकर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खटीमा में हाईटेक बस स्टैंड, आधुनिक आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज तथा सौ बेड के नए अस्पताल परिसर, राष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण कर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया है। क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के तहत गदरपुर और खटीमा बाईपास का निर्माण, नौसर में पुल निर्माण के साथ ही पूरे क्षेत्र में सड़कों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने महाविद्यालय में एमकॉम और एमएससी की कक्षाएं शुरू करवाई हैं। इस जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में एकलव्य विद्यालय का संचालन भी प्रारंभ किया गया है। राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है, जिसके परिणाम स्वरूप एसडीजी इंडेक्स रिपोर्ट में सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे देश में हमारा राज्य प्रथम स्थान पर पहुंचा है। बीते वर्ष में बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाने में सफलता प्राप्त की गई है। इस अवसर पर मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा, राजेश शुक्ला, आनंद मोहन रतूड़ी, अचल शर्मा, प्रकाश तिवारी, किशन बिष्ट, राजपाल सिंह, रणजीत सिंह नामधारी, सतीश गोयल, मोहनी पोखरिया, भुवन जोशी, नंदन सिंह खड़ायत, रेनू भंडारी, अमित पांडे, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा आदि मौजूद रहे।

खटीमा में केंद्रीय विद्यालय के लोकार्पण अवसर पर विद्यालय प्रबंधन के साथ मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

दंगारोधी, धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किया

खटीमा : मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राज्य में सख्त दंगारोधी और धर्मांतरण विरोधी कानून को लागू किया गया है। राज्य में साढ़े छह हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। 200 से अधिक अवैध मदरसों को सील करने के साथ 500 से अधिक अवैध संरचनाओ को भी हटाया है। प्रदेश में ऑपरेशन कालनेमि भी प्रारंभ किया है। जिसके माध्यम से हम राज्य में सनातन धर्म को बदनाम करने वाले पाखंडियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू किया गया है। इसके साथ राज्य के 23 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने का कार्य किया गया है।

आईएएस, पीसीएस सहित 200 से ज्यादा भेजे गए जेल

खटीमा : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य से भ्रष्टाचार रूपी दीमक को जड़ से समाप्त करने के लिए ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर कम किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले तीन वर्षों में हमने भ्रष्टाचार में लिप्त आईएएस, पीसीएस सहित करीब 200 से अधिक लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने विकल्प रहित संकल्प को पूर्ण करने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है।

मंडी लाइसेंस नवीनीकरण की तिथि बढ़ाने के दिए निर्देश

सितारगंज : उत्तराखंड राइस मिलर्स एसोसिएशन के शीर्ष पदाधिकारियों ने बीते सोमवार को कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के सान्निध्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। उन्होंने प्रदेश भर के राइस मिलर्स की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जल्द ही समाधान किया जाएगा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि धान खरीद वर्ष 2024-25 के दौरान सरकारी संस्थाओं की तर्ज पर मिलर्स ने केवल 2% मण्डी शुल्क जमा किया है, जबकि 0 .50% विकास सेस नहीं लिया गया, जिस पर पूर्व में खाद्य मंत्री से वार्ता हो चुकी है और मामला वर्तमान में शासन स्तर पर विचाराधीन है। मिलर्स ने यह भी अवगत कराया कि मण्डी समितियों द्वारा बिना 0 .50% सेस जमा किए लाइसेंस रिन्यू नहीं किए जा रहे हैं, जबकि 30 जून अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है। अत : शासन से निर्णय होने तक लाइसेंस नवीनीकरण की अनुमति दिए जाने का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रमुख सचिव को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए तथा मण्डी लाइसेंस के नवीनीकरण की अंतिम तिथि को एक माह तक बढ़ाने के मौखिक आदेश जारी किए। साथ ही आगामी धान खरीद नीति में कच्चे आड़तियों को हो रही आर्थिक हानि के संदर्भ में भी नई नीति बनाने की मांग की गई। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश कंसल, उपाध्यक्ष रमेश गर्ग, कोषाध्यक्ष पंकज बांगा, महामंत्री श्याम अग्रवाल व मंत्री उमेश अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सुनीं जनता की समस्याएं

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को लोहियाहेड स्थित कैंप कार्यालय पहुंचे जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र की जनता का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री अनिल कपूर, शंकर कोरंगा ,पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रणजीत सिंह, प्रकाश तिवारी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एसपी सिटी डॉ . उत्तम सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इंजेक्शन लगाने के बाद मरीज की मौत, हंगामा

- डॉक्टर पर उपचार में लापरवाही बरतने का लगाया आरोप

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सरकारी जिला अस्पताल एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। जहां एक मरीज की मौत होने के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा और डॉक्टर पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। आरोप था कि गलत इंजेक्शन लगाने के कारण मरीज की मौत हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सपनशील (फाइल)।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात्रि गांव खटोला निमाई पाडा दिनेशपुर निवासी 40 वर्षीय सपनशील की हालत बिगड़ने पर मरीज का बड़ा भाई कमलेश सील एंबुलेंस के माध्यम से उसे जिला अस्पताल लेकर आया। जहां तैनात डॉक्टर ने जैसे ही उपचार शुरू किया और एक इंजेक्शन लगाया। तब इंजेक्शन की सुई मुड़ गई थी। इसके बाद मरीज की हालत बिगड़ने लगी। आरोप था कि हालत बिगड़ने के बाद भी मरीज को हायर सेंटर रेफर नहीं किया। मंगलवार की सुबह होने पर मरीजों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। उन्होंने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर सिडकुल चौकी प्रभारी जीडी भट्ट पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और पीएमएस डॉ.राकेश सिन्हा के आदेश पर शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

> सोमवार की देर रात्रि मरीज को बेहद ही गंभीर स्थिति में लाया गया था। मरीज के फेफड़ों में पानी भरा हुआ था और सांस लेने में भी काफी दिक्कत थी। आपातकालीन कक्ष में तैनात डॉक्टर ने जांच की और नाजुक हालत को देखते ही हायर सेंटर रेफर कर दिया था, लेकिन एंबुलेंस आने के बाद जब हालत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उस वक्त डॉक्टर ने प्रारंभिक उपचार कर नियंत्रित करने की कोशिश की। फिलहाल डॉक्टर की कोई भी लापरवाही सामने नहीं आई है। बावजूद पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई होगी और बिसरा भी सुरक्षित किया जाएगा।
> -डॉ .आरके सिन्हा, पीएमएस, जिला अस्पताल

उपचार से पहले ही प्रसव पीड़ा से महिला की मौत

रुद्रपुर, अमृत विचार : किच्छा की रहने वाली एक महिला की प्रसव पीड़ा से मौत होने का मामला सामने आया है। बताया कि हालत बिगड़ने पर महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार किच्छा के नजीबाबाद निवासी सत्यपाल अपने परिवार के साथ रहता है। सोमवार की देर रात्रि अचानक उसकी 32 वर्षीय पत्नी किरण को प्रसव पीड़ा होने पर किच्छा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि प्रसव होने के बाद अचानक महिला की हालत बिगड़ने लगी तो डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आनन फानन में महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाल सुरक्षा यात्रा का आयोजन 30 को

रुद्रपुर : सिविल जज सिनियर डिविजन व प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुंजन सिंह ने बताया कि मानव तस्करी के विरूद्ध विश्व दिवस के अवसर पर 30 जुलाई को बाल सुरक्षा के उद्देश्य से बाल सुरक्षा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

मंगलवार को सिविल जज सिनियर डिविजन व प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि यात्रा उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार पूरे जिले में चिह्नित बाल श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में संचालित की जाएगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल तस्करी, बाल श्रम और बच्चों के प्रति हो रहे शोषण के प्रति आम जनमानस में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता प्रदान करें।

बाइक फिसली, सात साल के मासूम की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: काशीपुर हाईवे पर बाइक फिसलने पर जहां सात साल के मासूम बालक की मौत हो गई, जबकि बहन व माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए हल्द्वानी रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मन्नू (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार काशीपुर के किरावली गांव के रहने वाले विक्की ठुकराल अपने परिवार के साथ रहते हैं और लालपुर में उनकी फोटोग्राफी की दुकान है। बताया कि सोमवार को वह बाइक से अपनी पत्नी ज्योति ठुकराल, बेटी हरगुन व सात साल के बेटे मन्नू के साथ पंचायत चुनाव के मद्देनजर गांव वोट डालने आए थे। मंगलवार की दोपहर डेढ़ बजे बाइक से ही घर लौट रहे थे कि अचानक काशीपुर-गदरपुर हाईवे के समीप महतोष मोड़ के समीप अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई।

हादसे में बाइक सवार सभी लोग छिटककर हाईवे पर गिरे। आनन-फानन में राहगीरों ने घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने 7 वर्षीय मन्नू को मृत घोषित कर दिया।

घर में घुसकर की मारपीट

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम दुर्गापुर निवासी गुरमीत सिंह ने कुंडा थाना में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीते सोमवार की देर रात वह अपने परिवार के साथ सोया हुआ था। उनके घर पर जीजा अवतार सिंह व लखनऊ निवासी भांजा सतविंदर सिंह भी आए हुए थे। रात लगभग 11 बजे पड़ोस में रहने वाली दो महिला समेत 8-10 लोग घर में घुस आए। लाठी-डंडों से लैस हमलावरों ने घर के अंदर खड़ी कार व बिजली मीटर व डिश की छतरी समेत काफी सामान में तोड़फोड़ की। जब परिजनों ने हमलावरों को रोकने का प्रयास किया। तब इन लोगों ने उसकी पत्नी अमृता कौर, सर्वजीत सिंह, सतिंदर सिंह के साथ मारपीट की।

आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसकी पत्नी अमृता कौर के गले से दो तोले सोने की चेन छीन ली और अश्लील हरकतें कीं। घटनाक्रम घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। बताया कि वह लोग सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी अपने साथ ले गए और जाते-जाते परिवार को जान से मारने की धमकी दे गए।

पीड़ित ने पुलिस में तहरीर सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उधर कुंडा थाना प्रभारी हरेंद्र चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यायालय परिसर में न्यायाधीश को पौंधा भेंट करती वन विभाग की टीम।

एक पेड़ मां के नाम थीम पर न्यायालय परिसर में पौधरोपण

सितारगंज : न्यायालय परिसर सितारगंज में मंगलवार को न्यायाधीश के नेतृत्व में "एक पेड़ मां के नाम" थीम के अंतर्गत बाराकोली रेंज स्टाफ ने पौधरोपण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि समाज को यह प्रेरणा देना था कि जिस तरह मां जीवनदायिनी होती है, उसी तरह वृक्ष भी हमें शुद्ध वायु, छांव, जीवन और हरियाली प्रदान करते हैं। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में विविध प्रजातियों के छायादार और औषधीय पौधे रोपित किए गए, और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि इन वृक्षों की मां की तरह देखभाल की जाएगी।

सायं कालीन कक्षाएं संचालित हों

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए व बीकाम प्रथम वर्ष में प्रवेश से वंचित रहे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए सायं कालीन कक्षाएं संचालित कर प्रवेश देने की मांग मुखर हो गई है। विद्यार्थियों ने प्रभारी प्राचार्या को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान का अनुरोध किया है। साथ ही एक अगस्त से क्रमिक अनशन पर बैठाने की चेतावनी दी है।

मंगलवार को कुछ विद्यार्थी एकत्रित होकर कालेज पहुंचे और प्रभारी प्राचार्या डा.मनुहार आर्य को संबोधित ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि बहुत से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी हैं, जो बीए, बीकाम में प्रवेश से वंचित रह गए हैं और उच्च शिक्षा का मौका न मिल पाने के कारण उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर सायंकालीन सीटें बढ़ाना जरूरी हो गया है, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सके। उन्होंने एक-दो दिन में समस्या का समाधान न होने की दशा में एक अगस्त से महाविद्यालय में क्रमिक अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है। फिर भी मांग पूरी न होने पर भूख हड़ताल पर बैठने की बात कही है। इस मौके पर छात्रसंघ अध्यक्ष प्रशांत भट्ट, सचिव आदर्श कुमार, छात्रसेवक आदित्य पांडेय, अनुज, अंकित भट्ट, विशाल कश्यप, प्रियांशी, हिमांशु, फैज पठान, अजय आदि मौजूद रहे।

बाजपुर पीजी कॉलेज में प्रभारी प्राचार्या डॉ .मनुहार आर्य को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी।

सामूहिक दुष्कर्म के दोनों आरोपी दबोचे

खटीमा : विकासखंड के दूरस्थ गांव में नाबालिग से हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग है जिसे बाल सुधार गृह में भेजा गया है जबकि दूसरे को जेल भेज दिया। पुलिस को सौंपी तहरीर में पीड़िता ने कहा है कि उसकी नाबालिग पुत्री को गांव के दो लड़कों ने बहला फुसलाकर अवैध संबंध बना लिए। जब वह पांच माह की गर्भवती हुई तो पूछताछ में पुत्री ने सब कुछ बता दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दोनों को मामला दर्ज करने के बाद मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 735/8-2(2025-2026) **निविदा सूचना** दिनांक : 29-07-2025

एतद्द्वारा नगर निगम, अल्मोड़ा के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार निर्माण कार्य के सम्पादन हेतु दिनांक 14-08-2025 को अपराहन 02:00 बजे तक लिफाफा बन्द निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है, जो तद्दिनांक को सांय 3.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं एवं उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख गठित समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धि विस्तृत जानकारी / शर्तें निगम कार्यालय के निर्माण अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित धनराशि मय G.S.T सहित (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण अवधि	निविदा की वैधता (दिवस में)	ठेकेदार की न्यूनतम श्रेणी
1	मा० महापौर के कार्यालय कक्ष एवं टॉयलेट तथा सभागार नगर निगम अल्मोड़ा का वृहद मरम्मत कार्य।	15.98	0.48	1500.00 +18% G.S.T.	3 माह	90	ई० एवं उच्चतर

(रामजी शरण शर्मा) नगर आयुक्त, नगर निगम, अल्मोड़ा

(अजय वर्मा) महापौर, नगर निगम, अल्मोड़ा

वारदात | चार लाख के जेवरात व दो लाख की नगदी पर किया हाथ साफ, बरामदे में सो रहे थे परिवार के लोग

चंदन नगर में चोरों ने एक घर को बनाया निशाना

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : चोरों ने सोमवार की रात्रि में एक किराना व्यापारी के घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर अपने साथ घर में रखे चार लाख के जेवरात व दो लाख की नगदी ले गए। सुबह जब परिवार के सदस्यों की आंख खुली तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। मामले की पीड़ित ने पुलिस को चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मंगलवार को ग्राम चंदननगर निवासी बबलू मंडल ने थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार की मध्यरात्रि में चोरों ने घर में घुसकर अलमारी में रखे चार लाख के सोने- चांदी के जेवरात और दो लाख की नगदी चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि घर से कुछ दूरी पर चोर जेवरात के डिब्बों को फेंक गए। चोर जेवरात व नकदी अपने साथ ले गए। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने बताया कि चोरी के खुलासे के लिए एसआई अनवर अहमद के नेतृत्व में टीम गठित की गई है। पुलिस टीम गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए। पुलिस टीम हर पहलुओं पर जांच कर रही है। चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

दिनेशपुर के ग्राम चंदननगर में चोरी की जांच करती पुलिस टीम।

चुराए हुए जेवरात के फेंके खाली डिब्बे।

सिक्योरिटी सर्विस पर दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री की जांच के बाद कई सिक्योरिटी सर्विस द्वारा बिना अनुमति के संचालित होने का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस ने पासरा मेंबर की तहरीर पर सिक्योरिटी सर्विस संचालित संपत्ति पर मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्रीज के मेंबर कुलदीप मिश्रा ने बताया कि उनका संगठन सरकार से बिना अनुमति के संचालित सिक्योरिटी सर्विस संस्थाओं की निगरानी करता है और अनुमति नहीं होने पर कार्रवाई करता है। जिसके मद्देनजर जब फोरटिन सिक्योरिटी सर्विस नाम की संस्था की जांच की तो पता चला कि जनवरी व फरवरी में सिक्योरिटी सर्विस बिना अनुमति के कई कंपनियों में सुरक्षा गार्ड मुहैया करा रही है, जो कि निजी सुरक्षा एजेंसियां विनियमन अधिनियम 2005 का खुला उल्लंघन है। जांच में पता चला कि सिक्योरिटी सर्विस का संचालन कंकटा गदरपुर निवासी दंपती जितेंद्र सिंह व प्रभजोत कौर कर रहे हैं। पासरा मेंबर ने अपनी जांच रिपोर्ट में पीएफ का विवरण, सुरक्षा गार्डों की फोटो, ईएसआई चालान की प्रति भी संलग्न की और कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। जिस पर पुलिस ने सिक्योरिटी सर्विस संचालक दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

ब्रीफ न्यूज

विवाहिता को बच्चों के साथ घर से निकाला

बाजपुर : विवाहिता ने पति पर गाली-गलौज व मारपीट करते हुए तीन मासूम बच्चों सहित घर से निकालने व दूसरी शादी करने की धमकी देने का आरोप लगा कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पास तीन मासूम बच्चे हैं । उसका पति आए दिन बेवजह गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार व मारपीट करता है । आरोपित पिछले कई दिनों से उसके साथ लगातार मारपीट कर रहा है । मंगलवार की सुबह करीब दस बजे उसने जान से मारकर दूसरी करने की बात कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी । इतना ही नहीं लात-घूसों व लाठी-डंडों से जमकर पिटाई की तथा बाल पकड़कर घसीटते हुए बच्चों सहित घर से बारिश में ही घर से बाहर निकाल दिया और घर में ताला लगा दिया । दोबारा इस घर में आने पर बच्चों सहित जान से मारने की धमकी दी ।

कल होगा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए पहले और दूसरे चरण में हुए मतदान के बाद प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतपेटियों में बंद होने के बाद अब प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में जीत हार का गुणा भाग शुरू हो गया। इसके साथ ही प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ने लगी है। साथ ही सभी की निगाहें अब 31 जुलाई को होने वाली मतगणना पर है।

यहां बता दें कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा होते ही प्रदेश व जनपद में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई थीं। जिले में 1472 पदों के सापेक्ष 4754 प्रत्याशी मैदान में थे। नाम वापसी और उम्मीदवारों के निर्विरोध बनने के बाद ग्राम पंचायत सदस्य के 808 पदों के सापेक्ष 1870 प्रत्याशी, ग्राम प्रधान के 362 पदों के सापेक्ष 362, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 267 पदों के सापेक्ष 1178 और जिला पंचायत सदस्य के 35 पदों के सापेक्ष 188 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे।

24 जुलाई और 28 जुलाई को मतदान प्रक्रिया की समाप्ति होने के बाद जहां 4754 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला मतपेटियों में बंद हो गया और मतपेटियां कड़ी निगरानी में चला गया। 31 जुलाई को मतगणना होनी है इसको लेकर प्रत्याशियों की बेचैनी भी बढ़ने लगी है। पंचायत हो या फिर बीडीसी-प्रधान प्रत्याशी दिन भर अपने बड़े नेताओं के साथ बैठकर जीत के लिए गुणा भाग लगाने लगे और समर्थकों से पक्ष में मतदान का आंकड़ा लगाते रहे। अब देखना यह है कि 31 जुलाई से मतगणना के बाद किस प्रत्याशी का आंकड़ा सही साबित होगा और किसका आंकड़ा हवा हवाई होगा।

मतगणना के लिए अभिकर्ता बनाने का काम शुरू

खटीमा : त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव परिणाम की घोषणा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है । कल (वृहस्पतिवार) को शुरू होने वाली मतगणना के लिए अभिकर्ता कार्ड बनाए जाने का काम मंगलवार को शुरू हो गया । जिसके तहत विकासखंड परिसर में तिल रखने को भी जगह नहीं थी । स्थिति यह रही कि प्रत्याशियों को जहां भी जगह मिली वहीं अपने मतगणना अभिकर्ता के आवेदन भरने में जुट गए । विकासखंड के ब्लॉक सभागार की खिड़कियों पर नामांकन की भांति मंगलवार को मतगणना अभिकर्ता कार्ड बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई । आज सुबह से ही परिसर में जनप्रतिनिधियों और उनके वाहनों का जमावड़ा लगा रहा । पूरे दिन लोग अभिकर्ता बनने के आवेदन और कार्ड को भरते देखे गए । अभिकर्ता कार्ड बनाने का कार्य बुधवार को भी जारी रहेगा । बता दें कि वृहस्पतिवार को प्राय : आठ बजे से मंडी समिति परिसर में मतगणना का कार्य शुरू होगा । जिसके लिए चौतरफा बैरिकेटिंग कर स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक मतपेटियों को लाने के लिए गैलरी बनाई गई है ।

गांव के विकास के लिये मतदान को दी अहमियत, मतदान के बाद किया अंतिम संस्कार

घर में रखा था प्रियजन का शव, फिर भी किया मतदान

कुंदन बिष्ट/करन सिंह, काशीपुर

बलकार सिंह (फाइल) ।

अमृत विचार: लोकतंत्र के महत्व को प्राथमिकता देते हुए एक परिवार ने घर में प्रियजन की मौत होने के बावजूद पहले मतदान किया, इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया।

दरअसल ग्राम पंचायत रामनगर-काशीपुर के पूर्व उप प्रधान बलकार सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। दूसरे चरण के मतदान यानी सोमवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। घर में

काशीपुर में मृतक के घर के आंगन में मौजूद परिजन। ● अमृत विचार

प्रियजन की मौत के बावजूद परिजनों ने गांव का विकास हो सके इसके लिये अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को रोक पहले मतदान किया। इसके बाद करीब दो बजे मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के भाई गुरमेल सिंह, पत्नी समनीत कौर, मृतक की पत्नी मनप्रीत कौर, बेटा साहब जोत और बेटी कोमल दीप ने पहले मतदान केंद्र में लाइन पर लगकर वोट दिया। इसके बाद उन्होंने अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार किया।

परिजनों के मुताबिक गांव का विकास हो सके इसके लिये उन्होंने मतदान को प्राथमिकता दी। क्योंकि मृतक पूर्व में उप प्रधान रह चुके हैं। इसलिए गांव का विकास न केवल उनकी सोच थी, बल्कि वह भी गांव का विकास चाहते हैं। पूरे परिवार का समर्पण देख गांव वाले भी उनकी प्रशंसा कर रहे हैं।

मास्टर ट्रेनरों ने कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

मतगणना के लिए 2500 कर्मचारियों को लगायी गयी है ड्यूटी, कल सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतगणना

पंचायत चुनाव

संवाददाता, रुद्रपुर

कार्मिकों को प्रशिक्षण देते मास्टर ट्रेनर नरेश चंद्र दुर्गापाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से मतगणना संपन्न कराने मतगणना कार्मिकों को मास्टर ट्रेनरों ने तीन पालियों में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान नोडल प्रशिक्षण सुशील मोहन डोभाल ने कहा कि 31 जुलाई को सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। सभी मतगणना कार्मिक सुबह 6 बजे व द्वितीय पाली में प्रारंभ होने वाली मतगणना कार्मिक सायं 4 बजे अपने-अपने मतगणना स्थल पर पहुंचेंगे।

मंगलवार को गांधी हॉल पंतनगर में मास्टर ट्रेनर नरेश चंद्र दुर्गापाल ने बताया कि विकासखंड खटीमा की मतगणना मंडी स्थल खटीमा में होगी। इसी तरह विकास खंड सितारगंज की मतगणना नवीन मंडी सितारगंज में, विकास खंड रुद्रपुर की पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्य नाथ झा राइंका रुद्रपुर में, विकासखंड गदरपुर की मतगणना नवीन मंडी गदरपुर में, विकासखंड बाजपुर की मतगणना इंटरमीडिएट कॉलेज बाजपुर में, विकास खंड काशीपुर की मतगणना नवीन फल मंडी काशीपुर में व विकास खंड जसपुर की मतगणना बीएसबी इंटर कॉलेज जसपुर में की जाएगी।

उन्होंने सभी मतगणना सुपरवाइजरों व मतगणना सहायकों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना निर्वाचन का अतिमहत्वपूर्ण कार्य है। इसलिए सभी कार्मिक निष्पक्ष, धैर्यपूर्वक व सावधानी से मतगणना संपन्न कराएं।

उन्होंने बताया कि मतगणना कार्य के लिए 500 मतगणना सुपरवाईजर व 2000 मतगणना सहायक कुल 2500 कार्मिक लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विकास खंड खटीमा की मतगणना के लिए 30 टेबिल, सितारगंज की मतगणना के लिए 40 टेबल, रुद्रपुर की मतगणना के लिए 26 टेबल, गदरपुर की मतगणना के लिए 34 टेबल, बाजपुर की मतगणना के लिए 35 टेबल, काशीपुर की मतगणना के लिए 34 टेबल व विकास खंड की मतगणना के लिए 26 टेबिल लगाये गये हैं।

सील टैग प्रत्याशियों को दिखाने के बाद मतपत्रों को टेबल पर पलटें

रुद्रपुर : मास्टर ट्रेनर हरीश दनाई, संजीव बुधौरी व प्रभुदयाल ममगाई ने गहनता से मतगणना प्रशिक्षण देते हुए कहा कि सभी मतगणना सुपरवाइजर व मतगणना सहायक अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे । उन्होंने कहा कि मतगणना कार्मिक यह तय करें कि जो मतपेटी उनके टेबल पर आ रही है वह उसी टेबल के लिए आवंटित है । इसके बाद मतपेटी में पड़े मतपत्रों को अपने प्रपत्रों में अंकित करेंगे । इसके बाद मतपेटी की सील टैग प्रत्याशियों के मतगणना अभिकर्ताओं को अनिवार्य रूप से दिखाएंगे । उनके संतुष्ट होने के बाद मतपेटी की सील टैग काटेंगे व मतपेटी को खोलकर मतपत्रों को टेबिल पर उलट देंगे और मतपेटी को पूर्ण खाली करके अभिकर्ताओं को दिखाएंगे कि अब मतपेटी में कोई मतपत्र बचा नहीं है । इसके बाद मतपत्रों की सदस्य ग्राम पंचायत, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों की अलग-अलग 50-50 की गड्डियां बनाएंगे ।

ये अधिकारी रहे मौजूद

रिटर्निंग आफिसर जिला पंचायत एपी बाजपेयी सहित सभी विकास खंडों के रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर व नोडल कार्मिक केएस रावत, सहायक नोडल हरेंद्र मिश्रा, जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल आदि मौजूद थे।

फर्जी वोट डालते युवक पकड़ा, मुकदमा दर्ज

काशीपुर : पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में मतदान के दौरान एक युवक अपने वोट के अलावा दो और वोट डालता हुआ पकड़ा गया । पीठासीन अधिकारी की तहरीर पर आईटीआई थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है । राप्रावि . बांसखेड़ा खुर्द, कमरा नं . 1 में तैनात पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी ड्यूटी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में 117, रा .प्रा .वि . बांसखेड़ा खुर्द, कमरा नं . 1 में बतौर पीठासीन अधिकारी थी । सोमवार को दिन के करीब 3 बजे के आसपास पोलिंग बूथ में राजेन्द्र निवासी बांसखेड़ा खुर्द अपना मतदान करने आया । मतदान करने के बाद जब मतपत्र पेटी में डालने जा रहा था, उस समय अपने मत पत्र के साथ दो अन्य मतपत्र डालने का प्रयास कर रहा था, तो अंदर बैठे एजेंटों ने अवगत कराया कि यह व्यक्ति अपने मत पत्र के अतिरिक्त अन्य मतपत्र भी डाल रहा है । बूथ में बैठे एजेन्टों ने उसे पकड़ लिया और उन्होंने आरोपी युवक से मतपत्र अपने कब्जे में लेकर उससे इस बारे में पूछा तो बताया कि यह मत पत्र वह किसी अन्य व्यक्ति के नाम से लेकर आया था, जिनको फर्जी तरीके से डालना चाह रहा था । जिसके बाद उसे सुरक्षा कर्मियों की निगरानी में बैठाया गया । पीठासीन अधिकारी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने राजेन्द्र के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है ।

कड़ी सुरक्षा में मतपेटियां भारी सुरक्षा बल हुआ तैनात

गेटबंद मतगणना केंद्र के बाहर खड़ी फायर ब्रिगेड की गाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

- सीसीटीवी-ड्रोन से हो रही निगहबानी, बिना अनुमति पत्र के प्रवेश है वर्जित

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले व दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आखिरकार प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतपेटियों में कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रख दिया है। साथ ही इलाके को जीरो जोन में तब्दील करते हुए कड़ा सुरक्षा पहरा बैठा दिया है। सुरक्षा व्यवस्था की अपडेट खुद डीएम व एसएसपी ले रहे हैं।

बताते चलें कि जिले में पहले व दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया की समाप्ति होने के बाद मतपेटियों को खटीमा, गदरपुर व रुद्रपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रख दिया गया। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि मतगणना प्रारंभ होने तक 24 घंटे मतगणना केंद्रों पर कड़ा पहरा रहेगा। इसके लिए प्रत्येक स्ट्रांग रूम में सुरक्षा के लिए एक सेक्शन पीएसी, एक मुख्य आरक्षी-तीन आरक्षी की सशस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात रहेगा।

इसके अलावा सातों स्ट्रांग रूम में सात सेक्शन पीएसी, सात मुख्य आरक्षी, 21 सिपाहियों की तैनाती रहेगी। आंतरिक सुरक्षा के अलावा बाह्य सुरक्षा के लिए पूरे इलाके की निगरानी के लिए सीसीटीवी व ड्रोन कैमरे लगातार निगरानी करते हुए रिकॉर्डिंग डाटा एकत्रित करते रहेंगे। इसके अलावा स्ट्रांग केंद्र पर उसी व्यक्ति का प्रवेश होगा। जिसके पास अनुमति पत्र होगा।

बाजपुर में परिचय पत्र बनवाने के लिए ब्लॉक कार्यालय में जुटे प्रत्याशी एवं अभिकर्ता। ● अमृत विचार

अभिकर्ता परिचय पत्र बनवाने के लिए उमड़ी भीड़

बाजपुर : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की 31 जुलाई को इंटरमीडिएट कॉलेज में बने मतगणना स्थल पर होने वाली वोटों की गिनती के दौरान मतगणना टेबल के सामने तक पहुंचने हेतु अभिकर्ता परिचय पत्र बनवाने के लिए मंगलवार को ब्लाक कार्यालय परिसर में बड़ी संख्या में प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे वहां सायं तक गहमागहमी का माहौल बना रहा । भीषण गर्मी के बीच लोग अलग-अलग काउंटरों पर लाइन लगाकर परिचय पत्र बनवाते देखे गए । सहायक निर्वाचन अधिकारी कैलाश चंद्र शर्मा एवं एडीओ पंचायत सतीश सैनी ने बताया कि इस परिचय पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को मतगणना स्थल के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा । जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, बीडीसी व वार्ड सदस्य के अभिकर्ताओं को अलग-अलग काउंटरों के माध्यम से परिचयपत्र उपलब्ध करवाए गए हैं । जिस क्षेत्र के वोटों की गिनती होगी, उसी क्षेत्र के प्रत्याशी एवं अभिकर्ता ही मतगणना स्थल में प्रवेश कर सकेंगे ।

पंचायत चुनाव की रंजिश में हुई मारपीट, सात घायल

संवाददाता, बाजपुर

प्रभारी निरीक्षक केलाखेड़ा अशोक कुमार के साथ नोकझोंक करते ग्रामीण।

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अभी परिणाम आना बाकी है, लेकिन चुनावी रंजिश शुरू हो गई है। इसको लेकर ग्राम रामनगर में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में सात लोग घायल हो गए, जिन्हें सरकारी अस्पताल बाजपुर में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया है। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से दी गई तहरीर में नामजद आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोशित लोगों ने प्रकरण की जांच को गांव पहुंचे प्रभारी निरीक्षक केलाखेड़ा का घेराव कर दिया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोंकझोंक भी हुई।

ग्राम रामनगर निवासी प्रीतम सिंह ने पुलिस को बताया कि 28 जुलाई की देर रात करीब आठ बजे भाई लेखराज उर्फ गौरी रोज की भांति अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहा था। भाई के पास दुकान का कैश करीब 75 हजार रुपये था। आरोप है कि इसी बीच रियासुद्दीन के घर के पास पहले से ही घात लगाकर बैठे अमनदीप सिंह उर्फ मोनू, बलवीर सिंह, एजाज अहमद उर्फ सजना, सिराज व मेहराज, रियासुद्दीन, तकमील, फिरासत आदि ने चुनावी रंजिश के चलते भाई को घेर लिया और चुनाव में वोट नहीं देने की बात कहते हुए भाई लेखराज के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं पैसों का भरा थैला भी छीन लिया तथा गले से सोने की चेन झपट ली। विरोध करने पर तमंचे से फायर कर दिया, जोकि मिस हो गया। इसके बाद तमंचे की बट से लेखराज के सिर में पीछे से वार किया। शोर-शराबा सुनकर गांव के ही गांव के काफी लोग भाई को बचाने पहुंच गए। इस पर हमलावर रियासुद्दीन, फिरासत, तकमील, अफसर अली व सिराज भागकर रियासुद्दीन के घर से तलवार, पाठल, लोहे की राड, बड़ा हथौड़ा आदि ले आए और बीच-बचाव करने पहुंचे मलकीत सिंह, अंकित, आयान, फराज, संदीप आदि पर हमला कर दिया, जिसमें इन लोगों के भी चोटें आई हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी अमनदीप सिंह, बलवीर सिंह, एजाज, सिराज, मेहराज, रियासुद्दीन, तकमील, फिरासत आदि के विरुद्ध धारा 310(2), 351(2), 3 52 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस मामले की जांच के लिए मंगलवार को घटना स्थल पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक केलाखेड़ा अशोक कुमार का घेराव कर ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हो गई। जानकारी मिलने पर सीओ बाजपुर विभव सैनी भी मौके पर पहुंच गए और लोगों को नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर समझा-बुझाकर शांत किया। इधर पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए कुछ लोगों को थाने में बैठा लिया है।

सतर्कता

डीएम और एसएसपी ने किया सितारगंज मंडी स्थल का निरीक्षण

मतगणना स्थल पर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें

संवाददाता, सितारगंज

सितारगंज मंडी के मतगणना स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी व एसएसपी।

अमृत विचार: जनपद में पंचायत चुनाव की मतगणना को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु मंगलवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने सितारगंज के मतगणना स्थल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने नवीन मंडी सितारगंज के मतगणना स्थल पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारी, जोनल मजिस्ट्रेट एवं रिटर्निंग ऑफिसर को निर्देशित किया कि बुधवार शाम तक मतगणना से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतगणना स्थल पर चारों ओर बैरिकेडिंग, पर्याप्त टेबल-कुर्सियां, माइक व लाउडस्पीकर सहित समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा असुविधा की संभावना न रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्थानों पर पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेगा तथा किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, उपजिलाधिकारी रविंद्र जुवाठा, आर.ओ. संजय छिम्मवाल समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

डीएम ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

खटीमा : जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बृहस्पतिवार को होने वाली मतगणना को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शिता पूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर मतगणना स्थल का निरीक्षण किया । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने अधिकारियों के साथ कृषि उत्पादन मंडी स्थल पर बनाए जा रहे मतगणना स्थल का औचक निरीक्षण किया । उन्होंने उपजिलाधिकारी/मतगणना जोनल मजिस्ट्रेट तुषार सैनी सहित आरओ को निर्देशित किया कि बुधवार शाम तक मतगणना की समस्त व्यवस्थाएं दुरस्त कर ली जाएं । उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल के चारों ओर मुर्गीजाली लगाते हुए मतगणना हेतु पर्याप्त कुर्सी टेबल लगाए जाये ताकि किसी भी प्रकार कि असुविधा न हो । उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर माइक- लाउडस्पीकर आदि की व्यवस्थाएं करना सुनिश्चित करें ताकि सभी को मतगणना की जानकारियां सुचारु रूप से मिल सके । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतगणना स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखी गयीं है । उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि वे मतगणना स्थल पर सतर्कता से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे । इस दौरान सीडीओ दिवेश शाशनी, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, रविंद्र जुवाठा, आरओ आनंद सिंह नेगी, संजय छिम्मवाल आदि उपस्थित रहे ।

शिमला पिस्तौर में पुनर्मतदान आज

संवाददाता, रुद्रपुर

- सुबह 8 बजे से होगा मतदान डुगडुगी बजाकर किया सूचित

अमृत विचार: राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद जिला मजिस्ट्रेट व जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत विकास खंड रुद्रपुर के मतदान स्थल संख्या-48 राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिमला पिस्तौर कक्ष संख्या-01 के वार्ड संख्या-2 के सदस्य ग्राम पंचायत पद के लिए 30 जुलाई को सुबह 8 बजे से सायं 5 बजे तक पुनर्मतदान कराया जाएगा।

मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने आरओ विकास खंड रुद्रपुर व खंड विकास अधिकारी रुद्रपुर को निर्देश दिए हैं कि पुर्नमतदान की सूचना को विकास खंड रुद्रपुर के मतदान स्थल संख्या-48 राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिमला पिस्तौर कक्ष संख्या-01 के वार्ड संख्या-02 के सदस्य ग्राम पंचायत पद के लिए संबंधित प्रत्याशियों एवं मतदाताओं को डुगडुगी बजाकर सूचित करें। यहां बता दें कि विगत दिवस मतदान के दौरान मतदान स्थल संख्या-48 राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिमला पिस्तौर में फर्जी वोटिंग को लेकर हंगामा हुआ था। इस दौरान चुनाव अधिकारियों ने मामले की जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया था।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 30 जुलाई 2025

सिटी ब्रीफ

सिटी कॉन्वेंट की पूर्व छात्रा प्रज्ञा का भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में चयन

खटीमा : सिटी कॉन्वेंट स्कूल की पूर्व छात्रा प्रज्ञा कांडपाल (इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन) का भारत इलेक्ट्रॉनिक्स बंगलूरू के लिए चयन हो गया है। उन्हें 13 .5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज व अन्य सुविधाएं मिलेंगी। प्रज्ञा की सफलता पर प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना ने शुभकामनाएं दी हैं।

बच्चों को जागरूक करते पीएलवी।

विधिक शिविर में बच्चों को किया जागरूक

खटीमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव के आदेशानुसार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुटरी में प्रधानाचार्य निर्मल चंद की अध्यक्षता में विधिक शिविर आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों को सड़क सुरक्षा अभियान के बारे में बताया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को पैदल चलने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा के नियम बताए और दुपहिया वाहन चालक हेलमेट और कार में चलने वालों के लिए सीट बेल्ट लगाने के लिए कहा। इस अवसर पर आरबी सिंह राणा, पिंकी राणा, माया देवी सहित शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर दी जानकारी

काशीपुर : स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर बताते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई। पीएलवी ने स्कूली बच्चों से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन पर राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय चैती फार्म में विधिक जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्व हेपेटाइटिस दिवस, सड़क सुरक्षा, जेनेरिक दवाइयों के बारे में बताया गया। स्कूल में विद्यार्थियों को पीएलवी कुसुमलता और रणधीर सिंह ने मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा से संबंधित विषयों पर जानकारी दी।

भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना ही उद्देश्य

भाविप देवभूमि महिला शाखा ने किया निशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में कृत्रिम अंगों के साथ दिव्यांग व अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुरादाबाद रोड स्थित ग्रेस पैरामेडिकल कॉलेज में भारत विकास परिषद देवभूमि शाखा काशीपुर इकाई के तत्वावधान में आयोजित निशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर में 52 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग बांटे गए। मंगलवार को शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सहसंयोजक सेवा अनुराग दुबलिश, प्रांतीय सचिव सेवा हरीश शर्मा, देवभूमि शाखा अध्यक्षा डॉ. शिखा चौहान समेत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर अध्यक्षा डॉ. शिखा चौहान ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक रूप से सशक्त बनाने और राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ समाज में सेवा, संस्कार और समर्पण को बढ़ावा देना संस्था का मूल उद्देश्य है। उसी के तहत काशीपुर शाखा ने 52 दिव्यांग जनों को निशुल्क हाथ पैर के कैलीपर्स तथा कृत्रिम अंग प्रदान किए।

वहीं शाखा सचिव अनुजा अग्रवाल ने बताया कि शिविर में मुरादाबाद, रामपुर, ठाकुरद्वारा, जसपुर काशीपुर रामनगर समेत दूरदराज के दिव्यांग जनों ने कृत्रिम अंगों के लिए रजिस्ट्रेशन कराये थे, उनमें सभी को आवश्यकता अनुसार कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि दुबलिश ने शाखा के सफल संचालन के लिए पदाधिकारियों की प्रशंसा की।

साथ ही दिव्यांग जनों के सहायतार्थ के लिये उन्हें रोजगार से जोड़ने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई, कढ़ाई ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में सहयोग के लिए शाखा पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर ऊषा चौधरी, प्रांतीय संयोजक सेवा कमल किशोर सिंघल, नेत्रदान गतिविधि संयोजक संजय रातू, वरिष्ठ शिक्षाविद मुक्ता सिंह, डॉ. शुनेश चौहान, ज्ञानार्थी मीडिया एकेडमी डायरेक्टर डॉ. मनोज मिश्रा, उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज प्रवक्ता कोशलेश गुप्ता, डॉ. मनीष अग्रवाल, सेवा संयोजक दीपिका अग्रवाल, अर्चना सिंह, रुचि कांडपाल, डॉ. रीना सिंघल, दीप्ति गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नागपंचमी पर मंदिरों में चढ़ाया दूध

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में काल सर्प दोष से निवारण के लिए पूजा करवाते पं. शिवकुमार शास्त्री।

सुल्तानपुर पट्टी में नागपंचमी पर पूजा अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षेत्र में नागपंचमी का पर्व पूरी श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। लोगों ने पीपल के वृक्ष, मंदिरों व जंगलों में बनी मिट्टी की बमी आदि पर दूध चढ़ाया। इस दौरान सर्प दोष दूर भगाने के साथ ही घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना भी की गई।

नगरीय क्षेत्र में वार्ड नंबर-11 मोहल्ला पहाड़ी कॉलोनी में पीपल का दशकों पुराना काफी बड़ा पीपल का पेड़ है जिसके आसपास पिछले कुछ वर्षों पूर्व तक कई बमी हुआ करती थीं जिनमें लोग नाग पंचमी के दिन दूध इत्यादि चढ़ाने जाते थे और यह परंपरा आज भी कायम है। हालांकि बमी तो नहीं रहीं, परंतु उस जगह पर लोग कच्चा दूध चढ़ा पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि इस दिन पीपल के पेड़ व बमी के पास सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। मंगलवार को सुबह से ही वहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूजा-पाठ का यह सिलसिला दोपहर तक जारी रहा।

प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक पं.शिवकुमार शास्त्री ने पुराणों के हवाले से बताया कि नागपंचमी नागलोक के देवताओं का विशेष पर्व है, इस दिन जो भी मनुष्य सुबह के वक्त कच्चा दूध नाग देवताओं को अर्पित करता है उसके परिवार से काल सर्प दोष दूर हो जाते हैं।

सुल्तानपुर पट्टी में भी उमड़ी भीड़

सुल्तानपुर पट्टी : नागपंचमी पर्व मंगलवार को नगर में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण के बीच परंपरागत ढंग से मनाया गया। तड़के से ही शिवालयों और नाग देवता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने नाग देवता को दूध अर्पित कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-शांति की कामना की। नगर के मोहल्ला टांडा बंजारा स्थित पीपल वृक्ष के नीचे स्थापित नाग देवता मंदिर में गिहार समाज द्वारा विशेष पूजा, भंडारा और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

काशीपुर के हरियाली तीज महोत्सव में शालिनी और भावना रहीं विजयी

● लायंस क्लब डायमंड काशीपुर की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में तीज कार्यक्रम में प्रतियोगिता में भाग लेती महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : लायंस क्लब डायमंड काशीपुर द्वारा रामनगर रोड स्थित एक होटल में तीज महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। क्लब अध्यक्ष ला. सूरज अरोरा, क्लब उपाध्यक्ष राकेश कुमार (रॉकी), क्लब सचिव ला. संजीव कुमार कालरा, क्लब कोषाध्यक्ष ला. अनिल कुमार डाबर व अन्य सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

ध्वज वंदना ला. अंशिका बाटला व लायनिज्म के सिद्धान्त की प्रस्तुति ला. अविरल अरोरा द्वारा दी गयी। महिलाओं व बच्चों के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता व तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। महिलाओं के खेलों में ला. शालिनी अरोरा एवं भावना छाबड़ा विजयी रहे। कार्यक्रम का संचालन व प्रतियोगिताओं का आयोजन ला. बसंत बल्लभ भट्ट व ला. शालिनी अरोड़ा एवं ला. भावना छाबड़ा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर ला. शांति बाठला, ला. अरुणा शर्मा, ला. ममता भट्ट, ला. शालिनी शर्मा, ला. कविता डाबर, ला. मीनल नेगी, ला. निर्मला मनराल, ला. राधा अरोड़ा, ला. अनुप्रीत सेठी मौजूद रहे।

तियां तीज दियां बरे दिनानूं फेर...

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर के पंजाबी विरसा तीज महोत्सव में शिरकत करतीं समाज की महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पंजाबी विरसा तीज महोत्सव नैनीताल स्टेट हाईवे स्थित अमर मैरिज पैलेस में हर्षोल्लास से मनाया गया, जहां पंजाबी संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम भांगड़ा, गिद्दा, लोकगीत, सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित तीज के गीतों से जहां नई पीढ़ी जागरुक हुई, वहीं पुरातन संस्कृति की यह तीज अपने आप में अनोखी थी।

मंगलवार को महोत्सव का शुभारंभ धर्म संस्कृति से जुड़ी महिला सरदारनी मनमीत कौर, कुलवंत कौर व सुखविंदर कौर आदि ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि तीज त्योहार अपनी संस्कृति में मनाए जाएं तो वह सद्भावना का संदेश देते हैं, लेकिन वर्तमान में त्योहारों का स्वरूप बदल गया है। ऐसे में हमें अपने संस्कार नहीं भूलने चाहिए। पंजाबी विरासत को समर्पित लोकगीत प्रस्तुत करते हुए कृष्णा कौर ने तीज की बोली---तियांतीज दियां बरे दिनानूं फेर..., सोन बीर कढिया करो, भागो चंदरी बिछोड़े पावे..., ओ नी कुड़िए, ऐ नी कुड़िए मितरा दां तांगा चलिया... आदि पंजाबी लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान लोकगीतों पर महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से नृत्य भी किया। कार्यक्रम के दौरान बैलून, हरियाली पोस्टर, पंजाबी गानों का लेखन आदि पांच प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिसमें 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजक मंडल में शामिल ज्योति खन्ना, गुरप्रीत कौर, कृष्णा कौर, तरन कौर, हरप्रीत कौर आदि ने सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रेखा मैनी, रविंदर सहोता, परमजीत कौर, नमनम गिल, गुरप्रीत कौर, बेबी निशा, कर्मजीत कौर, मनमीत कौर, शरण, खुशी, नमनीत, प्रदीप कौर, सुखजीत कौर, जसलीन अरोड़ा, राजेंद्र कौर, शालिनी खन्ना, तानिया खन्ना, रीता भाटिया मौजूद रहे।

इंडिया ग्लाइकोल्स में मॉक ड्रिल किया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड (आईजीएल) के अग्नि एवं सुरक्षा कर्मियों द्वारा संयंत्र के अतिसंवेदनशील क्लोरीन स्टोरेज लाइसेंस क्षेत्र में आपातकालीन योजना के तहत मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया।

ड्रिल के दौरान आपातकालीन सायरन बजते ही फायर वाहनों और एम्बुलेंस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और दुर्घटना नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया। अभ्यास के दौरान अग्नि एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने विशेष प्रकार की क्लोरीन किट का प्रयोग कर गैस रिसाव की संभावित स्थिति से निपटने का अभ्यास किया और कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने का प्रशिक्षण प्रदान किया। ड्रिल का नेतृत्व वाइस प्रेसिडेंट (सस्टेनेबिलिटी) आरके शर्मा एवं फैक्ट्री मैनेजर श्री राजेश कुमार ने किया। फायर ऑफिसर चन्दन सिंह एवं अर्जुन सिंह अपनी चार सदस्यीय टीम के साथ बतौर बाहरी पर्यवेक्षक मौजूद रहे। उन्होंने अभ्यास का अवलोकन कर कंपनी द्वारा अपनाए गए सुरक्षा मानकों की सराहना की। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल्स समय-समय पर आयोजित की जाती हैं, जिससे कर्मचारियों की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ बनाया जा सके।

बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए जत्था रवाना

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा पर रवाना होते श्रद्धालुओं को सम्मानित करते कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए क्षेत्र से 50 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ। मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

इस मौके पर प्रांत यात्रा प्रमुख विहिप के गौ रक्षा विभाग के प्रांत मंत्री यशपाल राजहंस ने कहा कि पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बजरंग दल के तत्वावधान में देशभर से बाबा बूढ़ा अमरनाथ साहसिक यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा पांडव गुफा, सुंदर बनी, अखनूर, राजौरी, मंडी, शिवखोड़ी होते हुए वैष्णोदेवी दर्शन के उपरांत संपन्न होगी। इस यात्रा को 2005 में आतंकवादियों द्वारा बाधित करते हुए इसे समाप्त करने का कुत्सित प्रयास किया गया था। बजरंग दल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह यात्रा निरंतर चलती रहे एवं आने वाली पीढ़ी में इसके प्रति जागरूकता बनी रहे इस सोच के साथ यात्रा को सुचारु रखा है। विहिप के जिलाध्यक्ष तेजप्रकाश शर्मा ने बताया कि संगठनात्मक जिला काशीपुर के प्रखंड बाजपुर से 50 से अधिक श्रद्धालुओं के जत्थे ने प्रांत यात्रा प्रमुख यशपाल राजहंस की अगुवाई में सरस्वती शिशु मंदिर से प्रस्थान किया है। इस साहसिक यात्रा में पूरे उत्तराखंड प्रांत से लगभग 200 से अधिक श्रद्धालु प्रतिभाग बाबा बूढ़ा अमरनाथ के दर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि दुर्गा वाहिनी/मातृ शक्ति तथा उत्तराखंड महिला संघ की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह सीमा पर तैनात सैनिक भाइयों के लिए अपने हाथों से तैयार राखियां भी भेजी हैं। इस दौरान सामूहिक रूप से ध्वज दिखा कर श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर मातृशक्ति जिला संयोजिका लता गोयल, जिलामठ मंदिर प्रमुख राजेंद्र, प्रखंड मंत्री राम बहोरे पाठक, नगर संघ चालक रोहित बंसल, प्रांत सह धर्मपरावर्तन प्रमुख वरुण वशिष्ठ, सोनू प्रजापति, कुलदीप, विक्की राजहंस, मातृ शक्ति प्रमुख सुशीला आदि मौजूद रहे।

महापौर ने नई सब्जी मंडी में बदलवाया जर्जर पोल

संवाददाता, काशीपुर

● पोल के कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ था

अमृत विचार : महापौर ने नई सब्जी मंडी में पूरी तरह से गल चुके जर्जर विद्युत पोल को हटवाकर दूसरा पोल लगवा दिया। बीच बाजार में गल चुके विद्युत पोल के कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ था।

नई सब्जी मंडी में पानी की टंकी के पास एक विद्युत पोल जर्जर हालत में था, जो कभी भी गिर सकता था। चूंकि यह भीड़ भरा क्षेत्र है और सब्जी मंडी होने के कारण लगातार लोगों की आवाजाही बनी रहती है। वहीं आसपास के दुकानदार एवं यहां रह रहे लोग बहुत परेशान थे। उनका कहना है कि वह अनेक बार इस बारे में विद्युत विभाग एवं नेताओं से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब भाजपा नेता धीरज कुमार, मनोज पंडित, नीरज कुमार और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष पार्षद राशिद फारुकी आदि ने महापौर दीपक बाली से इस बारे में शिकायत की, तो उन्होंने तुरंत विद्युत विभाग अधिकारियों को इस जर्जर पोल के बारे में बताया और तत्काल इसे बदलवाने के लिए कहा। महापौर का फोन जाते ही विभाग द्वारा इस विद्युत पोल को बदल दिया गया है। महापौर ने भी समस्या का तत्काल समाधान करने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों का आभार जताया है।

तैयारी | अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग के 18-18 खिलाड़ी नोएडा में होने वाली प्रतियोगिता में करेंगे प्रतिभाग

राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए 54 स्वर्ण विजेता खिलाड़ी चुने

संवाददाता, जसपुर

जसपुर में राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित अंडर-19 स्वर्ण पदक प्राप्त खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सीबीएसई नॉर्थ जोन-प्रथम क्रिकेट ट्रायल्स (अभ्यास सत्र) का समापन किया गया। 54 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर सीबीएसई नॉर्थ जोन-प्रथम की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई है। अंडर-14, 17 और 19 आयु वर्ग से 18-18 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम के लिए चयन हुआ है।

ब्राइट स्टार्ट इंटरनेशनल एकेडमी की प्रधानाचार्या मधु शर्मा ने बताया कि 25 जुलाई को विद्यालय के खेल मैदान में क्रिकेट ट्रायल्स का शुभारंभ हुआ था। उत्तर भारत के लगभग 120 सीबीएसई विद्यालयों के 4000 खिलाड़ी छात्रों ने इसमें प्रतिभाग किया। सीबीएसई बोर्ड की ओर से प्रतिभागी छात्रों की आयु वर्ग अंडर-14, 17 व 19 निर्धारित की गई थी।

चार दिन तक चले अभ्यास सत्र में बैटिंग, बॉलिंग व विकेट कीपिंग के माध्यम से चयन समिति ने खिलाड़ियों की कसौटी को परखा। सोमवार को देर शाम परिणाम घोषित किए गए। प्रत्येक आयु वर्ग के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत श्रेष्ठता के आधार पर स्वर्ण, कांस्य एवं रजत पदक से सम्मानित किया। इनमें स्वर्ण पदक प्राप्त खिलाड़ियों के नामों की घोषणा नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए की गई। एकेडमी के छात्र यशवीर कंबोज, युवराज बाटला, कार्तिक रावत व आलोक ने अंडर-14 वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर जसपुर का नाम रोशन किया। जय हिंद ग्रुप के एमडी तेजू बघेल व एकेडमी के चेयरमैन ने पदक प्राप्त खिलाड़ियों, चयन समिति के सदस्यों, कोच एवं खेल प्रशिक्षकों को पदक, प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहां पर सुनील कंबोज, अमित कंबोज आदि थे।

इन्होंने परखी कसौटी

जसपुर : प्रधानाचार्या मधु शर्मा ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड की ओर से चयनकर्ताओं की टीम का चयन किया गया था। इनमें सुमित कुमार, अफजाल अहमद, राहुल शर्मा, नवीन चंद्र टम्टा, विवेक बिष्ट, अतुल बेदी, तरुण पोपली, अमित शर्मा और मोहम्मद कादिर शामिल रहे। सभी के सहयोग से निष्पक्ष और दूरदर्शी चयन कार्य की बदौलत खिलाड़ियों की कसौटी को परखा गया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए "हिफाजत" कार्यक्रम

खटीमा के सेंट जेवियर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : सेंट जेवियर स्कूल में आयोजित "हिफाज़त" कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और चिकित्सकीय गतिविधियों का मिश्रण पेश किया गया। जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देना था। छात्रों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि एफआर विश्वकर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और देखभाल के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सिस्टर सी सुकेशनी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

पत्रकार रमेश लोहनी को मातृ शोक

देवकी देवी लोहनी।

शांतिपुरी : शांतिपुरी निवासी वरिष्ठ पत्रकार रमेश लोहनी की मां 95 वर्षीय देवकी देवी लोहनी का बीते 28 जुलाई 2025 को प्रातः चार बजे शांतिपुरी निवास पर निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार सोमवार दोपहर 12 बजे स्थानीय गौला नदी के इमली घाट पर किया गया। उनके पुत्र वरिष्ठ पत्रकार रमेश लोहनी व रिटायर्ड आईटीबीपी आफिसर सतीश चंद्र लोहनी ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। उनके निधन पर विधायक तिलक राज बेहड़, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय, कांग्रेस प्रदेश सचिव विनोद कोरंगा, विजय जोशी, बीरेन्द्र कोरंगा, मयंक तिवारी, मोहन सिंह कोरंगा व सुरेन्द्र वर्मा ने शोक व्यक्त किया है।

ब्रीफ न्यूज

शिविर में दी जानकारी

टनकपुर : उप जिला चिकित्सालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उद्देश्य विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर नागरिकों को हेपेटाइटिस के संक्रमण, रोकथाम, उपचार व टीकाकरण के विषय में जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमएस डॉ. घनश्याम तिवारी ने, संचालन पीएलवी विजेंद्र अग्रवाल ने किया। डॉ. प्रभा जोशी और डॉ. ललित मोहन रखोलिया आदि मौजूद रहे।

ट्रांसपोर्टर आनंद बल्लभ का निधन

लालकुआं : वरिष्ठ समाज सेवी एवं प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर आनंद बल्लभ लोहनी का मंगलवार को निधन हो गया है। 86 वर्षीय स्वर्गीय आनंद बल्लभ लोहनी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। आनंद ने लालकुआं के सांस्कृतिक विकास में अपना अहम योगदान दिया है। चित्रशिला घाट रानीबाग में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पूर्व प्रदेश मंत्री किरन देवी ने भाजपा से तोड़ा नाता

टनकपुर : जिला पंचायत में पार्टी द्वारा अधिकृत नहीं किए जाने से नाराज भाजपा की पूर्व प्रदेश मंत्री व निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य किरन देवी ने पार्टी से नाता तोड़ लिया है। उन्होंने इस बाबत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को त्यागपत्र भेजा है।

122 टेबलों पर 785 कार्मिक करेंगे मतों की गिनती

अल्मोड़ा में मतगणना के लिए तृतीय रेंडमाइजेशन हुआ पूरा, 157 मतगणना पार्टियां बनाई, 35 रिजर्व टेबल भी रहेंगी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब मतगणना की तैयारी शुरू हो गई है। मंगलवार को मतगणना के लिए तीसरे चरण के रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि मतगणना के लिए 157 पार्टियां बनाई गई हैं। इनमें कुल 785 कार्मिक शामिल होंगे। जो 122 टेबलों पर मतगणना करेंगे। बताया कि मतगणना के लिए 35 टेबल रिजर्व रखी गई हैं। किसी प्रकार की दिक्कत होने पर इन टेबलों में मतगणना की जाएगी। बताया कि मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से रेंडमाइजेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से टेबल आवंटन किया गया है। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की निगरानी करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दूरदराज से ड्यूटी पर आ रहे सभी कार्मिकों के ठहरने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए।

मतगणना के लिए तृतीय चरण के रैंडमाइजेशन के दौरान मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

पिथौरागढ़ में मतगणना कार्मिकों के अंतिम रेंडमाइजेशन में मौजूद डीएम विनोद गोस्वामी। ● अमृत विचार

पिथौरागढ़ में स्ट्रॉन्ग रूप में सील लगाते निर्वाचन से जुड़े कार्मिक। ● अमृत विचार

हर विकासखंड में 14 मतगणना टेबल 5-5 कार्मिक नियुक्त

पिथौरागढ़, अमृत विचार: पंचायत सामान्य निर्वाचन को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में एनआईसी कक्ष में मतगणना कार्मिकों का अंतिम रेंडमाइजेशन संपन्न किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रेक्षक राजेन्द्र सिंह, प्रह्लाद बृजवाल, जीवन सिंह ह्यांकी तथा महेश खरे मौजूद रहे। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत विकासखंडवार मतगणना कार्मिकों को टेबल नंबर आवंटित किए गए। प्रत्येक विकासखंड में 14 मतगणना टेबल स्थापित किए गए हैं, जहां प्रत्येक टेबल पर 5 कार्मिक नियुक्त किए गए हैं, जिनमें 1 सुपरवाइज़र तथा 4 सहायक शामिल हैं। प्रत्येक विकासखंड के लिए 28 मतगणना पार्टियां गठित की गई हैं, जो दो पालियों में कार्य करेंगी। प्रत्येक पाली के लिए दो-दो रिजर्व पार्टियां भी तैयार रखी गई हैं। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/सीडीओ डॉ. दीपक सैनी, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी मौजूद रहे।

पोलिंग पार्टियां लौटीं, मतपेटियां सील

संवाददाता, पिथौरागढ़

- चार विकासखंडों की 418 पोलिंग पार्टियां गई थीं मतदान कराने 31 को होगी मतगणना

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद के विण, मुनाकोट, बेरीनाग एवं गंगोलीहाट विकासखंडों की 418 पोलिंग पार्टियां मतदान कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर अपने-अपने विकासखंड मुख्यालयों पर सकुशल पहुंच गई हैं।

सभी विकासखंडों में प्राप्त मतपेटियों को प्रेक्षक की उपस्थिति में पुलिस सुरक्षा के बीच स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रूप से रखा गया, जिसे नियमानुसार सील कर दिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी विनोद गोस्वामी ने बताया कि पंचायत सामान्य निर्वाचन की मतगणना 31 जुलाई को संपन्न होने के बाद समस्त पदों/स्थानों के मतपत्रों के सीलबंद बॉक्स व सीलबंद महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुरक्षा की दृष्टि से विकास भवन परिषर भूतल कक्ष संख्या-124 में सुरक्षित रखे जाएंगे। कक्ष की चाबियां पंचास्थानि चुनावालय पिथौरागढ़ में जमा की जाएंगी। खंड विकास अधिकारी/सहायक विकास अधिकारी (पंचायत)/निर्वाचन अधिकारी को विकास खंडों से संबंधित सील्ड बाक्सों/अभिलेखों को रखने-निकलवाने को अधिकृत किया है।

निष्पक्षता से कराएं मतगणना: डीएम

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मतगणना को लेकर संपन्न हुई बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 की मतगणना को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए डीएम मनीष कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतगणना स्थल की भौतिक व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, कार्मिकों की तैनाती, वाहनों की आवाजाही, मीडिया कवरेज, मतपेटियों की सुरक्षित हैंडलिंग तथा मतगणना प्रक्रिया के चरणबद्ध संचालन आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतगणना कार्य पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून व्यवस्था के अनुरूप किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक अपने उत्तरदायित्व को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निभाए, ताकि किसी भी स्तर पर कोई त्रुटि या असमंजस की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि मतगणना के दौरान गोपनीयता का पूर्ण पालन हो और मतगणना स्थल पर केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाए। सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने एवं संभावित भीड़ नियंत्रण के लिए अग्रिम तैयारी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीडीओ डॉ. जी एस खाती, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, सीओ वंदना वर्मा, समस्त रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, समस्त नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे।

चम्पावत में मतगणना दिवस को लेकर बैठक लेते डीएम मनीष कुमार।

डीडीए के खिलाफ सर्वदलीय संघर्ष समिति का प्रदर्शन

अल्मोड़ा : पहाड़ी क्षेत्रों में डीडीएम को समाप्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को संघर्ष समिति ने धरना दिया। डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी नहीं होने तक धरना प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी। मंगलवार को सदस्यों ने चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में प्रदर्शन कर कहा कि डीडीए के कारण लोगों को तमाम समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। पिछले आठ साल से भी अधिक समय से समिति डीडीए हटाने की मांग कर रही है, लेकिन मांग के बावजूद अब तक सरकार ने डीडीए हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश जोशी, हेम चंद्र तिवारी, ललित मोहन पंत, भारत रत्न पांडेय, रोबिन मनोज भंडारी, शहाबुद्दीन आदि रहे।

एबट माउंट बनेगा बेस्ट डेस्टिनेशन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चम्पावत जनपद में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए बहुआयामी विकास कार्य तीव्र गति से क्रियान्वित हो रहे हैं। लोहाघाट क्षेत्र से लगे एबट माउंट को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला पर्यटन गंतव्य बनाने की दिशा में जारी विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मंगलवार को क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत एबट माउंट को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के 99.30 लाख की लागत से मरोड़ाखान से एबट माउंट तक 2.5 किलोमीटर लंबे मोटर मार्ग का पुनर्निर्माण एवं सुधारीकरण कार्य तेजी से प्रगति पर है। यह कार्य निर्माण खंड, लोक निर्माण विभाग, लोहाघाट द्वारा किया जा रहा है। डीएम ने मोटर मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर रिटेनिंग वॉल, ब्रैस्ट वॉल, स्कपर (जल निकासी), इंटरलॉकिंग टाइल्स सहित निर्माण की गुणवत्ता व प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में संपन्न हों। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कुमाऊं मंडल विकास निगम लिमिटेड द्वारा 31.55 लाख की लागत से निर्माणाधीन सनराइज़ एवं सनसेट डैक का भी निरीक्षण किया।

यह डैक एबट माउंट की पहाड़ियों से हिमालय दर्शन एवं सूर्योदय–सूर्यास्त के अद्भुत दृश्यों का आनंद लेने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बनेगा। उन्होंने 58.46 लाख की लागत से लगाए जा रहे अग्निशमन यंत्रों की स्थापना कार्य की भी समीक्षा की और कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः अग्निशमन संबंधी सभी व्यवस्थाएं सतर्कता व तत्परता के साथ पूरी की जाए। डीएम ने 131.19 लाख की लागत से एबट माउंट में निर्मित हेलीपैड 1 का भी निरीक्षण किया। यह हेलीपैड आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ हवाई पर्यटन को भी सुगम बनाएगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग किया जाए और कार्य शीघ्रता से पूर्ण हों, ताकि पर्यटकों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस दौरान उप जिलाधिकारी लोहाघाट नितेश डांगर, तहसीलदार लोहाघाट जगदीश नेगी अन्य मौजूद रहे।

एबट माउंट क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

सीमा पर तैनात सैनिक भाइयों को भेजी राखी

- सिख रेजीमेंट में आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : राखी का त्योहार नजदीक आते ही बहनों की ओर से बहनों के लिए राखियां भेजना शुरू हो गया है। राखी को लेकर बहनों में खासा उत्साह बना हुआ है।

मंगलवार को महिला कल्याण संस्था की महिलाओं की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी देश की सीमाओं में तैनात सेना के जवानों को राखियां भेजी गई। बहनों ने देश के वीर जवानों के लिए राखियां सहित उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु का संदेश भी साथ भेजा। मंगलवार को यहां सिख रेजीमेंट में संस्था की अध्यक्ष रीता दुर्गापाल के नेतृत्व में पहुंची महिलाओं ने बटालियन के अधिकारी राहुल तिवारी को बॉर्डर में तैनात जवान भाइयों के लिए तीन हजार राखियां भेजी।

राखियां भेजने वालों में उपाध्यक्ष चन्द्रा अग्रवाल, सचिव पुष्पा सती, गीता शाह, सुनैना मेहरा, मीता उपाध्याय, शांति शाह, आशा कर्नाटक, ममता चौहान, दीपा सतीश जोशी, आशा पंत, मंजू जोशी, रमा जोशी, राधिका जोशी, रेखा चौहान, रीता जोशी, दीपा जोशी, अनीता रावत और आदिति आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

बैडमिंटन चैंपियनशिप में मानस पंत देवांश, रचित व शुभम ने दर्ज की जीत

- अल्मोड़ा में राज्य स्तरीय बैडमिंटन का हुआ आगाज
- राज्य भर से 250 से अधिक खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में 24 वें स्टेट जूनियर व सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज हो गया है। मंगलवार को उद्घाटन मुकाबले खेले गए। जिसमें विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों शानदार प्रदर्शन कर क्वालीफायर मैंचों में जीत दर्ज कर अगले चक्र में प्रवेश किया।

हेमवती नंदन बहुगुणा इंडोर स्टेडियम में आयोजित चैंपियनशिप का शुभारंभ उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के महासचिव बीएस मनकोटी और जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। क्वालीफायर मैंचों के पुरुष एकल में नैनीताल के मानस पंत, देहरादून के देवांश शर्मा, रचित और हरिद्वार के शुभम ने जीत दर्ज कर अगले चक्र में प्रवेश किया। अंडर-19 के क्वालीफायर मुकाबलों में हरिद्वार के शुभम ने देहरादून के यश को, टिहरी के शिवांश उनियाल ने देहरादून के निबिल पासवान को, यूएस नगर के गौरव रौतेला उधमसिंह नगर ने अल्मोड़ा के अभिनव टम्टा को हराया। उप क्रीड़ा अधिकारी अरुण बनग्याल, राम अवतार अग्रवाल, नंदन रावत, कोच डीके सेन, सुरेश आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में मंगलवार को बैडमिंटन चैंपियनशिप में मौजूद खिलाड़ी व अन्य।

बच्चों ने जाना पतंगों का पारिस्थितिक महत्व

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : वन प्रभाग पिथौरागढ़ और विंग्स फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से पिथौरागढ़ मॉथ काउंट 3 का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को पतंगों (मॉथ) की जैव विविधता, पर्यावरणीय भूमिका और संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना रहा।

विंग्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि जगदीश भट्ट ने बताया कि आज भी आम लोग पतंगों के महत्व और उनके जीवन चक्र से अनजान हैं, जबकि ये जैव विविधता का अहम हिस्सा हैं। कार्यक्रम में जिलेभर से 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान बताया गया कि, पतंगे लेपिडोप्टेरा गण के सदस्य होते हैं, और इनकी लगभग 1,60,000 प्रजातियां विश्वभर में ज्ञात हैं।

भारत में 12,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई पारिस्थितिक तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। परागणकर्ता के रूप में पतंगे कई पौधों की प्रजनन प्रक्रिया में सहायक होते हैं। वे पक्षियों, चमगादड़ों और अन्य जीवों के लिए भोजन का प्रमुख स्रोत हैं। कुछ प्रजातियां जैसे कि कपड़े के पतंगे आर्थिक रूप से नुकसानदायक भी हो सकती हैं।

हरियाली तीज पर्व हर्षोल्लास से मनाया

रानीखेत : स्थानीय गोविंद मैमोरियल स्प्रिंग फील्ड तथा साईं सावित्री पब्लिक स्कूल में प्रेम, सौभाग्य तथा सौन्दर्य का प्रतीक हरियाली तीज का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालयों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोक परंपरा और नारीशक्ति का सुंदर चित्रण किया। अध्यापिका रुपाली गोयल, दीपा पांडे एवं मिस राशी बिष्ट ने तीज के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर रमा माहरा ने कहा कि ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या रितिका कांडपाल, ममता नेगी, चीफ सेक्रेटरी कल्पना नेगी, कोऑर्डिनेटर वीना नेगी, रेखा जोशी, श्रीमती पुष्पा बिष्ट, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

मुसीबत मलबा और बोल्डर आने से चार ग्रामीण सड़कें बाधित, लगातार बारिश से लोगों को झेलनी पड़ रहीं दिक्कतें

अल्मोड़ा जिले में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले में अब मानसूनी बारिश आफत बनकर बरस रहीं है। इससे मलबा और बोल्डर आने से जिले की चार ग्रामीण सड़कों में मंगलवार को वाहनों की रफ्तार थमी रही। हालांकि प्रशासन की ओर से समय रहते मार्ग खोल यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया।

अल्मोड़ा जिला मुख्यालय समेत जिले भर में सोमवार रात से मंगलवार देर शाम तक भारी बारिश का दौर जारी रहा। बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अधिकांश समय लोगों घरों के अंदर ही दुबकने को मजबूर हुए। आपदा कंट्रोल से मिली जानकारी अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 24 घंटों के भीतर गुरुवार सुबह आठ बजे तक सबसे अधिक बारिश 29 मिमी बारिश अल्मोड़ा में दर्ज की गई है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी जमकर बारिश हुई।

बंद सड़कों को जेसीबी से खोला गया।

मार्ग में पेड़ गिरने से यातायात रहा बंद

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : अल्मोड़ा-बागेश्वर राजमार्ग के कसारदेवी के पास मंगलवार सुबह एक विशालकाय पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने से दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। लोग घंटों तक लोग जाम में फंसे रहे।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ को हटाकर यातायात सुचारू कराया। मिली जानकारी अनुसार मंगलवार सुबह कसारदेवी के पास एक विशालकाय पेड़ भरभराकर सड़क के बीचों बीच गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुई। वहीं, पेड़ गिरने से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। देखते ही देखते मार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने मशक्कत के बाद किसी तरह सड़क पर गिरे पेड़ को वूडन कटर से काट कर हटाया। फायरमैन ओम प्रकाश, चालक विपिन बडोला, लीला, चांदनी, मनीषा आदि शामिल रहे।

अल्मोड़ा के कसारेदीव के पास पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित रहा। ● अमृत विचार

राजकुमार बने लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष

रामनगर, अमृत विचार : लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब के संगठनात्मक चुनाव में राजकुमार पांडे अध्यक्ष व नवीन नैथानी सचिव चुने गए। चुनाव में देवेंद्र सिंह सेठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इंद्र सिंह मनराल कनिष्ठ उपाध्यक्ष, रमेश सिंह बिष्ट उपसचिव, चंद्रशेखर जोशी कोषाध्यक्ष, ऑडिटर नवीन चंद तिवारी, मीडिया प्रभारी हेमचंद पांडे चुने गए। इस दौरान चंद्रशेखर फुलारा, प्रभात ध्यानी, गजेंद्र रावत, गिरधर मनराल, नवीन टम्टा, ओम प्रकाश रौत, देवेंद्र भट्ट, जितेंद्र सिंह बिष्ट, बच्चे सिंह डंगवाल, निर्मल तिवारी, नवेंदु जोशी, गुलशन शर्मा, दिगंबर सिंह बंगारी व कमल जोशी मौजूद रहे।

मतदान के बाद गणित लगाने में जुटे प्रत्याशी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले के 11 ब्लॉकों में दो चरणों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। मतदान संपन्न होने के बाद अब भी प्रत्याशी हार-जीत का गणित लगाने में जुटे गए है।

पंचायत चुनाव में इस बार जिले के 11 ब्लॉकों में ग्राम प्रधान के 936 पदों के लिए 2432, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 362 पदों पर 1136, जिला पंचायत के 43 पदों के लिए 190 व ग्राम पंचायत के 39 पदों के लिए 29 प्रत्याशी अपना भाग्य अजमा रहे है। हर कई प्रत्याशी अपनी जीत का दावा करते नजर आए। वहीं, प्रत्याशी व समर्थक वोटों के गुणा-भाग के आधार पर हार-जीत पक्की करने में जुट गए हैं। प्रत्याशी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने अपने क्षेत्र के मतदाताओं का भी आभार जता रहे है। मतदाताओं की चुप्पी के चलते हार-जीत का अंतर पता नहीं चल पा रहा है। हर कोई अपने-अपने आंकड़े के मुताबिक जीत का अनुमान लगा रहा है। अल्मोड़ा में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को मतदान संपन होने के बाद चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की नजर अब 31 जुलाई को होने वाली मतगणना में टिक गई है। मतगणना के बाद साफ हो जाएगा की किस के सर पर ताज सजने वाला है। हालांकि अभी परिणाम आने में दो दिन शेष है।

अमृत विचार

बुधवार, 30 जुलाई 2025

सिंदूर पर राजनीति

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादियों को भेजने वालों को मार गिराया और ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछकर हमला करने वालों को ढेर कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में दूसरे दिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए देश को जब यह जानकारी दी तो निश्चित रूप से पहलगाम हमले में अपना सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं और पीड़ित परिजनों के कलेजे में जल रही प्रतिशोध की आग को ठंडक पहुंची होगी। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि हमारी सेना ने लश्कर ए तैयबा के कमांडर हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान को देश से भागने नहीं दिया। सेंसर के जरिए तीनों आतंकियों का पता लगाया गया। मुठभेड़ में मार गिराने के बाद बैसरन घाटी हमले में संलिप्तता की पुष्टि के लिए इनके हथियारों और कारतूसों का मिलान भी कराया जा चुका है। शाह के इस बयान के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में बोलते हुए एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है, तो इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। इसी के साथ रक्षा मंत्री ने यह कहकर विपक्ष के सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया कि 'भारत माता की मांग में शौर्य का सिंदूर है, उस पर राजनीति की धूल मत डालिए।' राजनाथ यहीं नहीं रुके पीओके लेने की मांग करने वाले विपक्षी नेताओं को उन्होंने यह कहकर एक तरह से निरुत्तर कर दिया कि 'विपक्ष में जो लोग आज बैठे हैं, जब इनकी सरकार थी, तो इन्होंने जो काम किया, वह आज की मांग के ठीक विपरीत है।' इसे लेकर उन्होंने पूर्वांचल की 'बाप मरा अंधियारे मा, बेटवा क नाम पावर हाउस' कहावत सुनाकर अपनी सरकार का मतन्वय भी साफ किया कि देश की जनता के आशीर्वाद और ईश्वर की इच्छा से वह दिन दूर नहीं, जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों की भी घर वापसी होगी।

अब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर राजनीतिक हित और दावे तथा दलीलें कुछ भी होती रहें, लेकिन आतंकी अड्डे ध्वस्त किए जाने, पहलगाम हमले के गुनहगार आतंकी मारे जाने, सरकार की पीओके लेने की नीति से पीछे नहीं हटने और अमेरिकी राष्ट्रपति के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीज फायर कराने के दावों की सच्चाई उजागर करके सरकार ने पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद देश में विपक्ष के भ्रम फैलाने के प्रयासों को निशाने पर लेते हुए जिस तरह तस्वीर साफ की है, उसके बाद इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उन्हें तबाह किया और पहलगाम के आतंकियों को मौत के घाट उतारा, वह सब अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय के रूप में जुड़ चुका है।

प्रसंगवश

बंद होते स्कूल और सिसकता भविष्य

शिक्षा मानव विकास की धूरी है, सभ्य समाज की रीढ़ है और नौनिहालों का भविष्य है। जहां इन बालकों के भविष्य को एक नई दिशा मिलती है। इसीलिए आजादी से आज तक हमारी सरकारों के द्वारा देश के हर कोने तक सरकारी विद्यालयों का जाल बिछाया गया और इसी के साथ साथ निजी विद्यालय भी स्थापित किए गए। सरकारों के तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वांछित गुणवत्ता प्राप्त नहीं की जा सकी, स्थिति यहां तक पहुंच गई कि अब गरीब से गरीब परिवार भी अपने बच्चों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाना पसंद नहीं करता। परिणाम स्वरूप इन विद्यालयों में छात्र संख्या कम होती चली गई। आज हालात यहां तक पहुंच गए कि प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या के चलते पांच हज़ार सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। अब कमी चाहें जहां पर भी हो, किसी की भी हो, किंतु जहां हम इन विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की बात करते थे, शिक्षा के विस्तार की बात करते थे। अब इसके विपरीत हमें अपने विद्यालय बंद करने पड़ रहें हैं। जब कोई सरकार सरकारी विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लेती है, तो इससे भविष्य की संभावनाओं पर विराम लग जाता है। और बच्चों के शैक्षिक रूप से आगे बढ़ने के अधिकांश रास्ते बंद हो जाते हैं।

डॉ मनोज कुमार मिश्रा

शाहजहांपुर

अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे।

आजादी के आठ दशक के करीब पहुंच कर भी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति, शिक्षा का गिरता स्तर व शिक्षकों की कमी और निजी स्कूलों की ओर समाज का झुकाव हमारी राजनीतिक व सामाजिक विफलता है। हम आज भी कहीं न कहीं लार्ड मैकाले की शिक्षा से प्रभावित हैं। जिन्होंने विद्यालयों में अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा पर जोर दिया था। आज का अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूल में अथवा निजी विद्यालयों मे पढ़ाने पर गर्व की अनुभूति महसूस करता है। हम अभिभावको की इस मानसिकता को समझ नहीं सके, और प्राथमिक शिक्षा को उसकी बराबरी तक नहीं ला सके। अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे। शिक्षा के संपूर्ण निजीकरण से शिक्षा केवल एक स्कूल रूपी दुकान पर बिकने बाला उत्पाद बनकर रह जाएगी, जिसे केवल अमीर ही खरीद पाएगा। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षा जैसे राष्ट्रीय मुद्दे पर धर्म जाति से ऊपर उठकर बात करें जो सचमुच हमारे जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता हैं। प्रश्न यह है कि सरकार को स्कूल क्यों बंद करने पड़ रह हैं? क्या इसका कोई दूसरा इलाज नहीं है? स्कूलों का बंद होना हमारी राजनीतिक और सामाजिक असफलता का प्रतीक है। विकास केवल सड़क, बिजली और शहरीकरण तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा के बिना विकास की बात करना बेमानी होगा। जब तक शिक्षा जन जन तक नहीं पहुंचेगी, तब तक कोई भी राष्ट्र उन्नत राष्ट्र नहीं बन सकता। आज तक शिक्षा को लेकर जितनी भी नीतियां बनी हैं वह हमारी सामूहिक उदासीनता के चलते सफल नहीं हो सकी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वर्तमान स्थिति के लिए हम सब सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, चाहें वो शैक्षिक नीतियां हों, सामाजिक उदासीनता हो, कार्यरत अध्यापक के उत्तरदायित्व में कमी हो,अभिभावकों की उदासीनता हो, संसाधनों का अभाव हो,या अन्य कोई कारण हो। हमें इन कारणों का समाधान खोजना होगा। अगर हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमे माफ नहीं करेंगी।

"अपने आप पर विश्वास रखें, महान विश्वास महान कार्यों की जननी हैं।"

सभी भाषाओं को पढ़कर आगे बढ़ेगा भारत

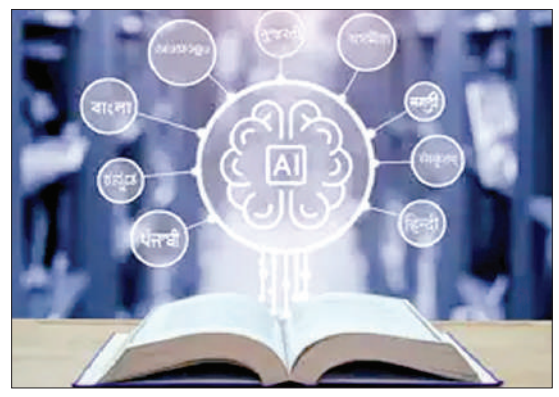

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद को लेकर हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछा तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई कह नहीं सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं, लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। सरदार बलवीर सिंह विवेक विहार कहते हैं कि आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्रीगुरुग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव जी का जन्म सन 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी भी करामाती होने का दावा नहीं किया।

> अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो।

प्रख्यात शिक्षा विद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम की चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है।

सरिता सक्सेना का कहना हैं कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास, और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

आमने

ऑपरेशन महादेव पर भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, "यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। हमारा ऑपरेशन सिंदूर जारी है। पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड मारा गया है। हम ऐसे आतंकियों को मारते रहेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जो भी कहा, वह बिल्कुल सही है।"

सामने

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "आज इस सदन में बैठे ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवच है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया। उस दिन बैसरन घाटी में जितने भी लोग मौजूद थे, उनके पास कोई सुरक्षा नहीं थी। आप चाहे कितने भी ऑपरेशन चला लें, सच्चाई के पीछे नहीं छिप सकते।"

बाघों के संरक्षण में विश्व को दिखाया रास्ता

डॉ .जितेंद्र शुक्ला

वन्य जीव विशेषज्ञ

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि प्रकृति की अद्भुत रचना और भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राचीन काल से ही इसे शक्ति, साहस और गरिमा का प्रतीक माना गया है। भारतीय संस्कृति में बाघ को 'वनराज' यानी जंगल का राजा कहा जाता है। इसका विशिष्ट स्वरूप और रहस्यमयी स्वभाव इसे धरती के सबसे आकर्षक और प्रभावशाली प्राणियों में शामिल करता है। बाघ की यात्रा उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता की। इसकी उत्पत्ति से लेकर वर्तमान तक का इतिहास केवल इस प्राणी की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति, मानव और वन्यजीवों के परस्पर संबंध की गाथा भी है। आज जब दुनिया भर में बाघों की संख्या में कमी आई है, भारत ने इस क्षेत्र में अपने प्रयासों से न केवल खुद को विश्व में अग्रणी बनाया है, बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाघों का जन्म लगभग 20 से 25 लाख वर्ष पूर्व एशिया में हुआ। यह वह समय था जब पृथ्वी पर जलवायु बेहद कठोर थी और बड़े-बड़े शाकाहारी जीव जैसे मैमथ और जंगली भैंसें प्रमुख रूप से मौजूद थे। बाघों ने अपने शरीर की संरचना, ताकत और शिकार कौशल को इस प्रकार विकसित किया कि वे इन विशाल जीवों का भी आसानी से शिकार कर सकते थे। बाघों का शरीर लचीला, मजबूत और तेज गति से दौड़ने के लिए उपयुक्त होता है। उनकी धारियां उन्हें जंगल की घनी झाड़ियों और छाया में छिपने में मदद करती हैं, जिससे वे शिकार पर आसानी से हमला कर पाते हैं।

पैंथेरा वंश के अन्य सदस्यों में शेर, जगुआर और तेंदुआ भी शामिल हैं, लेकिन बाघ इन सबमें सबसे अधिक शक्तिशाली और रहस्यमयी माने जाते हैं। चीन, साइबेरिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और भारत के कई हिस्सों में मिले बाघों के जीवाश्म यह बताते हैं कि यह प्राणी लाखों वर्षों से धरती पर मौजूद है।

भारतीय संस्कृति में बाघ को विशेष स्थान दिया गया है। मां दुर्गा का वाहन बाघ है, जो शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। प्राचीन भारतीय शिल्प, मंदिरों की नक्काशी और ग्रंथों में बाघ का वर्णन शक्ति के प्रतीक के रूप में किया गया है। मुगलों के समय में बाघों का शिकार राजाओं और अमीरों के लिए साहस और शान का प्रतीक था। अंग्रेजों के दौर में बाघों का शिकार बड़े पैमाने पर ट्रॉफी के रूप में किया गया। उस दौर में बाघों की संख्या तेजी से घटी।

19वीं और 20वीं सदी के बीच भारत में बाघों की संख्या लाखों से घटकर कुछ हजार तक रह गई। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत में लगभग 40,000 बाघ थे, लेकिन 1970 तक यह संख्या घटकर 1,800 रह गई। यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी। बाघों की घटती संख्या ने सरकार और पर्यावरणविदों को गहरी चिंता में डाल दिया।

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी। इस परियोजना का उद्देश्य बाघों के लिए सुरक्षित आवास तैयार करना, उनके प्राकृतिक निवास को पुनर्जीवित करना और अवैध शिकार पर सख्ती से रोक लगाना था। प्रोजेक्ट टाइगर के तहत प्रारंभ में 9 टाइगर रिजर्व बनाए गए, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, जिम कॉर्बेट, सुंदरबन और रणथंभौर प्रमुख थे। आज भारत में 53 टाइगर रिजर्व हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लाखों हेक्टेयर में फैला हुआ है।

भारत की सबसे बड़ी सफलता यह है कि 2025 तक बाघों की संख्या 3,000 से अधिक हो चुकी है। यह विश्व की कुल बाघ जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत है। इस सफलता का श्रेय न केवल सरकारी प्रयासों को जाता है, बल्कि उन स्थानीय समुदायों को भी जाता है जो बाघ संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भारत में बाघों की गिनती अब आधुनिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के जरिए की जाती है।

भारत का बाघ संरक्षण मॉडल अब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट में तय किया गया था कि 2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना किया जाएगा। भारत ने यह लक्ष्य समय से पहले हासिल कर लिया। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और रूस जैसे देशों ने भारत की नीतियों से सीख ली और अपने देश में बाघ संरक्षण अभियान तेज किया।

भारत के टाइगर रिजर्व आज ईको-टूरिज्म के बड़े केंद्र बन चुके हैं। रणथंभौर, बांधवगढ़, कान्हा, काजीरंगा और जिम कॉर्बेट जैसे रिजर्व हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह पर्यटन स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय का स्रोत है। होटल, गाइड सेवा, सफारी और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए हजारों परिवारों का जीवन-यापन होता है।

हालांकि बाघ संरक्षण की इस सफलता के बावजूद चुनौतियां अभी भी कायम हैं। वनों की कटाई, खनन, सड़क निर्माण और औद्योगिक परियोजनाएं बाघों के आवास को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। मानव-बाघ संघर्ष बढ़ रहा है क्योंकि बाघ अब अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर गांवों में प्रवेश करने लगे हैं। अवैध शिकार और तस्करी भी एक बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण सुंदरबन जैसे क्षेत्रों में बाघों का अस्तित्व खतरे में है।

भारत सरकार अब बाघों के लिए सुरक्षित 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाने पर काम कर रही है, जिससे बाघ एक रिजर्व से दूसरे रिजर्व तक सुरक्षित आवाजाही कर सकें। हाईवे पर वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग, बफर जोन और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों का निर्माण किया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि 2026 तक बाघों की संख्या 3,500 तक पहुंचाई जाए। बाघों का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी भी है।

> भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी।

सामयिकी

सशक्त समाज की नींव है नारी शक्ति

कहा जाता है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास होता है। प्राचीन भारत में भी स्त्रियों को सम्मान पूर्वक देखा जाता था उसे युग में माता सीता माता अनुसूया उर्मिला शकुंतला गार्गी जैसी स्त्रियों ने हमारे देश का सम्मान बढ़ाया था, महारानी कैकई तो राजा दशरथ के साथ युद्ध मैदान तक जाती थी उर्मिला के त्याग से कौन परिचित नहीं है, माता शबरी ने श्रीराम के इंतजार में पूरा जीवन व्यतीत किया था। इधर मध्यकाल आते-आते पुरुष प्रधान समाज हो गया और स्त्रियों की दुर्दशा होने लगी, सती प्रथा दहेज प्रथा पर्दा प्रथा बाल विवाह जैसी कुरीतियों समाज में फैलती चली गई, स्त्री को घर की चार दीवारी में रहने को मजबूर कर दिया। नारी की स्वतंत्रता को जैसे छीन लिया गया था। किंतु वर्तमान कल आते-आते राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का अंत कराया, महर्षि दयानंद ने पुरुषों की भांति महिलाओं को भी समान अधिकार दिलाए, दहेज प्रथा जैसी भयावह प्रथा हालांकि पूर्ण रूप से विलुप्त नहीं हुई, किंतु लोगों के जागरूक होने के कारण इसमें कमी अवश्य आई। भारतीय महिलाओं में, माता जीजाबाई ने शिवाजी जैसा महान देशभक्त भारत को दिया, रजिया सुल्तान और लक्ष्मीबारी बाई के शौर्य को कौन भूल सकता है।

विदिशा श्रीवास्तव

नोएडा

आज की स्त्रियों में मैरी कॉम, कल्पना चावला, किरण बेदी, पीटी उषा, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, विनेश फोगाट के प्रदर्शन को कौन भूल सकता है। आज की स्त्री पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही है, एक ओर जहां वह घर गृहस्ती संभालती है, तो दूसरी ओर वह अनेकों कार्य क्षेत्र में भी अपना दबदबा बनाए हुए हैं। आज की स्त्री चाहे वह शिक्षा विभाग हो, पुलिस विभाग हो, रक्षा विभाग हो, सभी महकमों में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहीं हैं। आज की महिला एक ओर डॉक्टर है, इंजीनियर है, शिक्षिका है, तो दूसरी ओर वह एक मां है, बहन है, पत्नी है, बेटी है और इन सभी रिश्तों को वह बखूबी संभाल लेती है। महिलाओं को लेकर सुभाष चंद्र ने एक बहुत अच्छी बात कही थी कि ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे हमारे देश की महिलाएं नहीं कर सके, ऐसा कोई त्याग और पीड़ा नहीं जिसे वह सहन नहीं कर सके।

यह बात बहुत सत्य है की महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सहनशक्ति अधिक होती है, एक महिला ही होती है जो दो परिवारों को एक साथ लेकर चलती है, कहते हैं कि अगर एक महिला पढ़ी लिखी है तो समझो उसे घर की एक पीढ़ी पढ़ी लिखी हो जाती है। आज की महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है और वर्तमान समाज भी जागरूक हो चला है। वह अच्छी तरह समझ चुका है की एक स्त्री को शिक्षित करना कितना जरूरी हो गया है। हमारे देश में प्रधानमंत्री से लेकर आज राष्ट्रपति तक का कार्यभार महिला संभाल चुकी है। महिलाओं की सुंदर इच्छा शक्ति की मिसाल इससे सुंदर और क्या हो सकती है। अब वह बातें पुरानी हो गई जब कहा जाता था, महिला जीवन है तुम्हारी यही कहानी/आंचल में है दूध और आंखों में पानी।

सोशल फोरम

आने वाले दस वर्षों में बदल जाएंगी दुनिया में नौकरियां

हाल ही में आई यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दस वर्षों में दुनिया की 40 प्रतिशत नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी, और जिन कौशलों की आज मांग है, वे कल अप्रासंगिक हो सकते हैं। फिर भी हमारी शिक्षा व्यवस्था आज भी उसी पुरानी लीक पर चल रही है। एक बार डिग्री ले लो, फिर ज़िंदगी भर वही ज्ञान घसीटते रहो। भारत में औसतन 85 प्रतिशत लोग कॉलेज जाने से वंचित रह जाते हैं, और जो जाते हैं, उनमें से आधे से ज्यादा कभी अपने सीखे हुए विषय में काम नहीं करते। फिर ये डिग्री का दंभ किस बात का?

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 25 से 45 साल की उम्र के बीच करीब 75 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो अपना पेशा बदलना चाहते हैं या नई चीज़ें सीखना चाहते हैं, पर उन्हें उम्र, फीस, या डिग्री की अड़चनों के कारण रोक दिया जाता है। क्या यह शिक्षा का लोकतंत्र है? अगर कोई मजदूर या किसान गणित पढ़ना चाहे, या कोई गृहिणी 50 की उम्र में दर्शनशास्त्र में रिसर्च करना चाहे, तो उन्हें रास्ता क्यों नहीं मिलता?

मनोज अभिज्ञान

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो।

शिक्षा को संस्थानों की जागीर नहीं, हर नागरिक का हक़ बनाना चाहिए। कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी जैसे देश लाइफ लॉन्ग लर्निंग को कानूनी अधिकार बना चुके हैं। नई शिक्षा नीति 2020 भले ही 'फ्लेक्सिबल लर्निंग' की बात करती हो, लेकिन ज़मीनी सच्चाई ये है कि भारत में अभी भी 90 प्रतिशत विश्वविद्यालय एज बैरियर और एंट्री क्वालिफिकेशन के आधार पर सीखने की इच्छा रखने वाले लाखों लोगों को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। क्या हम शिक्षा में यही व्यवस्था बने रहने देना चाहते हैं, जहां पढ़ने की ललक पर तमाम प्रतिबंध हैं?

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो। इंटरनेट के ज़माने में हर तीन साल में ज्ञान का अद्यतन होना आवश्यक हो गया है। हमारे समाज में आज भी यह मान्यता गहराई से बैठी है कि जिसके पास डिग्री है, वही जानता है। जबकि सच्चाई इसके ठीक उलट है। लाखों लोग ऐसे हैं जो डिग्री तो नहीं ले सके, लेकिन अपने क्षेत्र में वर्षों की साधना और अनुभव से गहरे जानकार बन चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, डिग्रीधारी लोग भी ऐसे मिलेंगे जिनकी शिक्षा कभी उपयोग में नहीं आई, न उनके लिए, न समाज के लिए। **-फेसबुक वॉल से**

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

गौरवशाली अतीत की झांकी है
बरेली का रंगमंच

रंगमंच केवल अभिनय भर नहीं, समाज की संवेदनाओं, विडंबनाओं और सांस्कृतिक चेतना को मंच पर जीवंत रूप देने का सशक्त माध्यम है। बरेली, जो उत्तर भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर खास पहचान रखता है, रंगमंच के क्षेत्र में भी गौरवशाली अतीत समेटे हुए है। यहां का रंगमंच तीन ऐतिहासिक दौरों से गुजरा है, पारसी थियेटर, समाजसेवी रंगयात्रा और आधुनिक युग। 19वीं सदी में जब पारसी थियेटर का प्रभाव पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ था, बरेली का रंगमंच भी उसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। इस दौर में पारसी थियेटर ने भी बरेली में अपनी जड़ें जमाईं। तत्कालीन स्थानीय थियेटर कंपनियों ने शेक्सपियर के साथ संस्कृत के नाटकों को हिंदी में मंचित कर लोगों को रंगमंच से जोड़ा। बरेली के मौलवी करीमुद्दीन ने पारसी मंचीय शैली को भारतीय रूप देकर स्थानीय दर्शकों में लोकप्रिय बनाया। रंगमंच का दूसरा दौर पं. राधेश्याम कथावाचक का माना जाता है। वह कथावाचक होने के साथ उत्कृष्ट नाटककार भी थे। उनके द्वारा वर्ष 1927 में लिखे गए उर्दू नाटक 'मशरिकी हूर' ने रंगमंच जगत में नई पहचान बनाई। उनके अन्य नाटक 'वीर अभिमन्यु', 'श्रवणकुमार', 'परमभक्त प्रहलाद', 'श्रीकृष्ण अवतार', 'रुक्मिणी मंगल' जैसे नाटकों ने पेशावर, लाहौर, अमृतसर, दिल्ली, ढाका तक विख्यात हुए। बरेली रंगमंच का तीसरा दौर वर्तमान है, जिसमें बरेली के कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को न सिर्फ संजोए हुए हैं, बल्कि नई पीढ़ी तक सक्रिय रूप से पहुंचा रहे हैं।

रंगमंच की यात्रा को आगे बढ़ा रहीं एक दर्जन संस्थाएं

- बरेली में ऑल इंडिया कल्चरल एसोसिएशन, रंग विनायक रंगमंडल, रंग प्रशिक्षु समेत एक दर्जन से अधिक संस्थाए रंगमंच के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वहीं, स्वर्गीय जेसी पालीवाल डॉ. ब्रजेश्वर सिंह, अंबुज कुकरेती, राकेश श्रीवास्तव, अमित रंगकर्मी, राजेंद्र सिंह, गरिमा सक्सेना, मोहनीश हिदायत, बृजेश तिवारी, लव तोमर, संजय मद, मीना सोंधी समेत 200 से अधिक रंगकर्मी हैं। बरेली में मानव कौल सरीखे कलाकार आकर रंगमंच पर अपनी अदाकारी दिखा चुके हैं। सुधीर पांडेय, रघुवीर यादव, कुलभूषण खरबंदा, कुमुद मिश्रा जैसे बॉलीवुड कलाकार भी बरेली में रंग जमा चुके हैं।

विंडरमेयर से निकले रंगकर्मी बॉलीवुड की दुनिया के सितारे

- रंगमंच को नई पहचान देने के लिए डॉ. बृजेश्वर सिंह ने विंडरमेयर थियेटर शुरू किया। डॉ. बृजेश्वर बताते हैं कि वर्ष 2009 में ललित कपूर के साथ मिलकर उन्होंने 200 से अधिक कलाकारों के ऑडिशन लिए। इनमें से 30 रंग कर्मियों का चयन किया गया। इनके साथ मिलकर रंग विनायक रंगमंडल बनाया गया, जो बीते 15 साल से थियेटर फेस्ट का आयोजन कर रहा है। विंडरमेयर के 'रंग अंभग', 'जब शहर हमारा सोता है', 'खामोश अदालत जारी है', 'मत्त विलास' जैसे नाटकों ने सामाजिक रूढ़िवादिता को रंगमंच के रूप में आमजन के सामने रखा। विंडरमेयर से निकले कई कलाकार आज बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। सृष्टि माहेश्वरी, नेहा चौहान और शिवा समेत कई रंगकर्मी बॉलीवुड में काम कर रहे हैं।

पं. राधेश्याम ने दिखाई नई राह तो मुंशी प्रेमचंद मिलने आए

- समय बदला तो बरेली के रंगमंच को पं. राधेश्याम कथावाचक ने नई दिशा दी। उनके नाटक पेशावर, रावलपिंडी, लाहौर, मद्रास, कलकत्ता तक खेले जाते थे। लेखन के साथ ही उन्होंने दृश्य संयोजन, रूप सज्जा, वेशभूषा, अभिनय, संवाद अदायगी, नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भी गजब का काम किया। पारसी थियेटर के मशहूर अभिनेता मास्टर फिदा हुसैन नरसी और सोहराब मोदी जैसे कलाकार पं. राधेश्याम कथावाचक को अपना गुरु मानते थे। 1930 के दशक में उनके लेखन से प्रभावित होकर नाटकों की भाषा-शैली पर विचार-विमर्श के लिए मुंशी प्रेमचंद तीन बार बरेली में पंडित राधेश्याम से मिलने आए।

... जब पृथ्वीराज कपूर के नाटक ने जमकर बटोरी थीं तालियां

- बरेली के रंगमंच की लगातार प्रगित करने की ख्याति धीरे-धीरे दूर-दूर तक फैली तो वर्ष 1955 में मुंबई से उस समय के दिग्गज अभिनेता पृथ्वीराज कपूर भी यहां नाटक खेलने के लिए आए। इस यात्रा में अभिनेता राज कपूर और शम्मी कपूर भी उनके साथ थे। हिंद टॉकीज में 'पठान' नाटक का जोरदार मंचन हुआ। दर्शक पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर बैठे रहे। इस नाटक में पृथ्वीराज कपूर की प्रस्तुति का बरेली वासियों ने ढेरों तालियों से खड़े होकर स्वागत किया। तीनों सुपरस्टारों ने बरेली की जनता का प्यार लुटाने के लिए कई बार सिर झुकाकर आभार जताया।

1895
में विक्टोरिया ड्रामा कंपनी के बाद जुबली थियेटर की धूम

बरेली में 130 साल पहले वर्ष 1895 में विक्टोरिया ड्रामैटिक थिएट्रीकल कंपनी के नाम से रंगमंच की पहली कंपनी शुरू हुई थी। जमींदार अमीनउद्दीन खां ने इसकी स्थापना की थी। इस कम्पनी के एमडी मिर्जा नजीर बेग थे। इसके प्रसिद्ध नाटकों में राम लीला उर्फ मार्का ए लंका, माहीगीर, इन्द्रसभा आदि थे। वर्ष 1900 के आसपास बरेली के रईस औलाद अली ने जुबली थियेटर कंपनी शुरू की। इस कंपनी का गुलरू जरीना नाटक खूब खेला गया। कहा जाता है कि तब इस नाटक के गानों को जनता की फरमाइश पर चार-चार बार सुना जाता था।

"तबला वादन और कथक नृत्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मधुर संगीत सुनाता है लखनऊ घराना...

'खुला बाज' की थाप पर नजाकत भरे हाव-भाव

इतिहास दिल्ली घराना से निकलने का, लेकिन मुगलों ने कथक नृत्य को मंदिरों से दरबारों और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ने का काम किया

तबला वादन और कथक नृत्य की प्रमुख शैली लखनऊ घराना जिसे 'पूरब घराना' भी कहा जाता है, अपनी तमाम विशिष्टताओं जैसे कि तबला वादन में 'खुला बाज' या 'हथेली का बाज' और कथक में 'नजाकत' तथा अदा की नफासत पर जोर देने के लिए जाना जाता है। यह घराना भारतीय शास्त्रीय कलाओं में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सैर भी कराता है। लखनऊ घराने के प्रमुख तबला कलाकारों में उस्ताद आफाक हुसैन खान, पंडित स्वपन चौधरी, उस्ताद जुल्फिकार हुसैन, खलीफा वाजिद हुसैन खान, खलीफा आबिद हुसैन खान, मुन्ने खान और बेगम अख्तर के नाम गिने जाते हैं, तो कथक के क्षेत्र में पंडित बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, शंभू महाराज, और लच्छू महाराज प्रमुख कलाकार हैं।

लखनऊ घराना का इतिहास दिल्ली घराने से निकलने का है, लेकिन कथक नृत्य का विकास लखनऊ के नवाबों के साथ हुआ। दरअसल, मुगलों ने कथक को मंदिरों से दरबारों में और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ दिया था। कथक की परंपराएं आमतौर पर एक से दूसरी पीढ़ी में पहुंचती रहीं। इसके चलते ही लखनऊ के अलावा कथक के दो और घराने जयपुर व बनारस विकसित हुए। लखनऊ घराने का कथक नर्तक अपनी कलाइयों और अंगुलियों को एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला के बीच अपने हाव-भाव से देखने वालों का दिल जीत लेता है।

लखनऊ घराना

कलाइयों व अंगुलियों की एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला ने दिल जीता

बिरजू महाराज ने कथक को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

- पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक थे। उनका पूरा नाम बृज मोहन नाथ मिश्र था। लखनवी कथक के पर्याय बिरजू महाराज लखनऊ घराने की प्रमुख शाखा कालका-बिंदादीन घराने से ताल्लुक रखते थे। है। उनके पिता अच्छन महाराज और चाचा शंभू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे।
- लखनऊ घराने का तबला वादन पूरी हथेली के इस्तेमाल, अंगुलियों के साथ हथेली का उपयोग और तेज, नाजुक भराव के लिए जाना जाता है। इस घराने की स्थापना उस्ताद बक्शू खान और मोदू खान ने की थी, जो दिल्ली के उस्ताद सिद्धार खान के भतीजे थे और लखनऊ के शासक नवाब आसफउद्दौला के बुलावे पर दिल्ली से लखनऊ आकर बस गए थे। उन दिनों लखनऊ संगीत और नृत्य के लिए प्रसिद्ध था। यह देखकर उन्होंने नृत्य करते समय नर्तकियों द्वारा पहने जाने वाले घुंघरू या घंटियों की ध्वनि से मेल खाने के लिए तबले और पखावज के मिश्रण का उपयोग शुरू कर दिया। इसी शैली में एक ऊंची ध्वनि जोड़ी को 'खुल्ला बाज' नाम से जाना जाने लगा। इस घराने को थपिया बाज (थपिया मतलब हथेली) भी कहा जाता है। इसमें अंगुलियों के साथ हथेली का भी उपयोग होता है।

रेम्ब्रांट और मुगल लघु चित्र
दो परंपराओं का अनूठा संवाद

डच स्वर्ण युग के महान चित्रकार रेम्ब्रांट वान रिजन ने सन 1650 की शुरुआत में मुगल लघु चित्रों पर आधारित चित्रों का एक ऐसा अनूठा सेट तैयार किया था, जिसमें शाहजहां, जहांगीर, दारा शिकोह समेत तमाम मुगल दरबारियों और सूफियों के चित्र शामिल थे। वर्तमान में इनमें से 23 चित्र ही बचे हैं, जो दुनिया भर के विभिन्न संग्रहालयों में संरक्षित हैं, इनमें ब्रिटिश संग्रहालय, क्लीवलैंड म्यूजियम ऑफ आर्ट, जे पॉल गेट्टी म्यूजियम और रिज्क्समयूजियम के साथ-साथ निजी संग्रह भी शामिल हैं। ये चित्र एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कला के क्षेत्र में नया संवाद स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही उस दौर में व्यापारिक जहाजों द्वारा स्थापित वैश्विक नेटवर्क को समझने की नई समझ प्रदान करते हैं।

डच चित्रकार रेम्ब्रांट।

रेम्ब्रांट का बनाया मुगल दरबार का चित्र।

- रेम्ब्रांट वान रिजन (1606–1669) यूरोप के डच स्वर्णयुग के एक महानतम चित्रकार माने जाते हैं। उनकी कला में प्रकाश-छाया का अद्वितीय संतुलन, मानवीय भावनाओं की गहराई और धार्मिक तथा ऐतिहासिक विषयों की गूढ़ प्रस्तुति दिखाई देती है। रेम्ब्रांट अपनी आत्मकथात्मक शैली, यथार्थवाद और संवेदनशील चित्रण के लिए विख्यात हैं। लेकिन एक रोचक और कम चर्चित पहलू यह भी है कि रेम्ब्रांट का एक विशेष काल में भारतीय मुगल लघुचित्रों से गहरा आकर्षण रहा। सन 1650 के दशक में, जब रेम्ब्रांट आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे थे, तब उन्होंने कुछ नए रूपों और शैलियों का अध्ययन करना आरंभ किया। इसी दौरान उनके संपर्क में भारतीय मुगल दरबार की लघुचित्र परंपरा आई, जो कि डच व्यापारियों के माध्यम से यूरोप में पहुंची थी। अविभाजित भारत के मुगल दरबारों में बनी रंगीन, बारीक और बेजोड़ कलाकृतियां रेम्ब्रांट को इतनी प्रेरक लगीं कि उन्होंने इन चित्रों की नकल नहीं की, बल्कि अपने रेखा चित्रण के जरिये उसकी पुनर्व्याख्या की।

लेखक- सुमन सिंह
चित्रकार के साथ कला संबंधी विषयों के जानकार। एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में कला संपादक पद से अवकाश प्राप्त।

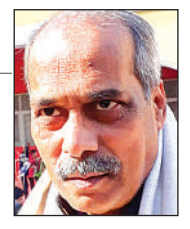

बैक स्टेज मेहनत से बाहर आता भीतर का कलाकार

युवा अगर अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो संयम रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने या एक्टर बनने का कोई शार्टकट नहीं है। इसके लिए बैक स्टेज काफी मेहनत करनी पड़ती है। यह कहना है, टीवी इंडस्ट्री में स्थान बनाने के बाद अपनी मेहनत से बड़े पर्दे पर मुकाम बनाने वाले शहर के अभिनेता विजयभान सिंह का। अमृत विचार के कानपुर कार्यालय पहुंचे विजयभान ने कहा कि युवा एक्टिंग सीखने और अभिनय को पेशा बनाने की दौड़ में शिक्षा के महत्व को न नकारें। पढ़ाई को भी पूरा समय दें, क्योंकि जब विषम परिस्थिति आती है तो शिक्षा ही साथ देती है और हमारा तथा परिवार का पेट भरती है।

बड़े पर्दे पर जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'श्रगाल' में बतौर पुलिस अधिकारी का रोल निभाने वाले विजय भान ने बताया कि उनकी यह फिल्म शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर आधारित है। भ्रष्टाचार के चलते बच्चे कैसे बिगड़ते हैं, इस विषय का समाज को झकझोरने वाले अंदाज में फिल्मांकन किया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब रिलीज की तैयारी चल रही है। फिल्म की शूटिंग कानपुर और मुंबई समेत देशके कई शहरों में हुई है। कानपुर के पीएसआईटी कॉलेज में भी फिल्म का काफी हिस्सा फिल्माया गया है। विजयभान की बालीवुड की नई वेब सीरीज 'कबूल है' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

- रंगमंच व टीवी के बाद बड़े पर्दे पर भी कानपुर के विजयभान सिंह ने बनाई पहचान

रंगमंच से शुरू की अभिनय यात्रा पर पढ़ाई नहीं छोड़ी

- विजयभान ने कानपुर के क्राइस्टचर्च इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किया था। इसके बाद अभिनय यात्रा की शुरुआत रंगमंच से की। लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी। यूपीएसआईडीसी में कनिष्ठ सहायक की नौकरी मिली तो ज्वाइन कर ली। अपने चार दशक के अभिनय के सफर में विजयभान ने 100 से ज्यादा स्टेज शो किए हैं। उन्हें ख्याति टीवी धारावाहिक सावधान इंडिया तथा मौका-ए-वारदात से मिली।
- विजयभान ने सावधान इंडिया धारावाहिक में पुलिस अधिकारी, अपराधी या किडनैपर जैसे कई लीड रोल किए हैं। एंड टीवी पर के धारावाहिक मौका ए वारदात में उनके 'गायब दूल्हा' एपिसोड को खूब सराहना मिली थी। उनके द्वारा अभिनीत अनेक शॉर्ट फिल्में भी काफी पसंद की गई हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,337.95	24,821.10
बढ़त	446.93	140.20
प्रतिशत में	0.55	0.57

सोना : 97,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,13,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 30 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

सिंधिया ने संचार साथी हितधारकों संग की बैठक

नई दिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी' पहल के तहत हितधारकों के साथ बैठक की। इस पहल का मकसद दूरसंचार संबंधी साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपायों को मजबूत करना है। नागरिक केंद्रित डिजिटल सुरक्षा पहल संचार साथी में चोरी या खोए हुए फोन को ब्लॉक करने के लिए सीईआईआर, (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर), डीआईपी (डिजिटल इंटेलिजेंस मंच), एएसटीआर (नकली दस्तावेजों पर लिए गए कनेक्शन का पता लगाना) जैसी एआई आधारित प्रणालियां शामिल हैं। इसके अलावा संचार साथी में संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एफआरआई (वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक) जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

ग्राहक टीवी का पीसी की तरह कर सकेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपये शुल्क है।

एल्गो ट्रेडिंग: ढांचे को लागू करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को 'एल्गोरिथम ट्रेडिंग' में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सुगम बनाने के ढांचे को लागू करने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर एक अक्टूबर कर दी है। एल्गोरिथम ट्रेडिंग के तहत तेजी से ऑर्डर दिए जा सकते हैं और बेहतर नकदी लाभ मिलते हैं। इस समय केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गोरिथम (एल्गो) ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति है। सेबी ने फरवरी में एल्गोरिथम ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की सुरक्षित भागीदारी पर एक परिपत्र जारी किया था। परिपत्र के प्रावधान एक अगस्त, 2025 से प्रभावी होने थे। शेयर ब्रोकर और आईएसएफ प्रतिभागियों ने सेबी से परिपत्र के प्रावधानों को लागू करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था।

शेयर ट्रेडिंग में युवाओं की बढ़ी भागीदारी, मोबाइल एप बने पहली पसंद

यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजारों की पहुंच और भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उसमें सबसे बड़ा योगदान मोबाइल एप आधारित ट्रेडिंग का है। खासतौर पर डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों के 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप पर सक्रिय हैं। शेयर विशेषज्ञों की माने तो फिलहाल सिर्फ 20 फीसदी ट्रेडर्स ही डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं।

शेयर बाजार में आए नए रुझान पर आर्थिक सलाहकार राजीव सिंह ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग के लिए मोबाइल एप युवाओं की खास पसंद बना हुआ है। इसकी कई वजह भी हैं। इनमें यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा, कम ब्रोकरेज व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा सहित ट्रेडिंग व निवेश दोनों का विकल्प होना शामिल हैं। मोबाइल एप से ट्रेडिंग को बढ़ावा देने में डिस्काउंटेड ब्रोकर्स की बड़ी भूमिका मानी जा रही है।

युवाओं की बढ़ी सक्रियता और टेक्नोलॉजी के मिश्रण ने इसको और रफ्तार दी है। डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों से जुड़े करीब 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप से ट्रेडिंग करना पसंद करते हैं। 20 प्रतिशत डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में रजिस्टर्ड

निवेशकों की संख्या करीब 2.54 करोड़ तो कानपुर में 11 लाख से ज्यादा का अनुमान है। ब्रोकर्स के ऑफिस में फोन करके खरीद-बेच करने वाले ट्रेडर्स की संख्या अब बहुत कम हो चुकी है। जब मोबाइल एप का प्रचलन नहीं था तब ब्रोकर्स के ऑफिस में आकर या फोन करके ट्रेड करते थे। जब ट्रेडर्स ऑनलाइन ट्रेडिंग करते हैं तो ब्रोकिंग कंपनियों के सामने कम्प्लाइंस के अनुपालन की समस्या कम रहती है। इसलिए कंपनियां भी इसे बढ़ावा दे रही हैं।

ऑप्शन ट्रेडिंग की ओर युवाओं का रुझान

- ऑप्शन खरीद कर ट्रेडिंग करने में सीमित नुकसान जबकि असीमित मुनाफे का मौका रहता है, साथ ही इसमें बहुत ही तेज मूवमेंट होता है जिससे ट्रेडर्स खासकर युवाओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय है। एल्गो ट्रेडिंग और मोबाइल एप का चलन बढ़ने से ऑप्शन ट्रैडिंग में सक्रियता तेजी से बढ़ी है। यह तकनीक बाजार के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण बहुत तेजी से करता है और उस आधार पर निवेश के फैसले लेता है। एल्गो ट्रेडिंग के इस्तेमाल से खरीदने और बेचने की रफ्तार काफी तेज हो जाती है। ऐसा नहीं है कि एल्गो ट्रेडिंग में केवल मुनाफा ही होता है, यहां नुकसान होने की भी उनती ही संभावनाएं हैं।

छोटे वीडियो, संक्षिप्त जानकारी

- सोशल मीडिया पर देखे गए छोटे वीडियो निवेश की दुनिया के बारे में एक सीमित और संक्षिप्त जानकारी देते हैं। ये रील्स अक्सर एकतरफा होती हैं, जहां लाभ के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, मगर संभावित जोखिमों का उल्लेख नहीं होता। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की भरमार है। बिना पूरी जानकारी के निवेश करना उतना ही खतरनाक है जितना बिना तैयारी के तूफान में नाव चलाना।

बाजार का आकलन जरूरी

- निवेश करने से पहले यह समझना जरूरी है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने से पहले उसकी वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, बाजार में स्थिति और विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करना आवश्यक है। इसी तरह म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय यह देखना चाहिए कि उस फंड का पिछला प्रदर्शन कैसा रहा है और उसका पोर्टफोलियो किन कंपनियों में निवेशित है।

निवेशक गहन रिसर्च करें

- शेयर ट्रेडिंग में मोबाइल एप तेजी से बढ़ रहा है। बावजूद इसके यह जरूरी है कि निवेशक गहन रिसर्च और पुख्ता तौर पर बाजार के हाल पर नजर बनाकर ट्रेड करें। इसके अलावा तमाम तरह की रील देखकर शेयर में निवेश करना भी जोखिम भरा हो सकता है।

– राजीव सिंह, आर्थिक सलाहकार

अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक

आरबीआई के डीजी ने दी चेतावनी, कहा- बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा

मुंबई, एजेंसी

तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। उन्होंने पिछले शुक्रवार को तमिलनाडु के करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि साध्य साधन को सही ठहराता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रथाओं से बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा है। डिप्टी गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा, तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और

अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है। केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है। वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने स्वामीनाथन ने कहा, बोर्डरूम से लेकर शाखा तक, नैतिक प्रथाओं से जुड़ी और उनमें निहित प्रणालियों, लोगों और प्रक्रियाओं के साथ वृद्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बैंक बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे उत्तरदायी सेवा, विश्वसनीय प्रणालियों और जिम्मेदार नेतृत्व के जरिये कड़ी मेहनत से हासिल भरोसे को और मजबूत करें।

आरबीआई ने एआईएफ योजना में बैंक के निवेश की सीमा 10 प्रतिशत तय की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की। भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। आरबीआई ने दिसंबर, 2023 और बाद में मार्च, 2024 में एआईएफ में रिजर्व बैंक की विनियमित इकाइयों द्वारा निवेश के संबंध में नियामक दिशानिर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि दिशानिर्देशों की समीक्षा उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के साथ ही सेबी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के उक्त नियम निवेशकों और एआईएफ के निवेश की विशिष्ट जांच से संबंधित हैं। परिपत्र में कहा गया, कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी।

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को आएगा भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आएगा। एक अधिकारी कहा कि एक अगस्त की समयसीमा नजदीक आने के साथ ही दोनों पक्ष एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए शुल्क की निलंबन अवधि एक अगस्त को समाप्त हो रही है। अमेरिकी दल छठे दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहा है। भारत और अमेरिकी दलों ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच इसमें शामिल हुए।

ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने इस साल दो अप्रैल को उच्च जवाबी शुल्क की घोषणा की थी।

आईएमएफ ने 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का जताया अनुमान

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का असर अनुमान से कम रहने के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने साल 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो 2024 के 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से कम होने के बावजूद इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक है।

वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 और उसके अगले साल 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इस तरह भारत एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवर गोरिन्शास ने कहा,

- इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक

व्यापार से जुड़े तनाव में मामूली कमी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अब तक संभाल रखा है। हालांकि, यह स्थायित्व स्थिर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को अधिकांश देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक के शुल्क लगाए थे। हालांकि, कुछ बड़े शुल्कों को बाद में स्थगित कर दिया गया, जिससे वैश्विक व्यापार पर उनका प्रभाव सीमित रहा। इसके बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का करीब तीन प्रतिशत रहने का अनुमान कोविड-पूर्व के औसत से कम है।

राष्ट्रीय

निर्दोषों की हत्या करने वाले आतंकी किए गए ढेर : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में दी जानकारी

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी।

शाह ने कहा, मैं सदन के माध्यम से, कल हुए ऑपेरशन महादेव की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। कल ऑपेरशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी...सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना के पैरा 4, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। गृह मंत्री के अनुसार, बीते 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था और वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे तथा 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं। उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, आज मैं सदन को यह बताते हुए बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। इस दौरान सपा के नेता अखिलेश यादव कुछ सवाल उठाते देखे गए। शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुशी की लहर दौड़ जाएगी, लेकिन इनके चेहरे तो फीके पड़ गए। यह किस तरह की राजनीति है? उन्होंने सपा अध्यक्ष का नाम लेते हुए कहा, आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए।

राज्यसभा में नड्डा ने खरगे से माफी मांगी

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। बाद में नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो अनुकूल नहीं है।

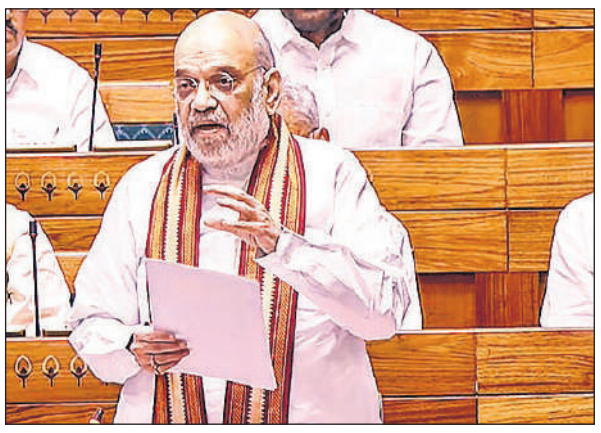

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला: राहुल

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

शाह को पहलगाम में सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

बाघा दिवस पर मंचन

कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम बाघों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था।

अब्दुल्ला आजम से जुड़े मामलों की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें रामपुर की सांसद-विधायक अदालत को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े दो मामलों में सुनवाई आगे बढ़ाने को कहा गया था।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अब्दुल्ला द्वारा दायर एक अपील पर उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने 23 जुलाई को अब्दुल्ला आजम की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई को चुनौती दी थी। पहला मामला अब्दुल्ला के कथित फर्जी पासपोर्ट और दूसरा मामला उनके दो पैन कार्ड प्राप्त करने से संबंधित है। उच्च न्यायालय ने कहा, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, मेरे विचार से यह आवेदन निराधार है और खारिज किए जाने योग्य है।

अब्दुल्ला ने दोनों मामलों को लेकर उच्च न्यायालय में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं और रामपुर की सांसद/विधायक अदालत में चल रहे मुकदमों की पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को रामपुर में अब्दुल्ला के खिलाफ के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया था।

बस-ट्रक के बीच टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

रांची/देवघर, एजेंसी

झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, झारखंड के देवघर में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं।

ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति दे। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए।

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

- बुधवार शाम 5:40 बजे उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजा जाएगा

नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसरो का जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा।

इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया।

यह मिशन सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में जाने वाला जीएसएलवी रॉकेट का पहला मिशन है। यह श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा। सोशल मीडिया पर अद्यतन जानकारी में इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16/निसार के प्रक्षेपण होने में एक दिन बाकी है। जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। अंतिम तैयारियां चल रही हैं। प्रक्षेपण की उलटी गिनती आज अपराह्न 2.10 बजे शुरू हो गई है। इसरो यहां से जीएसएलवी-एमके2 रॉकेट के जरिए निसार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमरनाथ यात्रा पर 27वां जत्था रवाना हुआ

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन करने के लिए 1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 1,262 पुरुषों, 186 महिलाओं और 42 साधुओं एवं साध्वियों समेत तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था कड़ी सुरक्षा में तड़के तीन बजकर 25 मिनट से तीन बजकर 57 मिनट के बीच 61 वाहनों में सवार होकर भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर स्थित दो आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ।

चीन में भारी बारिश से 34 लोगों की मौत

ताइशितुन। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 30 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं।

इमरान की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने नौ मई 2023 की हिंसा के मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत अपीलों की सुनवाई मंगलवार को 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। खान पिछले महीने लाहौर उच्च न्यायालय से उनकी जमानत अर्जी खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान पर नौ मई, 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं। जिनमें उनपर कथित तौर पर समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल है।

दिल्ली: हीलियम गैस सूंघकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बंगाली मार्केट इलाके में स्थित एक होटल में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, धीरज कंसल (25) द्वारा छोड़े गए एक नोट के अनुसार, वह 2003 में अपने पिता की मृत्यु के बाद से अकेले थे। उनके पिता की मृत्यु के बाद, उनकी मां ने किसी और से शादी कर ली और उनके कोई भाई-बहन नहीं थे। महरौली के एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रहने वाले कंसल ने सोशल मीडिया पर भी अपनी आत्महत्या के बारे में भी लिखा।

उत्तर कोरिया को परमाणु देश स्वीकार करे अमेरिका

सियोल, एजेंसी

● किम जोंग उन की बहन ने खारिज किया परमाणु निरस्त्रीकरण पर अमेरिका से वार्ता का प्रस्ताव

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज कर कहा है कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे।

किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कूटनीतिक उपलब्धि हासिल करने के लिए उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं। ट्रंप ने हाल ही में किम जोंग उन के साथ निजी संबंधों का बखान कर परमाणु कूटनीति को फिर शुरू करने की उम्मीद जताई थी। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018-19 में अमेरीका की कूटनीति तब विफल हो गई थी, जब उन्होंने किम का आह्वान ठुकरा दिया था। किम ने अपने मुख्य परमाणु परिसर को नष्ट करने के बदले में प्रतिबंधों में व्यापक राहत देने की मांग की थी।

एआई का प्रकोप

टेक कंपनियों में छंटनी

टेक कंपनी टीसीएस ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, ऐसी ही खबरें अब दूसरी टेक कंपनियों से भी आनी शुरू हो गई हैं। सिर्फ भारत नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर टेक इंडस्ट्री में छंटनी की तैयारी चल रही है। आशंका है कि कुछ समय बाद ही कंपनियों में काम कर रहे लोग बड़ी संख्या में लोगों को नौकरियां गंवाकर फिर बेरोजगार की श्रेणी में आ खड़े हो सकते हैं। कंपनियों की ओर से इस छंटनी को परफॉर्मेंस रिस्ट्रक्चरिंग या इंटरनल रिएलाइनमेंट नाम दिया जा रहा है, लेकिन दरअसल इसके पीछे वैश्विक मंदी की आहट और एआई (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस) के बढ़ते दायरे को प्रमुख कारण माना जा रहा है। संभावना जताई गई है कि इस साल 80,000 कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है। सरकार की ओर से फिलहाल इन कंपनियों पर सिर्फ निगरानी रखने की बात कही गई है।

कंपनियां और कितनी छंटनी

- टीसीएस ने परफॉर्मेंस आधारित छंटनी की बात कही है। इसकी वजह धीमी मांग और कुशलता की कमी को बताया है।
- इन्फोसिस की ओर से यूरोपीय क्लाइंट्स में कमी आने की बात कहते हुए लागत में कटौती के लिए छंटनी की बात कही गई है।
- विप्रो में स्किल मिसमैच और ऑटोमेशन के लिए छंटनी की सूचना है। एचसीएल अमेरिकी बाजार की सुस्ती को कारण बता रही है।
- टेक महिंद्रा और एलटीआई माइंडट्री में भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं। कई और कंपनियां भी छंटनी की तैयारी कर रही हैं।

मुख्य कारण

- एआई और ऑटोमेशन प्रमुख कारण हैं, इससे कम कर्मचारियों में पर्याप्त काम संभव है।
- महंगाई और मंदी की आशंका से ज्यादातर कंपनियां खर्च घटाने की कोशिश कर रही हैं।
- कोविड महामारी के बाद डिजिटल प्रोजेक्ट्स में कटौती, अमेरिका-यूरोप में बजट कटौती।

● एआई के आने से पहले ही 2023 में दुनिया की 417 टेक कंपनियों ने की थीं 1.19 लाख कर्मचारियों की छंटनी

वैश्विक स्तर पर स्थिति

- गूगल एल्फाबेट ने नॉन कोर प्रोजेक्ट बंद होने के बाद 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है। यह क्रम अभी जारी है।
- अमेजन ने दो साल में 27 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, इसका कारण मंदी और ऑटोमेशन बताए हैं।
- मेटा (फेसबुक) ने भी कंपनी में 21 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है और इसका कारण मंदी और लागत में कटौती को बताया।
- दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 10 हजार और सेल्सफोर्स ने कुछ समय में लगभग आठ हजार कर्मचारियों की छंटनी की है।
- इसी तरह आईबीएम, एसएपी और सिस्को समेत कई और टेक कंपनियों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई हैं।

कंपनियों के मानदंड

- लगातार खराब प्रदर्शन या पुराने और अप्रासंगिक हो चुके तकनीकी कौशल।
- कर्मचारियों की वर्क फ्रॉम होम पर निर्भरता या एक ही काम के लिए ज्यादा कर्मचारी।
- सीनियर कर्मचारियों की ऊंचा वेतन, साथ ही पर्याप्त कार्य कुशलता न होना।

संभावित नतीजे

बेंगलुरु में इन्फोसिस, विप्रो और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों ने एआई निर्भरता बढ़ाकर नौकरियों में भारी कटौती की है। हैदराबाद, पुणे और मुंबई, गुरुग्राम-नोएडा में भी टेक कंपनियों ने जॉब देने से हाथ खींचा है। कहा जा रहा है कि इसके नतीजे कमजोर कॉलेज प्लेसमेंट के तौर पर सामने आ सकते हैं। भारतीय प्रतिभा का विदेश पलायन हो सकता है।

चीन के दबाव में अमेरिका ने ताइवान के राष्ट्रपति का न्यूयॉर्क प्रवास रोका

ट्रंप प्रशासन को था चीन के साथ व्यापार वार्ता के जोखिम में पड़ने का अंदेशा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने चीन की आपत्तियों के चलते ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अगस्त में पराग्वे, ग्वाटेमाला और बेलीज़ की प्रस्तावित यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में उन्हें रुकने की अनुमति नहीं दी है। दावा किया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को जोखिम में डालने से बचना चाहता था।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने तीन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सोमवार को सार्वजनिक की। कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को बिना किसी विवाद के पूरा करना चाहता है। हालांकि, न्यूज नेशंस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि कुछ भी रद्द नहीं किया गया है। अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्ष स्थिति को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाई डलास में रुकने वाले थे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ने केवल न्यूयॉर्क यात्रा पर रोक लगाई है या देश से होकर उनके आवागमन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया, जबकि वाशिंगटन स्थित ताइवान के वास्तविक दूतावास ने लाई के इस बयान का हवाला दिया कि उनकी विदेश यात्रा की तत्काल कोई योजना नहीं है। चीन और उसके द्वीपीय प्रांत ताईवान के बीच आधिकारिक संबंध 1949 में टूट गए थे जब च्यांग काई-शेक के नेतृत्व वाली पराजित कुओमिन्तांग सेनाएँ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से गृहयुद्ध हारने के बाद ताइवान भाग गईं। 1980 के दशक के अंत में उन्होंने व्यावसायिक और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किए। 1990 के दशक की शुरुआत से, दोनों ने गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से संपर्क बनाए रखा है।

यूक्रेन की जेल पर हवाई हमले, 17 कैदियों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी जापोरिजिया क्षेत्र में एक जेल को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जिसमें कम से कम 17 कैदियों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन की स्टेट क्रिमिनल एग्जीक्यूटिव सर्विस के अनुसार यह हमला सोमवार देर रात किया गया जिसमें चार बम गिराकर बिलेनकिवस्का करेक्शनल कॉलोनी को निशाना बनाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि 42 कैदियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 40 अन्य को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हमले में जेल का भोजन कक्ष तबाह हो गया, प्रशासनिक भवन को नुकसान हुआ है, लेकिन जेल की बाड़ सुरक्षित है और किसी कैदी के भागने की सूचना नहीं है। यूक्रेन ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कारागारों जैसे असैन्य ढांचों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत युद्ध अपराध है।

दस दिन में युद्ध रोकें पुतिन वर्ना लगाएंगे कड़े प्रतिबंध : ट्रंप

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को 10 या 12 दिन की एक नई और छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस अवधि को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतजार करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। दो सप्ताह पहले ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा। कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। सोमवार के ताजा घटनाक्रम पर रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रंप के अल्टीमेटम अब काम नहीं कर रहे,न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में और रूस के पास हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति की ताकत है।

रक्षाबंधन की तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर लोगों के दिलोदिमाग पर छाया हुआ है। जम्मू में रक्षाबंधन पर उड़ाने के लिए भारी संख्या में ऐसी पतंगें तैयार की जा रही हैं जिन पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा हुआ है। मंगलवार को पतंगें प्रदर्शित करते हुए दुकानदार। एजेंसी

कोलंबिया: कोर्ट में दोषी ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को एक मामले में गवाहों को प्रभावित करने का दोषी पाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार वह दक्षिण अमेरिकी देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है। उरीबे 2002 से 2010 तक राष्ट्रपति रहे थे। शहर के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया द्वारा कल जारी किए गए फैसले में कहा गया है कि विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको पार्टी के सदस्य, पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने 2018 में उनके खिलाफ जांच शुरू होने के बाद से सभी आरोपों से खुद को निर्दोष बताया है।

विधेयकों पर समयसीमा को लेकर राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई का समय तय

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुप्रीम कोर्ट में 19 अगस्त से पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ पर सुनवाई के लिए मंगलवार को समय तय किया, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। न्यायालय ने इस पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने केंद्र और राज्यों को 12 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह सबसे पहले 19 अगस्त को एक घंटे के लिए केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों द्वारा राष्ट्रपति संदर्भ की स्वीकार्यता पर सवाल उठाने वाली प्रारंभिक आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ का समर्थन करने वाले केंद्र और राज्यों की दलीलें 19, 20, 21 और 26 अगस्त को सुनी जाएंगी, जबकि इसका विरोध करने वालों की दलीलें 28 अगस्त और दो, तीन और नौ सितंबर को सुनी जाएंगी। उसने कहा कि यदि कोई प्रत्युत्तर होगा तो उस पर 10 सितंबर को सुनवाई की जाएगी।

यह था मामला

मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत शीर्ष कोर्ट से जानना चाहा था कि क्या राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए।

एक बार की विजेता किरण देसाई फिर बुकर पुरस्कार की दौड़ में

लंदन, एजेंसी

● नए उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिए दावा

बुकर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय लेखिका अपने बहुप्रतीक्षित उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिये मंगलवार को एक बार फिर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की दौड़ में शामिल हो गईं।

साल 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली देसाई ने लगभग दो दशक के अंतराल के बाद कोई उपन्यास लिखा है। 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' अमेरिका में कदम रखने वाले दो युवा भारतीयों की कहानी बयां करने वाला 677 पन्नों का उपन्यास है। इसका प्रकाशन हैमिश हेमिल्टन ने किया है। यह उन 13 रचनाओं में से एक है, जिनके नाम की घोषणा 50,000 ब्रिटिश पाउंड की पुरस्कार राशि वाले प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासों के रूप में की गई।

गाजा : भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका

तेल अवीव, एजेंसी

● ट्रंप ने गाजा में जल्द ही अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने का किया एलान

खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी की सबसे खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है और यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा में अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने की बात कही है।

गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आने के बीच 'इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन' (आईपीसी) ने मंगलवार को यह बयान दिया। आईपीसी ने कहा कि यह चेतावनी एक खतरे की घंटी है.. लेकिन यह अकाल की औपचारिक घोषणा नहीं है। हालांकि इजराइल की सख्त नाकेबंदी के कारण स्थिति बेहद खराब हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका फिलिस्तीनियों की मदद के लिए वहां खाद्य केंद्र खोलेगा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान कहा कि गाजा में जारी मानवीय संकट इस बैठक का एक मुख्य कारण है।

इजराइल के हमलों में 78 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों या गोलीबारी में कम से कम 78 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गर्भवती महिला की मौत होने के बाद एक जटिल सर्जरी कर उसका प्रसव कराया गया लेकिन नवजात शिशु की भी मौत हो गई। मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस हमले से पहले ही इजराइल ने गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट पर बढ़ते दबाव के बीच इजराइल ने कहा था कि वह गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे के लिए सैन्य कार्रवाई रोकेगा और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 31 जुलाई 02.41 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

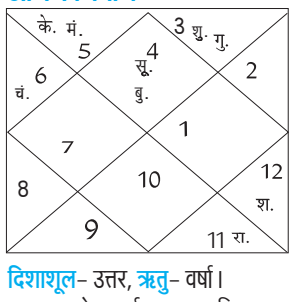

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 09.53 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं। विद्यार्थियों को जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में उन्नति के लिये प्रयास करेंगे। लोन को लेकर अवरोध दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में बड़ा लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके द्वारा कही गई बातें सत्य सिद्ध होंगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहेगी। नए विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं।

मिथुन — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निर्भीकता से सभी कार्य पूरे कर लेंगे।

कर्क — आपका आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मधुर होंगे। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेन्स को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

तुला — आज अपने अधिकारियों की अवमानना न करें। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। रुचिपूर्ण कार्यों के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लम्बित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आप अपना पूरा फोकस घर-परिवार पर कर सकते हैं।

धनु — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता हो सकती है।

मकर — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

कुंभ — आज बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें।

मीन — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

सुडोकू-54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसे में कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए, क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत होगी जो 20 विकेट ले सके।
–संजय मांजरेकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 30 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लेडेकी फिर बनीं फ्रीस्टाइल की महारानी

सिंगापुर। केटी लेडेकी ने महिलाओं की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को विश्व तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। लेडेकी ने 15 मिनट 26.44 सेकें में फिर से साबित कर दिया कि महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में उनका कोई सानी नहीं है। इटली की सिमोना क्वाडरेला ने 15:31.79 मिनट के यूरोपीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जबकि ऑस्ट्रेलिया की लानी पैलिस्टर ने 15:41.18 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 1,500 मीटर के इतिहास में 26 सर्वश्रेष्ठ समय में से 25 लेडेकी के नाम पर दर्ज हैं।

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक

सिंगापुर। भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक आगे नहीं बढ़ पाया। साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही प्रकाश का अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर थे। पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के साथ 23वें स्थान पर रहे।

कारेनो बस्टा ने जीत के साथ किया आगाज

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैंपियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को हराकर जीत के साथ आगाज किया। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को हराया। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को मात दी।

एशेज से पहले प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा इंग्लैंड

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार (29 जुलाई) को पुष्टि की कि इंग्लैंड, दिन-रात्रि एशेज टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा। यह पहली बार होगा जब इंग्लैंड प्रधानमंत्री एकादश के साथ कई दिनों का मैच खेलेगा, क्योंकि 2022-23 सीजन तक यह हमेशा एक दिवसीय मैच होता था। यह गुलाबी गेंद का मैच 29 -30 नवंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच खेला जाएगा। इसके तीन दिन बाद, इंग्लैंड 4 दिसंबर से गाबा में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगा।

साबले की हुई सर्जरी चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले की एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) सर्जरी हुई है। उन्हें यह चोट इस महीने की शुरुआत में मोनाको डायमंड लीग के दौरान लगी थी। यह भारतीय खिलाड़ी अब सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर हो गया है। मौजूदा एशियाई चैंपियन और 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 30 वर्षीय साबले का मुंबई के एक अस्पताल में ऑपरेशन हुआ। एसीएल सर्जरी को ठीक होने में आमतौर पर छह महीने लगते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां और आखिरी टी-20 मैच तीन विकेट से जीतकर वेस्टइंडीज दौरे का अंत 8-0 से जीत के साथ किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट शृंखला 3-0 से जीती और फिर पहले 4 टी-20 मैच भी अपने नाम किए। आठवीं बार टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए भेजा और दो गेंद बाकी रहते 170 रन पर आउट किया।

ओसाका को कोच टॉमस संग वापसी की उम्मीद

टोक्यो। कोच टॉमस विक्टोरोव्स्की, जिन्होंने इगा स्वियाटेक को टेनिस के शिखर तक पहुंचाने में भूमिका निभाई थी, जापान की नाओमी ओसाका के साथ काम करने को तैयार हैं, क्योंकि चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन लंबे ब्रेक के बाद फिर से लौटने की कोशिश कर रही हैं। विक्टोरोव्स्की ने स्वियाटेक को उनके छह ग्रैंड स्लैम खिताबों में से चार जिताए है।

इंग्लैंड का दौरा हमेशा से कठिन रहा है : गंभीर

भारतीय कोच बोले- इंग्लैंड में जिस तरह का क्रिकेट खेला वह गर्व की बात

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा से ही कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस शृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।

गंभीर शृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिये सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते ।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिये काफी रोमांचक रहे हैं। शृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग की ओर से भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर गुरुवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा कि दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें। इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने शृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। यह शानदार शृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है। कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों से बातचीत सत्र का संचालन किया। शृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा कि शृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।

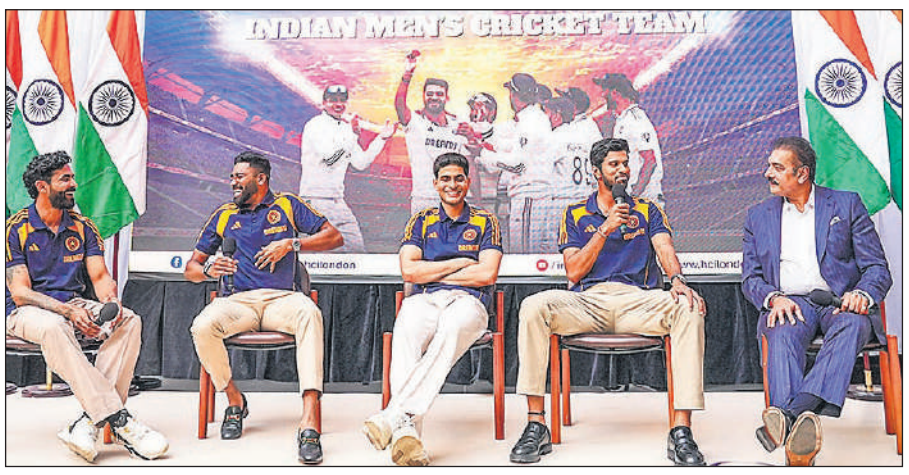

लंदन में उच्चायोग के कार्यक्रम में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल व अन्य क्रिकेटरों के साथ रवि शास्त्री। एजेंसी

बुमराह नहीं खेलते हैं तो कुलदीप को देना चाहिए मौका

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 31 जुलाई से शुरू होने वाला सीरीज का अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसी स्थिति में बुमराह की जगह कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत होगी जो 20 विकेट ले सके। मांजरेकर ने कहा,भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके। अगर बुमराह नहीं खेलते हैं तो ऐसी स्थिति में कुलदीप यादव को नहीं खेलाना मेरे विचार में ज्यादती होगी। जहां तक बल्लेबाजी की बात है तो इस पहलू पर भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि (रवींद्र) जडेजा भी इस समय लय में हैं। मांजरेकर ने कहा कि इस सीरीज में रणनीति अब तक भारत के काम नहीं आई है और यह जरूरी है कि टीम के सीनियर खिलाड़ी मिलकर भारतीय टीम की रणनीति पर नए सिरे से विचार करें। मुझे एक ही डर लग रहा है चूंकि भारत भले मैनचेस्टर में जीता नहीं, लेकिन परिणाम ड्रा के रूप में भारत के पक्ष में आया इसलिए यह लगेगा कि भारत जीता नहीं लेकिन उनकी रणनीति इतनी भी बुरी नहीं थी क्योंकि यह मैच हम नहीं हारे। लेकिन मैं समझता हूं भारत जिस तरह से इंग्लैंड के खिलाफ खेल रहा है और इस स्तर तक पहुंचा है वो तब है जब रणनीति भारत के काम नहीं आई है। रणनीति ने भारत के लिए काम और मुश्किल किया है। मैं उम्मीद करता हूं कि गिल को रणनीति तैयार करनी चाहिए क्योंकि भारत को एक ऐसे गेंदबाजी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके।

गौतम गंभीर और ओवल के क्यूरेटर में तीखी बहस

तुम नहीं बताओगे, हमें क्या करना है...

लंदन,एजेंसी

भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से दो दिन पहले भारत के अभ्यास सत्र में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली जब मुख्य कोच गौतम गंभीर और 'द ओवल' के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। यह बहस तब हुई जब फोर्टिस ने मेहमान टीम के सहयोगी स्टाफ को पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। गंभीर को मैदानकर्मियों की ओर ऊंगली उठाकर यह कहते सुना गया कि तुम नहीं बताओगे कि हमें क्या करना है, तुम सिर्फ एक मैदानकर्मी हो और उससे ज्यादा कुछ नहीं।

इस पर फोर्टिस ने कहा, मुझे इसकी शिकायत करनी होगी। भारत के 10 खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं थे। गंभीर के द्वारा फोर्टिस पर भड़ास निकालने से पहले मैदान पर टीम का अभ्यास सत्र सामान्य रूप से चल रहा था। फोर्टिस तीन साल से इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सर्वश्रेष्ठ 'मल्टी-डे' पिचों का पुरस्कार जीतते रहे है। इसके बावजूद समझा जाता है कि तुनक मिजाजी से उनके साथ काम करना आसान नहीं है। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य क्यूरेटर को गंभीर से दूर ले जाकर इस बहस को शांत करने की कोशिश की।

कोटक ने कहा, जब हम पिच को परख रहे थे तभी मैदान के एक कर्मचारी ने आकर कहा कि (हमें) विकेट से 2.5 मीटर दूर खड़ा होना है और रस्सी के बाहर से विकेट को देखना है। भारतीय टीम के सदस्यों ने स्पाइक्स (खिलाड़ियों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कील वाले जूते) नहीं पहने थे, ऐसे में पिच को कोई खतरा नहीं था। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे एक भारतीय खिलाड़ी ने कहा था कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना आसान नहीं है। किसी चीज से लगाव होना अच्छा है, लेकिन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं है। हमने जॉगर्स (सामान्य जूते) पहने थे, स्पाइक्स नहीं, इसलिए कोई खतरा नहीं था।

कोटक कहा कि इस बहसबाजी के लहजे के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। क्यूरेटरों को यह भी समझने की जरूरत है कि वे जिन लोगों से बात कर रहे हैं, वे अत्यधिक कुशल और बुद्धिमान हैं।

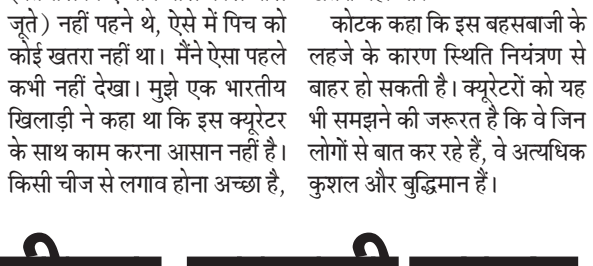

लंदन के ओवल मैदान पर भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से पहले प्रशिक्षण सत्र के दौरान ग्राउंड्समैन से बात करते मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ।

ईसीबी से शिकायत कराने से किया इनकार

कोटक के अनुसार स्थिति और खराब हो गई क्योंकि फोर्टिस ने भारतीय टीम के एक सपोर्ट स्टाफ पर चिल्लाते हुए कहा कि वह कूलिंग बॉक्स को मुख्य स्क्वायर के पास न ले जाए। कोटक ने इस घटना को लेकर ईसीबी (इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से शिकायत कराने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि आप पिछले मैच के ड्रॉ के बारे में पूछेंगे (हंसते हुए)। लेकिन जब सपोर्ट स्टाफ में से एक कूलिंग बॉक्स वहां ला रहा था तब भी फोर्टिस रोलर पर बैठा था, उसने चिल्लाकर सपोर्ट स्टाफ से कहा कि उसे वहां न ले जाए। उन्होंने कहा, उस समय गौतम ने बस इतना कहा कि सपोर्ट स्टाफ से ऐसे बात मत करो, क्योंकि सपोर्ट स्टाफ मुख्य कोच के अधीन आते हैं। मैदानकर्मी किसी टीम के सहयोगी सदस्यों पर चिल्ला नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम की प्रतिक्रिया बहुत सामान्य थी। अधिकांश टीम जानती है कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना मुश्किल है।

मंधाना की जगह नंबर वन बल्लेबाज बनीं ब्रंट

दुबई, एजेंसी

इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट ने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर आईसीसी महिला वनडे की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ हाल ही में शृंखला में 160 रन बनाने वाली ब्रंट 2023 में रैंकिंग में शीर्ष पर रही थी।

मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 115 रन बनाए थे, लेकिन वह रैंकिंग में एक पायदान नीचे आ गई। ब्रंट के अब 731 अंक हैं जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें नंबर पर खिसक गई जबकि जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गई। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर व मेगान शट पहले दो स्थान पर हैं।

- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें व जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गईं।
- गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे व इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे स्थान पर पहुंचीं

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग दूसरे दौर में, त्रीसा-गायत्री बाहर

मकाऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया।

प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की महिला युगल जोड़ी भी चीनी ताइपे की जिह लिंग हुआंग और वांग सू-मिन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 21-15, 16-21, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं। अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अज़ाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। तस्नीम का मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में चीन की चेन यू फेई से, जबकि अनमोल का थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से मुकाबला होगा।

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से 21-16, 20-22, 15-21 से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। अपूर्वा गहलावत व साक्षी गहलावत महिला युगल में मलेशिया की गो पेई की और तेओह मेई जिंग से हार गईं। हरिहरन अम्साकरुनन व रुबन कुमार रेथिनासबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को 21-18, 21-17 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के से होगा। थांड्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोंजेंगबाम की मिश्रित युगल जोड़ी भी मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई है। उनका मुकाबला अब थाईलैंड की फुवानत होरबानलुएकिट और फुंगफा कोरपथाम्माकिट से होगा।

इससे पहले सात्विक और चिराग ने शानदार शुरुआत करते हुए 6-1 की बढ़त बना ली थी। मलेशियाई जोड़ी ने अंतर को 10-9 किया था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने 13-14 तक दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने बढ़त ली और फिर चार अंक हासिल करके मैच अपने नाम कर लिया। इस बीच मेइराबा लुवांग मैसनाम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे और क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर में चीन के झू झुआन चेन से 15-21, 21-17, 13-21 से हार गए।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष 10 में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी और फिलहाल दसवें नंबर पर काबिज चिराग और सात्विक को मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक ने 21-13, 21-17 से हराया। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढकर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई जिन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराया था। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

शतरंज का खेल

अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को दिव्या ने दी है मात

इच्छाशक्ति से दिव्या ने जीता विश्व कप : पोल्गार

नई दिल्ली, एजेंसी

महान शतरंज खिलाड़ी सुसैन पोल्गर ने कहा है कि दिव्या देशमुख को मानसिक दृढता और जीत की ललक के कारण विश्व कप खिताब जीतने में मदद मिली। 19 वर्ष की दिव्या ने अपने से कहीं अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को हराकर जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खिताब जीता। साथ ही उन्होंने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया और भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई।

सुसैन ने कहा कि दिव्या टूर्नामेंट से पहले वह खिताब की दावेदार नहीं थी, लेकिन उसने यह कारनामा कर दिखाया। हंगरी व अमेरिका की ग्रैंडमास्टर ने कहा कि कई मुकाबलों में वह संकट में भी थी और बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी लेकिन जीतने के बाद अब वह सब बेमानी है। उसने जुझारूपन नहीं छोड़ा और इसी दृढता से जीत तक पहुंची। 1996 से 1999 तक विश्व चैंपियन रह चुकी सुसैन ने स्वीकार किया कि भारतीय शतरंज सफलता के नए आयामों को छू रहा है और विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गज जब नई पीढी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं तो भारत का भविष्य खेल में उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि गुकेश जब 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने तब वह भारतीय संभावितों में सबसे ऊंची रेटिंग वाले खिलाड़ियों में से भी नहीं थे। मैने तभी जान लिया था कि वह बहुत आगे जाएगा। लोगों को अजीब भी लगा, लेकिन 50 ग्रैंडमास्टर के साथ काम कर चुकी कोच होने के नाते मैने उसमें वह गुण देखे थे। उन्होंने कहा कि दिव्या के साथ भी ऐसा ही है। वह भारत की सबसे ऊंची रेटिंग वाली खिलाड़ी भले ही नही हो लेकिन उसमें जीत के गुण हैं। ये युवा बेखौफ हैं और इनमे जीत की ललक है। इससे उनके खेल की कुछ खामियां भी ढक जाती है। उम्मीद है कि कड़ी मेहनत, अनुभव और अभ्यास से ये कमियां भी छिप जाएंगी।

दिव्या को रास में दी गई जीत की बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतने के लिए मंगलवार को बधाई दी गई। उप सभापति हरिवंश ने कहा कि दिव्या ने देश को गौरवान्वित किया है। दिव्या की यह उपलब्धि उनकी निजी उपलब्धि ही नहीं है बल्कि यह शतरंज के क्षेत्र में नया प्रतिमान है। दिव्या की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। दिव्या की यह जीत नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और वह अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर दिव्या को बधाई दी। भारतीय खिलाड़ी दिव्या ने जॉर्जिया हम्पी को हराकर खिताब जीता है।

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ भारत ग्रुप सी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला एशियाई कप

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है। वियतनाम 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 स्थान है। भारत 70वें स्थान पर है और कम रैंकिंग वाली टीम है।

- प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमें तीन समूहों में विभाजित

हमारा ग्रुप दिलचस्प व पेचीदा भी : छेत्री

भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा कि मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोचकर करना होगा। ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।